



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 5] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 25, 1992 (मार्ग 5, 1913)
No. 5] 4 NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 25, 1992 (MAGHA 5, 1913)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III—SECTION 4]

सांख्यिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय स्टेट बैंक

(केन्द्रीय कार्यालय)

बम्बई, दिनांक 4 जनवरी 1992

क्र. 1/1992—भारतीय स्टेट बैंक (सहयोगी बैंक) अधिनियम, 1959 की उप धारा (1) के अन्तर्गत दिये गये अधिकारों के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक ने स्टेट बैंक आफ बोकानेर एण्ड जयपुर/हैदराबाद/इन्दौर/मैसूर/पटियाला/सौराष्ट्र/लावणकोर (अधिकारी) सेवा विनियम, 1979 के विनियम 21, 22(2), 24(1) (ख) और 33(4) में निम्नलिखित संशोधन किया है जो कि भारतीय रिजर्व बैंक एवं संबन्धित सहयोगी बैंकों के निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित है :—

विनियम 21 :

1 नवम्बर, 1987 को तथा उसके पश्चात से, महंगाई भत्ता योजना निम्नानुसार होगी :—

(क) अखिल भारतीय श्रमिक वर्ग ग्राहक मूल्य सूचकांक (सामान्य) आधार 1960-100 के

त्रैमासिक औसत में 600 अंकों से अधिक के हर 4 अंकों की वृद्धि या—ह्रास के लिए महंगाई भत्ता प्रदत्त किया जाएगा ।

(ख) महंगाई भत्ता निम्नलिखित दर पर दिया जाएगा :—

- (1) रु० 2500/- तक "वेतन" का 0.67 प्रतिशत, एवं
- (2) रु० 2500/- से अधिक और रु० 4000/- तक "वेतन" का 0.55 प्रतिशत, एवं
- (3) रु० 4000/- से अधिक और रु० 4260/- तक "वेतन" का 0.33 प्रतिशत, एवं
- (4) रु० 4260/- से अधिक पर "वेतन" का 0.17 प्रतिशत ।

विनियमन 22 (2) :

1 जनवरी, 1990 को तथा उसके बाद से यदि किसी अधिकारी को बैंक द्वारा आवास नहीं प्रदान किया गया हो

तो उसे निम्नलिखित दर पर मकान किराया भत्ते की पात्रता होगी :—

जहाँ कार्यस्थान कालम I	देय मकान किराया भत्ता कालम II
(क) स्टेट बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार समय-समय पर "क" श्रेणी में निर्दिष्ट किए गए महानगर	वेतन का 14 प्रतिशत जो अधिकतम रु० 450/- प्रति माह के अध्यक्षीन होगा ।
(ख) क्षेत्र I के अन्य स्थान तथा "ख" समूह में आने वाले परियोजना केन्द्र	वेतन का 12 प्रतिशत जो अधिकतम रु० 375/- प्रति माह के अध्यक्षीन होगा ।
(ग) क्षेत्र II तथा राज्यों की राजधानियों तथा संघशासित प्रदेशों की राजधानियों जो उपर्युक्त (क) तथा (ख) में सम्मिलित की गई हो	वेतन का 10 प्रतिशत परन्तु अधिकतम रु० 325/- प्रतिमाह के अध्यक्षीन होगा ।
(घ) क्षेत्र III	वेतन का 8 प्रतिशत जो अधिकतम रु० 300/- प्रतिमाह के अध्यक्षीन होगा ।

परन्तु यदि कोई अधिकारी किराया रसीद प्रस्तुत करता है तो उसे अपने आवश्यक मकान हेतु दिए जाने वाले वास्तविक मकान किराया भत्ते का भुगतान उस सीमा तक किया जाएगा, उसकी जिस वेतनमान में नियुक्ति हुई है उसके प्रथम चरण के वेतन से 6 प्रतिशत की अधिक राशि ही अथवा कालम II में दर्शाई गई दरों पर देय अधिकतम भत्ते की 175 प्रतिशत तक राशि, जो भी कम हो, देय होगी ।

स्पष्टीकरण :

1(ख) यदि बैंक द्वारा किराये पर आवास लिया गया है तो 1 अप्रैल, 1990 से प्रभावी बैंक द्वारा देय संविदापरक किराया या उपर्युक्त (क) के प्रक्रियानुसार परिकलित किराया, जो भी कम हो ।

(2) इस विनियम तथा विनियम 23 में क्षेत्र I, क्षेत्र II, तथा क्षेत्र III का तात्पर्य निम्नानुसार होगा :—
क्षेत्र I—12 लाख से अधिक की आबादी वाले स्थान ।

क्षेत्र II—क्षेत्र I के अन्तर्गत सम्मिलित शहरों के अतिरिक्त वे सभी गृह जिनकी आबादी 1 लाख या उससे अधिक हो ।

क्षेत्र III—वे सभी स्थान जिन्हें क्षेत्र I तथा क्षेत्र II के अन्तर्गत सम्मिलित न किया गया हो ।

विनियम 24 :

(1) कोई अधिकारी स्वयं तथा परिवार हेतु वास्तविक रूप से व्यय किए गए चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए निम्नलिखित आधारों पर पात्र होगा, यथा :—

तालिका

वेतन सीमा	प्रतिपूर्ति सीमा प्रतिवर्ष
(1)	(2)
रु० 2100/- से रु० 3060/- तक प्रतिमाह	रु० 750/-
रु० 3061/- प्रति माह और उससे अधिक	रु० 1000/-

नोट :—कोई अधिकारी अपनी अनुपयोजित चिकित्सा सहायता राशि को उपर्युक्त दर्शाई गई अधिकतम राशि के 3 गुना तक जमा कर सकता है ।

स्पष्टीकरण : इस विनियमन के उद्देश्य से अधिकारी के "परिवार" में केवल पति/पत्नी, पूर्ण रूप से आश्रित बच्चे तथा पूर्ण रूप से आश्रित माता-पिता सम्मिलित होंगे ।

(ख) अस्पताल में भरती होने का व्यय :

(1) 1 अप्रैल, 1989 को तथा उसके पश्चात् अस्पताल में भरती के प्रत्येक प्रकरण में, अधिकारी के प्रकरण में 90 प्रतिशत तथा उसके परिवार के सदस्यों के प्रकरण में 60 प्रतिशत तक चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति की जायेगी । बिलों, वाउचर आदि के आधार पर व्यय की प्रतिपूर्ति समय-समय पर सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार निर्धारित सीमा के आधार पर होगी ।

(2) अधिकारी या उनके परिवार के सदस्यों से (जैसे भी प्रकरण हो) यह अपेक्षा की जाती है कि वे सरकारी या नगरपालिका अस्पताल या किसी निजी अस्पताल अर्थात् ट्रस्ट, धर्मार्थ संस्थान या धार्मिक मिशन के प्रबंधन द्वारा संचालित अस्पताल में ही भरती हो । लेकिन अपरिहार्य परिस्थितियों में अधिकारी या उनके परिवार के सदस्य या दोनों बैंक द्वारा अनुमोदित किन्हीं नर्सिंग होम या व्यक्तिगत अस्पतालों में इलाज करवा सकते हैं । तथापि ऐसे संवर्धों में चिकित्सा प्रतिपूर्ति उस राशि तक सीमित रहेगी जो रोगी को उपर्युक्त अस्पतालों में से किन्हीं एक में इलाज कराने पर दिया जाता ।

(3) 1 अप्रैल, 1989 को तथा उसके पश्चात् ऐसी बीमारियों की चिकित्सा हेतु, जिनकी मान्यता प्राप्त चिकित्सा प्राधिकारियों और बैंक के चिकित्सा अधिकारियों के प्रमाणन के अनुसार घर पर चिकित्सा प्राप्त किए जाने की आवश्यकता है को, अस्पताल में भरती होने का चिकित्सा व्यय ही समझा जा गा और अधिकारियों के मामले में 90 प्रतिशत तक

तथा उनके परिवार के सदस्यों के मामले में 60 प्रतिशत तक चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति की जायेगी :—

कैंसर, क्षयरोग, लकवा, हृदयरोग, ट्यूमर, चेचक, प्लूरसी, डिफ्थीरिया, कुष्ठ रोग, गुरदा रोग ।

विनियमन 33(4) :

1 जनवरी, 1990 को तथा उसके पश्चात् अजित अवकाश को 240 दिनों तक से अधिक संग्रह नहीं किया जा सकता पर अपवाद के रूप में यदि अवकाश के लिए आवेदन किया गया हो लेकिन सस्वीकृत न किया गया हो ।

केन्द्रीय निदेशक मंडल के आदेशानुसार ।

वी० मलादेवन,

प्रबंध निदेशक

बम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1992

सूचना

क्र० 3/1992—भारतीय स्टेट बैंक (सहयोगी बैंक) अधिनियम की धारा 63 की उप धारा (1) के अन्तर्गत दिये गये अधिकारों के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक ने स्टेट बैंक आफ बीकानेर एण्ड जयपुर/हृदराबाद/इन्दौर/मैसूर/पटियाला/सौराष्ट्र/त्रावणकोर कर्मचारी भविष्य निधि विनियमन के उप-विनियम के 12(2) में निम्नलिखित संकलन किया है जो कि भारतीय रिजर्व बैंक एवं सहयोगी बैंकों के निदेशक मंडल द्वारा भी अनुमोदित है :—

उप-विनियम 12(2) :

प्रत्येक सदस्य के खाते में उसकी जमा राशि पर प्रत्येक वर्ष के अंत में ट्रस्टियों द्वारा निर्धारित दर से ब्याज जमा किया जायेगा । इसमें उस प्रतिफल का भी ध्यान रखा जाएगा जो इस सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार द्वारा दिए गए या बनाए गए नियमों, योजनाओं या निर्देशों के अनुसार अन्य भविष्य निधि धर्मार्थ, ट्रस्ट तथा अर्धट्रस्ट निधियों में विनियोजन करने से प्राप्त हो सकता है । इस ब्याज की गणना प्रत्येक सदस्य के खाते में मासिक प्राइवट पर रुपये के पूर्णांक में की जायेगी (राशि रुपये के अगले पूर्णांक तक कर दी जाएगी) और खाते में 31 मार्च तथा 30 सितम्बर को जमा किया जाएगा ।

केन्द्रीय निदेशक मंडल के आदेशानुसार ।

एन० के० सिंह

उप प्रबन्ध निदेशक (सहयोगी बैंक)

भारतीय चार्टर्ड प्राय लेखाकार संस्थान

नई दिल्ली-110 002, दिनांक 30 दिसम्बर, 1991

नं० 3-एन० सी० ए० (5)/7/91-92—इस संस्थान की अधिसूचना नं० 3-एन० सी० ए० (4)/3/86-87 दिनांक 27-2-1987, 3-डब्ल्यू० सी० ए० (4)/13/88-89

दिनांक 23-3-1989, 3-एन० सी० ए० (4) 2/90-91 दिनांक 12-11-1990, 3-एन० सी० ए० (4)/3/89-90 दिनांक 9-11-1989, 3-एन० सी० ए० (4)/2/90-91 दिनांक 12-11-1990 और 3-एन० सी० ए० (4)/3/90-91 दिनांक 4-2-1991 के मन्दर्भ में चार्टर्ड प्राय लेखाकार विनियम 1988 के विनियम 20 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 19 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राय लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः उनके आगे दी गई तिथियों से स्थापित कर दिया है :—

क्र०सं०	सदस्यता सं०	नाम एवं पता	दिनांक
1	2	3	4
1.	14350	श्री अरुण कुमार सेठ, ए० सी० ए०, 2445, छिप्पीबाराड़ा क्लान, नियर जामा मस्जिद, दिल्ली-6 ।	24-6-1991
2.	21754	श्री सी० अय्याम्बामी, ए० सी० ए०, 44/45, बालाजी स्ट्रीट, सैदापेट, मद्रास-600 015 ।	28-6-1991
3.	51459	श्री जयन्ता रे, ए० सी० ए०, 179 पोकेट-बी, डी० डी० ए०, फ्लैट्स, मुखदेव विहार, नई दिल्ली-110065 ।	4-7-1991
4.	81587	श्री दया प्रकाश महेष्वागी, एफ० सी० ए०, 32-ए, डी० डी० ए० (एम० आई० जी०) फ्लैट्स, कुतब एन० लेव फेज-1, नई दिल्ली-110016 ।	28-6-1991
5.	84038	श्री जयन्त अमृतानन्द शर्मा, ए० सी० ए०, क्यू-2ए हौजबास, नई दिल्ली-110016 ।	1-7-1991
6.	84755	श्री अब्दुल अहद भट्ट, ए० सी० ए०, फ्लैट नं० 13, ग्रोफ बिल्डिंग, बुदशाह चौक, श्रीनगर (कम्पमीर) ।	12-7-1991
7.	85370	श्री विजय कुमार, ए० सी० ए०, एच० नं० 2107, नई बस्ती, रेवाड़ी (हरियाणा) ।	1-7-1990

1	2	3	4
8.	85390	श्री अखिलेश कुमार महेश्वरी, 1-10-1989 ए० सी० ए०, केयर ओफ आर० के० राठी, एम-3/29, माडल टाउन-3, दिल्ली-110 009 ।	
9.	85394	श्री राजेश चावला, 28-6-1991 ए० सी० ए०, ए-16, प्रियदर्शिनी बिहार, नई दिल्ली-110092 ।	
10.	85787	श्री संजीव कुमार मित्तल, 2-7-1991 ए० सी० ए०, 1351, डा० मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009 ।	
11.	87221	श्री जग मोहन, 24-6-1991 ए० सी० ए०, मैसर्स के० के० सोनी एण्ड कं०, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स, 130, सरोजनी मार्किट, नई दिल्ली-110023 ।	

मं० 3 एन०सी० ए० (5)/8/91-92:—इस संस्थान की अधिसूचना नं० 4-ई० सी० ए० (11)/79-80 दिनांक 15-3-80, 4-सी० ए० (15)/78-79 दिनांक 29-1-79, 3-इव्ल्यू० सी० ए० (4)/8/90-91 दिनांक 2-1-91, 3-एन० सी० ए० (4)/3/90-91 दिनांक 4-2-91, 3-एन० सी० ए० (4)/3/89-90 दिनांक 9-11-89, 3-एन० सी० ए० (4)/3/87-88 दिनांक 30-12-87 और 3-एन० सी० ए० (4)/2/90-91 दिनांक 12-11-90 के सन्दर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1988 के विनियम 20 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 19 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः उनके आगे दी गई तिथियों से स्थापित कर दिया है।

क्रम सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1	2	3
1.	5546	श्री सुनिलेन्दु भट्टाचार्य, एफ० सी० ए०, बी०-300, चितरंजन पार्क, नई दिल्ली-110019 ।

1	2	3	4
2.	6733	श्री के० एस० रामा राव, ए० सी० ए०, प्लॉट नं० 3391, एक्सटेंशन-18, गबरोने (बोटसवाना), अफ्रीका ।	13-9-91
3.	8527	श्री देव कृष्ण सूद, ए० सी० ए०, सीनियर वाइस-प्रेसीडेंट (कमीशन), केयर ऑफ प्रकाश इण्डस्ट्रीज लि०, पदमा टाउन-1, 1 फ्लोर, राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली-110008 ।	5-8-91
4.	9436	श्री तारा चन्द धर्मीजा, एफ० सी० ए०, फ्लेट नं० 278, सी० ए० अपार्टमेंट्स, पश्चिम बिहार, नई दिल्ली-110063 ।	31-7-91
5.	16356	श्री ए० कान्त, ए० सी० ए०, 422/ ब्लाक-7, डिफेंस सर्विस ऑफिसर्स एनक्लेव, सरदार पटेल मार्ग, धोला कुआ, नई दिल्ली ।	12-10-91
6.	80539	श्री भूपिन्दर कुमार जैन, एफ० सी० ए०, बी-2/762, बार्ड नं० 5, जौडीआला गुरु, अमृतसर ।	6-8-91
7.	82410	श्री हरीश चन्दर, ए० सी० ए०, 6/12 ए, मोती नगर, नई दिल्ली-110015 ।	13-8-91
8.	83828	श्री संवीप मल्होत्रा, ए० सी० ए०, 89, पूर्वी मार्ग, बसन्त बिहार, नई दिल्ली-110057 ।	1-10-91
9.	83847	श्री अशोक कुमार मलिक, एफ० सी० ए०, एच-229, जीवन निकेतन, एन० आई० सी० कालोनी, दिल्ली-110041 ।	12-8-91

1	2	3	4
10.	84729	श्री संजय मित्तल, ए० सी० ए०, 299 सी, पाकेट-2, मयूर बिहार फेज-2, दिल्ली-110091 ।	23-9-91
11.	86267	श्री कृष्ण गोपाल, ए० सी० ए०, वर्ल्ड लिंक फाइनेंस लि०, अर्चना थेटर, 2 पलोर, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-110048 ।	9-8-91
12.	86838	श्री राजीव कुमार मन्दीरता, ए० सी० ए०, पोकेट ए, हाउस नं० 564, सरिता बिहार, नई दिल्ली-110044 ।	23-8-91
13.	87665	श्री ध्रुव कुमार अग्रवाल, ए० सी० ए०, एल बी-9, प्रकाश दीप, 7 टोलस्टोय मार्ग, नई दिल्ली-110002 ।	19-8-91

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

मद्रास-600034, दिनांक 3 जनवरी, 1992

सं० 3-एस० सी० ए० (4)/8/91-92—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1988 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उपधारा 1(ख) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से निम्नलिखित सदस्यों का नाम उनकी प्रार्थना पर उनके आगे दी गई तिथि से हटा दिया है।

क्रम संख्या	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1.	897	श्री के० राघवन, 14, जीवारथनम नगर, अय्यार, मद्रास-600020 ।	1-4-85
2.	2698	श्री जी० रामानाथन, 128, ईस्ट कार स्ट्रीट, चिदाम्बरम-608001 ।	1-4-91

कानपुर-208001, दिनांक 12 दिसम्बर, 1991

सं० 3-सी० सी० ए० (4)(5)/91-92—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1988 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उपधारा 1(क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से मृत्यु हो जाने के कारण निम्नलिखित सदस्यों के नाम उनके आगे दी गई तिथियों से हटा दिया है।

क्र० सं०	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1.	5126	श्री रमेश चन्द्र टण्डन, 95 ए सिविल-लाइन्स, बरेली, ।	2-11-91
2.	74111	श्री अजय मित्तल जोहरी, 41, शिवाजी नगर, महमूरगंज, वाराणसी, ।	18-7-91
3.	70850	श्री ओम प्रकाश राना, 1693, नेपियर टाउन, जबलपुर ।	25-10-91

ए० के० भजूमदार,
सचिव

द इन्स्टिट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया

कलकत्ता-700016, दिनांक 11 दिसम्बर 1991

सं० 18 सी० डब्ल्यू० आर० (262)/91—कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स विनियम 1959 का अनुसरण करते हुए एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि विनियम 18 के विनियमन 17 द्वारा उक्त विनियमन के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए इन्स्टिट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया की कान्सिल ने

श्री चन्दन चौधरी,
बी० कॉम (ऑनर्स) एल० एल० बी०, ए० सी०, आई०
डब्ल्यू० ए० द्वारा एन्ड्रयूले एण्ड कं० लि०,
आन्तरिक लेखा परीक्षा विभाग,
8 क्लाइब रोड, कलकत्ता-700001 ।

(सदस्य संख्या 6600) दिनांक 20 मार्च, 1991 से प्रभावी का नाम अपने सदस्यता के रजिस्टर में पुनः दर्ज कर लिया है।

सं० 16 सी० डब्ल्यू० आर० (1119-1122)/91:—
कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्टस विनियमन 1959 तथा विनियमन 16 का अनुसरण करते हुए एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्टस अधिनियम 1959 की धारा 20 उपधारा (1)(ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्टस आफ इण्डिया के इन्स्टिट्यूट की काउन्सिल ने सदस्यता के रजिस्टर से :

1. श्री के० पी० विश्वनाथ, एफ० आई० सी० ए, काशी निकेतन, गोविन्द रोड, चेम्बुर, बम्बई-400089 (सदस्यता संख्या 716) दिनांक 10 अक्टूबर, 1989 से प्रभावी।
2. श्री आर० जी० बाई० बार० बी० एस० सी० ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए० द्वारा यूरेनियम कारपोरेशन आफ इण्डिया लि०, डाकघर : जादुगुडा माइन्स, 832102 सिंहभूम सदस्यता सं० 2634, 14 फरवरी 1990 से प्रभावी
3. श्री अविनि मोहन चक्रवर्ती, एम० एस० सी०, एल० एल० बी०, ए० सी० एम० ए०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए० निदेशक, पब्लिशर्स गिल्ड प्रा० लि० बानी मन्दिर 64/1/38 ए, बेलगछिया रोड, कलकत्ता 700037 (सदस्य संख्या 769) 27 सितम्बर, 1991 से प्रभावी तथा
4. श्री श्री० एन० गर्ग, बी० कॉम एल० एल० बी वित्त प्रबन्धक (अलेखा परीक्षण) द फर्टिलाइजर कारपोरेशन आफ इण्डिया लि० सेन्ट्रल आफिस "मधुवन 55, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली 110019 सदस्य संख्या 1376 दिनांक 14 फरवरी 1991, को मृत्यु के कारण उनके नाम निकाल दिये गये हैं।

दिनांक 12 दिसम्बर, 1991

सं० 16 सी० डब्ल्यू० आर० (1123-24)/92:—
कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्टस विनियमन 1959 के विनियमन 16 का अनुसरण करते हुए, एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्टस अधिनियम 1959 की धारा 20 की उपधारा (1)(बी) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए इन्स्टिट्यूट ऑफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्टस आफ इण्डिया की काउन्सिल ने :

- (1) श्री पी० आर० बापये, बी० ए० बी कॉम, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए फ्लैट नं० 4-ए 4 विंशाल नगर राधव बिल्डिंग अहजान रोड, सूरत (सदस्य सं० 2041) दिनांक 4 अक्टूबर, 1991 से प्रभावी उनके अनुरोध पर
- (2) श्री आर० कृष्णामूर्ति, बी० कॉम, ए० सी० ए० ए० सी० एम० ए०,

ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०

6311 बी इन्डोल्ड ड्राईव कैमरोज, टी० 4 वी० 3 के आई० एलबर्टा, कैनाडा (सदस्य संख्या 7520) दिनांक 6 नवम्बर 91 से प्रभावी उनके अपने अनुरोध पर

अपनी सदस्यता के रजिस्टर से उनके नाम निकाल दिये हैं।

एस० आर० आचार्य,
सेक्रेटरी,

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी 1992

सं० ए-12(11)-1/91-(आर्यु०)-नि० चि० (मु०)---
कर्मचारी राज्य बीमा निगम अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 97 की उपधारा (2-क) तथा धारा-17 की उपधारा (3) के साथ पठित धारा-97 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा कर्मचारी राज्य बीमा निगम (आर्युवैदिक पद) भर्ती विनियम, 1979 का आंशिक संशोधन करते हुए, ऐसे संशोधन से पूर्व की गई या करने से रह गई बातों के अलावा, निगम इसके द्वारा आर्युवैदिक चिकित्सकों के पदों पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है :—

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ

1. ये विनियम कर्मचारी राज्य बीमा निगम (आर्युवैदिक पद) भर्ती (संशोधन) विनियम, 1991 कहे जायेंगे।
2. ये सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. कार्यान्वयन

ये विनियम पूर्वोक्त विनियम, 1979 के साथ सम्बद्ध तदनुरूपी अनुसूची को प्रतिस्थापित करते हुए इन विनियमों के साथ सम्बद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट आर्युवैदिक चिकित्सकों के पदों पर भर्ती के लिए लागू होंगे।

3. संख्या, वर्गीकरण तथा वेतनमान

उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और इनसे सम्बद्ध वेतनमान उक्त अनुसूची के कालम 2 से 4 में विनिर्दिष्ट रूप में होंगे।

4. भर्ती की पद्धति आयु सीमा, योग्यताएं आदि

उक्त पदों की भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, योग्यताएं तथा उनसे संबंधित अन्य मामले पूर्वोक्त अनुसूची के कालम 5 से 13 में विनिर्दिष्ट रूप में होंगे।

5. चयन बोर्ड का गठन, चयन की कार्यविधि तथा रीति

उक्त पदों पर सीधी भर्ती के लिए चयन बोर्ड के गठन तथा चयन की कार्यविधि और रीति कर्मचारी राज्य बीमा निगम (चिकित्सा पद) भर्ती विनियम, 1990 के विनियम 4 में उल्लिखित रूप में होंगे।

6. आयोध्यताएं :—ऐसा कोई व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने, अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है, उक्त पदों में से किसी पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि निगम के महानिदेशक की यह तसल्ली हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह की दूसरी पार्टी पर लागू वैयक्तिक कानून के अन्तर्गत अनुमोदित है तथा ऐसा करने के दूसरे आधार भी हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस विनियम के लागू होने से छूट दे सकते हैं।

7. ढील देने की शक्ति

जहां निगम के महानिदेशक की यह राय है कि ऐसा करना अनिवार्य है या कालोचित है तो वह अध्यक्ष, कर्मचारी राज्य बीमा निगम के पूर्व अनुमोदन के बाद तथा इसके लिए जो कारण है उन्हें लेखापट्ट करके किसी वर्ग या व्यक्तियों की श्रेणी के संबंध में इन विनियमों के किसी उपबन्ध में आदेश द्वारा ढील दे सकती हैं।

8. अपवाद

इन विनियमों में कोई भी बात, आरक्षणों, आयु-सीमा में ढील तथा अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति, भूतपूर्व सैनिक तथा व्यक्तियों के अन्य विशेष वर्गों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

स्था०	निगम
पद का नाम	पदों की सं०
1	2
आयुर्वेदिक चिकित्सक	8×
	श्रृंखला "क"
	अलिपिकवर्गीय

× घट-बढ़ सकती है।

वेतनमान

चयन पद अथवा गैर चयन पद

4

5

2200-75-2800 द० रो-100-

लागू नहीं

4000 रु०

प्रैक्टिसबन्दी भत्ता तथा केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा में समान पदों पर यथा स्वीकार्य अन्य भत्ते।

सीधी भर्ती के लिए आयु-सीमा

क्या केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन स्वीकार्य जोड़े गए सेवा वर्षों का लाभ पद पर लागू है

6

7

35 वर्ष से अधिक नहीं

लागू नहीं

(क) राज्य निगम तथा सरकारी कर्मचारियों के लिए 5 वर्ष तक की ढील)

टिप्पणी :—आवेदन प्राप्त करने की अन्तिम तारीख आयु-सीमा निर्धारित करने की महत्वपूर्ण तारीख होगी।

सीधी भर्ती वाले उम्मीदवारों के लिए अपेक्षित शैक्षिक तथा अन्य योग्यताएं

क्या सीधी भर्ती के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आयु तथा शैक्षिक योग्यताएं पदोन्नति वाले उम्मीदवारों पर भी लागू होंगी

8

9

अनिवार्य

(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय/सांविधिक राज्य बोर्ड/परिषद/भारतीय औषध संकाय से आयुर्वेद में डिग्री अथवा भारतीय औषध की केन्द्रीय परिषद के अधीन मान्यता प्राप्त समकक्ष योग्यता

लागू नहीं

(ii) भारतीय औषध के केन्द्रीय या राज्य रजिस्टर में पंजीकृत

टिप्पणी : अन्यथा सुयोग्य उम्मीदवारों के मामले में चयन बोर्ड की सिकोरिण पर नियुक्ति अधिकारी के विवेकानुसार योग्यताओं में ढील दी जा सकती है।

टिप्पणी 2 : भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए दिशा-निर्देशों के आधार पर अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति से संबंधित उम्मीदवारों के मामले में अनुभव से संबंधित योग्यताओं में ढील दी जा सकती है।

परिवीक्षा की अवधि, यदि कोई हो

भर्ती की पद्धति क्या सीधी भर्ती द्वारा या पदोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति स्थानांतरण द्वारा और विभिन्न तरीकों से भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिफल

10 11

2 वर्ष सीधी भर्ती द्वारा

टिप्पणी : 2200-4000 रु० (परिशोधित) वेतनमान में इस पद के अपग्रेडेशन से पूर्व 650-1200 रु० के परिशोधन-पूर्व वेतनमान में आर्थिक चिकित्सक के नियमित पद धारी की उपयुक्तता का अपग्रेड किए गए पद पर नियुक्ति के लिए प्रारम्भ में चयन बोर्ड द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा। यदि मूल्यांकन में उपयुक्त पाया गया तो उस प्रारम्भिक गठन से ही पद पर नियुक्त किया गया मान लिया जाएगा। यदि मूल्यांकन अपग्रेड किए गए वेतनमान में नियुक्ति के अनुपयुक्त पाया गया तो वह 2000-3500 रु० के वेतनमान में ही कार्य करता रहेगा तथा प्रत्येक वर्ष उनके मामले की समीक्षा की जाएगी।

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 जुलाई, 1990

फाइल सं० 1(13) 82/2639—तमिल अरामु प्रेम मद्रास-2
से कर्मचारी भविष्य निधि नियम एवं प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 (1) सी के अन्तर्गत कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम 1971 से छूट के लिए आवेदन किया था।

और चूंकि मै० बी० ना० सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात में नसुलझें कि उक्त स्थापना के कर्मचारियों को 1-1-88 से लागू तमिलनाडु सरकार पेंशन नियमावली को उनकी परिवार पेंशन के लाभ उक्त अधिनियम और कर्मचारियों की परिवार पेंशन स्कीम 1971 की अन्तर्गत प्रदत्त लाभों से कम अनुकूल नहीं है।

उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1-सी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और यहाँ उल्लिखित शर्तों के आधार पर, मै० बी० ना० सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, एतद्वारा 1-1-88 से 31-12-91 तक, पिछली अवधि से, उक्त स्थापना के कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम 1971 के सभी प्रावधानों से छूट प्रदान देता हूँ।

शर्तें

यदि कोई कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम, 1971 का सदस्य था और उसकी मृत्यु होने पर उसको देय पेंशन को राशि स्थापना की परिवार पेंशन योजना पेंशन स्कीम की राशि में निहित बातों के बावजूद देय पेंशन की राशि से कम है तो नियोक्ता कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम 1971 के अन्तर्गत स्वीकार्य परिवार पेंशन स्वीकृत करेगा।

2. नियोक्ता ऐसे सभी लेख अनुरक्षित करेगा, ऐसी सभी विवरणियों को प्रस्तुत करेगा, ऐसी सभी सुविधाएं निरीक्षण के लिए उपलब्ध करायेगा जिसका केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय समय पर निर्देश करेंगे।

3. नियोक्ता उक्त स्थापना के परिवार पेंशन स्कीम का प्रशासन जिसमें लेख अनुरक्षण लेखों और विवरणियों को प्रस्तुत करने, लेखों आदि शामिल है, से संबंधित सभी खर्चों को वहन करेगा।

4. नियोक्ता उक्त स्थापना की पेंशन नियमावली/परिवार पेंशन स्कीम यदि कोई है, में जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त द्वारा अनुमोदित हो सभी संशोधन करके नियमावली की प्रतिलिपि के मुख्य मुद्दों को अधिकांश कर्मचारियों द्वारा समझी जाने वाली भाषा में अनुवाद करवाकर तथा उस स्थापना के नॉटिस बोर्ड पर लगायेंगे।

5. कर्मचारियों के हितों को तुरी तरह प्रभावित करने वाली स्थापना के पेंशन नियमावली/परिवार पेंशन स्कीम, में कोई भी संशोधन केन्द्रीय सरकार भविष्य निधि आयुक्त की पूर्व अनुमति के बिना नहीं किया जाएगा।

पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती के मामले में वे ग्रेड जिन से पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा

12 13

लागू नहीं

ग्रुप "क" विभागीय पदोन्नति समिति (स्थाईकरण पर विचार करने के लिए) :—

1. चिकित्सा आयुक्त,
क० रा० बी० निगम—अध्यक्ष
2. निदेशक (चिकित्सा) मुख्या०
क० रा० बी० निगम—सदस्य
3. निदेशक (प्रशासन)
क० रा० बी० निगम—सदस्य

श्रीमती कुलुम प्रसाद
महानिदेशक

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने संशोधन करने से पहले कर्मचारियों के विचार जानने के लिए उपयुक्त अवसर प्रदान करेंगे।

बिमांक 2 अक्टूबर, 1992

सं० के० भ० नि० भा०/2(4)/आन्ध्र प्रवेश (254)/91—
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की जहाँ प्रतीत होता है कि निम्न-
लिखित स्थापनाओं से संबंधित नियुक्ता तथा कर्मचारियों का
बहुमत इस बात से सहमत हो गये हैं कि कर्मचारी भविष्य
निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का
19) के उपबन्ध उक्त स्थापनाओं पर लागू किये जायें।

क्रम सं०	कोड नं०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1	2	3	4
1.	अ० प्र०/ 20111	मै० लुनानी रामगोपाल चिट फण्ड्स (प्रा०) लि०, डी-34-5-26, राजाजी स्ट्रीट, काकीनाडा-533001, ईस्ट गोदावरी जि०	1-11-90
2.	आ० प्र०/ 20156	मै० एस० बी० पैकेजिंग (प्रा०) लि०, नवभारत नगर, बोम्मूर-533124 राजामुंडरी, आ० प्र एवं असकी फैक्टरी दोबलाहसवरन, ई० जी० डिस्ट्रिक्ट	1-10-90
3.	आ० प्र०/ 20166	मै० कारोमण्डल क्लब, अन्नापार्थी ईस्ट गोदावरी डिस्ट्रिक्ट आ० प्र०।	1-12-90
4.	आ० प्र०/ 20164	पै० श्री सेरेमिक इण्डस्ट्रियल इस्टेट पी० आ०, दोबलाहसवरन-533124 राजमण्डरी, ई० जी० जिला, आ० प्र०।	1-10-90
5.	आ० प्र०/ 17979	मै० एन० जी० आर० आई० डिपार्टमेंटल कैन्टीन, उप्पल रोड, हैदराबाद-500007, आ० प्र०।	1-9-90
6.	आ० प्र०/ 19342	मै० प्रतिभा रेजिडेंशियल कालेज, कुरनौल रोड, ओगोल प्रकाशम जिला, आ० प्र०।	1-11-90
7.	आ० प्र०/ 19353	मै० श्री लक्ष्मी ट्रेडर्स, वैलमपल्ली 523219, प्रकाशन जिला, आ० प्र०	1-7-90
8.	आ० प्र०/ 19397	मै० रामनजान्या ऑपल प्रोड्यूसर्स, रामनगर, अदोकी-523201, प्रकाशन जिला।	1-1-91
9.	आ० प्र०/ 19395	मै० नागरजुना बल प्रोड्यूसर्स, रामनगर, अदोकी-523201, प्रकाशन जिला।	1-2-91

1	2	3	4
10.	आ० प्र०/ 19396	मै० श्री चिराला रेजिडेंशियल कालेज, विवेकानन्द नगर, पेराला (पी० आ०)-523157 चिराला।	1-1-91
11.	आ० प्र०/ 19393	मै० संधिमित्रा सर्विस सोसायटी, कृष्णा नगर, विजयवाड़ा-7, जिमकी शाखावे चन्दरेला, कृष्णा एवं कांशीकाचेरला, कृष्णा में।	1-7-90
12.	आ० प्र०/ 20063	मै० श्री गीथा भवन, उदीपी होटल, मुकरामपुरा, करीमनगर 505002, आ० प्र०।	1-8-89
13.	आ० प्र०/ 20795	मै० दी फारमर्स सर्विस को०आप० सोसायटी लि०, शमशाबाद, मण्डल, पालमाकोल, रंगा रेडी जिला, आ० प्र०।	1-8-90
14.	आ० प्र०/ 19380	मै० श्री नागा भैरवा एजुकेशनल एकेडमी, गुन्नापल्ली 523211, प्रकाशन, जिला, आ० प्र०।	1-12-90
15.	आ० प्र०/ 19379	मै० दि चिराला महिला कंजूमर्स को०आप० स्टोर्स, (महिला सुपर बाजार), लि०, चिराला, प्रकाशन जिला।	1-1-91
16.	आ० प्र०/ 18696	मै० दी कुरनौल जिला शेड्यूल कोस्टर्स सर्विस को०आप०, सोसायटी लि०, करनाल, (आ० प्र०)	1-6-89
17.	आ० प्र०/ 20170	मै० मुजती टेंडर्स प्रा० लि०, 2, ओसियन बीच, ले-आउट, बीच रोड, विशाखापटनम-3।	1-11-90
18.	आ० प्र०/ 20178	मै० साहस एन्टर प्राइजेज हरवर रोड, विशाखापटनम-1।	1-10-90
19.	आ० प्र०/ 20169	मै० श्री निवाम इजिनियरिंग वर्क्स प्लाट नं० 13, फिमिंग, हरवर, विशाखापटनम-3।	1-10-90
20.	आ० प्र०/ 20156	मै० जे० के० इंजिनियर्स (प्रा०) लि०, सलेपुडानीपल्ले, अनकापल्ले (आ० प्र०)।	1-1-91
21.	आ० प्र०/ 20188	मै० सत्य राव एसोसियेट्स, डी० नं० 40-5-7, टीक्कावनी-पतम, कंचरालपल्लम, विशाखापटनम-8।	1-4-90
22.	आ० प्र०/ 20186	मै० जी० विश्वनाथ, 9-41-28, नेताजी नगर, पीथापुरम कालोनी, विशाखापटनम-3।	1-1-91

अतः केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उपर्युक्त स्थापनाओं को उस या उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करते हैं जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शायी गई है।

सं० के० भा० नि० भा०/2(4)गुजरात(255)/91:—
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहां प्रतीत होता है कि निम्न-लिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत हो गये हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापनाओं पर लागू किये जायें।

क्रम सं० नं०	कोड नं०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1	2	3	4
1. गुजरात/ 20116	मै० इण्डस्ट्रीयल सिक्यूरिटी एण्ड क्राइम इन्वेस्टिगेशन, बस स्टैंड के सामने, हलील, डिस्ट्रि० पंच महल।		1-8-90
2. गुजरात/ 9946	मै० वेव फिल्मम (इडिया) लि०, ए०-2-3448, जी० आई० डी सी०, अंकोणवर।		30-6-84
3. गुजरात/ 15284	मै० वी० आर० ए० ए० एसोसियेट्स, 16/सी, राधाकृष्णा सोसायटी, रिफाइनरी रोड, गोरवा बड़ौदा।		1-5-86
4. गुजरात/ 20266	मै० सुपरमैन पावर सर्विसेज (इण्डस्ट्रियल) डीलाईट चैम्बर, दूसरी मंजिल, एवं कबीर रोड, गांधी गेट, बड़ौदा।		1-11-90
5. गुजरात/ 20267	मै० एस० के० कन्स्ट्रक्शन, 16, राम भाई मेनसन, तीसरी मंजिल (सूर्य प्लाजा के सामने) सायाजी गंज, बड़ौदा।		1-11-90
6. गुजरात/ 20271	मै० क्वांटस इंजीनियर्स, 32, मिहिर पार्क, थ्रोलड पडगा रोड, बड़ौदा-20।		31-12-90
7. गुजरात/ 17682	मै० दी हाजा पटेल पोल्स कन्स्यूमर्स को-ऑप, स्टोर्स लि०, 816, कोल्ह- पुर टनकला अहमदाबाद- 380001 और दो विभाग अहमदाबाद-1।		1-9-89

1	2	3	4
8. गुजरात/ 16915	मै० अहमदाबाद महिला नागरिक सहकारी बैंक लि०, एम/4,77, शास्त्री नगर, शापिंग सेंटर, अहमदाबाद-360013 एवं इसकी ब्रांच गांधी नगर और अहमदा- बाद में।		1-6-90
9. गुजरात/ 20104	मै० एडवांसड लैब सिस्टम्स, 110 नर्मदा अपार्टमेंट्स, नवरंग सिनेमा कम्पाउण्ड, मिनेमा राधपुरा, बड़ौदा 390001।		30-6-90
10. गुजरात/ 20143	मै० बड़ौदरा स्टाक एक्सचेंज लि०, पैराडाइज काम्पलेक्स, तिलक रोड, सायाजी गंज, बड़ौदा।		31-8-90
11. गुजरात/ 20255	मै० विजिलैन्स एण्ड सिक्यूरिटी सर्विसेज (प्रा०) लि०, रणछोड़जी मन्दिर के सामने, बैठक फालिया गौधारा-389001।		1-10-90
12. गुजरात/ 20258	मै० जय अम्बे सिक्यूरिटी सर्विसेज, बी/17/163, जी० आई० डी० सी० कालोनी, मकरपुरा, बड़ौदा- 10 एवं इसकी ब्रांच आफिस सायाजी गंज, बड़ौदा में।		1-11-90
13. गुजरात/ 20013	मै० श्रोम श्री मारुति इंजीनियरिंग एण्ड कन्स्ट्रक्शन, 39, हरी लोक सेवा मण्डल सोसायटी, वाजवा रेलवे स्टेशन के पास, पो० आ० वाजवा, बड़ौदा, गुजरात।		28-2-90
14. गुजरात/ 20191	मै० बड़ौदा ब्लू सिक्यूरिटी सर्विसेज, 192, गोरवा हाउसिंग बोर्ड "आनन्द नगर" गोरवा, बड़ौदा-16।		31-8-90
15. गुजरात/ 15921	मै० शम्मी इंजीनियरिंग कं०, 36/ए, गांधी औथल मिल कम्पाउण्ड, इण्डस्ट्रियल एरिया, गोरवा रोड, बड़ौदा-390016, गुजरात।		1-9-86
16. गुजरात/ 14996	मै० मैंगकोवार कन्स्ट्रक्शन, 20/ 118, हलौरा पार्क, सुभानपुरा, बड़ौदा।		1-10-85

अतः केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं को प्रभावी तिथि अधिनियम को लागू

करते हैं जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शायी गई है।

सं० के० भ० नि० आ०/1(4) कर्नाटक (284)/91—
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहाँ प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत हो गये हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापनाओं पर लागू किये जायें।

क्रम सं०	कोड नं०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1	2	3	4
1. कर्नाटक/ 13232	मै० सुश्रय इलेक्ट्रॉनिक्स (प्रा०) लि०, सी-5, इण्डस्ट्रियल इस्टेट, उदायमबाग, बेलगांव जिसकी भॉच बम्बई में।	1-4-89	
2. कर्नाटक/ 13906	मै० कर्नाटक इंस्टीट्यूट आफ अप्लाइड एग्रीकल्चरल रिसर्च, समीरवाडी, बीजापुर डिस्ट्रिक्ट।	1-5-88	
3. कर्नाटक/ 13774	मै० देवनागरी टाउन प्राइमरी कन्जुमर्स को-आप० स्टोर्स, लि०, चामाराजपेट, देवनागरी।	1-4-90	
4. कर्नाटक/ 13546	मै० भारथा सर्विस कारपोरेशन, 13/2, आत्मानन्द कालोनी, थर्ड मेन मुलतानपाल्या, बंगलौर-32।	1-2-89	
5. कर्नाटक/ 13746	मै० बेंकटागोरी कोटालु उत्पाद-कारा संघ नियमिथा, बेंकटागोरी कोटे, देवनाहल्ली तालुक, बंगलौर।	1-4-90	
6. कर्नाटक/ 11537	मै० अवध इलेक्ट्रीकल्स, 16, थर्ड मेन रोड, सोसायटी कालोनी, अडुगोवी, बंगलौर-27।	1-2-88	
7. कर्नाटक/ 11993	मै० बी० एस० एम० एस० एन० नं० 11, कमालपुर, हासपेट बेलारी डिस्ट्रिक्ट।	1-11-88	
8. कर्नाटक/ 13469	मै० दी हारुगरी एल० एस० एम० पी० को-आप० सोसायटी लि०, हारुगरी रायबाग तालुक, डिस्ट्रिक्ट बेलगांव।	1-11-89	
9. कर्नाटक/	मै० पुरणा पैकेजिंग (प्रा०) लि०, 77/ए, कोरामंगला इण्डस्ट्रियल ले-आउट, बंगलौर-34 जिसका रजिस्टर्ड आफिस बंगलौर-27 में।	1-6-90	

1	2	3	4
10. कर्नाटक/ 13489	मै० सिक्युरिटी एण्ड डिटेक्टिव एजेंसी, 151, 11/मेन डिफेन्स कालोनी, इन्दिरा नगर, बंगलौर-560038 जिसका आफिस बंगलौर-32 में।	1-9-89	
11. कर्नाटक/ 13008	मै० कालोदासा को-आप० बैंक लि० कर्नाटक प्रदेश कुरुद्वारा संघ बिल्डिंग, गांधीनगर, बंगलौर-9।	31-5-84	
12. कर्नाटक/ 13624	मै० दी पीपल्स चीइस, 15, नारायनप्पा ब्लॉक, आर० टी० नगर, बंगलौर-560032।	1-9-89	
13. कर्नाटक/ 14153	मै० विनायका क्रेडिट को-आपरेटिव सोसायटी लि०, 4612, आई० एफ० आई०, 11 मेन रोड, पैलेस गुट्टाहल्ली, बंगलौर-3।	1-1-91	
14. कर्नाटक/ 13993	मै० शबाना कम्पनी, चालास्वामी निलाया फोर्थ फ़्लास, होसमाने एक्सटेंशन, शिमोगा।	32/2, 1-1-90	

अतः केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं को उस या उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करते हैं जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शायी गई है।

सं० के० भ० नि० आ०/1(4) महाराष्ट्र (285)/91—
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहाँ प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत हो गये हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952- (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापनाओं पर लागू किये जायें।

क्रम सं०	कोड सं०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1	2	3	4
1.	गोवा/ 29160	मै० विजय सहकारी पथ संस्था लि०, (वार्ड नं० 10, मकान नं० 26-ए), इचलकरंजी, जि० कोल्हापुर ।	1-7-84
2.	गोवा/ 29193	मै० पवन आटो पार्ट्स, डब्ल्यू-70, एम० आई० डी० सी०, सिरौली, कोल्हापुर-416122 ।	1-8-89

1	2	3	4
3.	गोवा/ 29202	मै० कन्द गांव विविध कार्यकारी सहकारी (विकास) सेवा संस्था मर्या०, कंदगांव ताल, काशवीर, जिला कोल्हापुर ।	1-1-90
4.	गोवा/ 29162	मै० मिगज ग्रुप विविध कार्यकारी सहकारी (विकास) सेवा संस्था मर्या०, सब-मार्केट यार्ड, मिगज-416410 ।	1-4-89
5.	महाराष्ट्र/ 35278	मै० मास्टर मैरीन सर्विसेज, 22 डी० एम० ए०, ब्रेलवी रोड, पोर्ट, बम्बई-400001 ।	1-1-89
6.	महाराष्ट्र/ 35512	मै० अपकीपर्स, टी-2 प्रथम मनजेनार्डन मंजिल, एम० बी० टी० आर० डी०, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, कोलाबा, बम्बई-400005 ।	1-4-89
7.	महाराष्ट्र/ 35166	मै० कुदरत इनवैस्टमेंट एण्ड लीजिंग (प्रा०) लि०, 507, एम्बेसी सेंटर, 207, नरीमन पाइन्ट, बम्बई-400021 ।	18-1-88
8.	गोवा/ 29194	मै० सतारा स्टील्स, बी-1, एम० आई० डी० सी० एरिया, सतारा 415004 एवं इसका आफिस बम्बई में ।	1-12-89

अतः केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं को उस या उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करते हैं जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शाई गई है ।

दिनांक 9 जनवरी 1992

सं० पी-IV/1(8)/91/ए—केन्द्रीय बोर्ड, कं० भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 56 की उपधारा 7(क) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कर्मचारी भविष्य निधि (कर्मचारी और सेवा शर्तें) विनियमावली, 1962 में निम्नलिखित संशोधन करते हैं अर्थात्:—

1. (i) ये विनियम कर्मचारी भविष्य निधि (कर्मचारी और सेवा शर्तें) (संशोधन) विनियमावली, 1991 कहलायेंगे ।
- (ii) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे ।

2. कर्मचारी भविष्य निधि (कर्मचारी और सेवा शर्तें) विनियमावली, 1962 की तीसरी अनुसूची में दिये गये क्रम सं० 9 में अवर श्रेणी लिपिक में दिये गये 35% कोटा के लिये इसे प्रतिस्थापित किया जाये अर्थात्:—

समूह "ग" कर्मचारियों की पदोन्नति जिनका वेतनमान अवर श्रेणी लिपिक के समकक्ष या उससे कम है और समूह "घ" कर्मचारी जो कार्यालय विशेष में कार्यरत हैं और परीक्षा उत्तीर्ण करने के परिणामस्वरूप समूह "ग" कर्मचारियों तक प्रतिबन्धित हैं, का वेतनमान अवर श्रेणी लिपिक के समकक्ष या उससे कम है तथा समूह "घ" कर्मचारी जिनकी न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता मैट्रिक या उससे समकक्ष है ।

बशर्ते कि कोई भी समूह "ग" कर्मचारी जिसका वेतनमान अवर श्रेणी लिपिक के समकक्ष या उससे कम या समूह "घ" कर्मचारी 35% कोटा के अन्तर्गत पदोन्नत हुए हैं जो अंग्रेजी में 30 शब्द प्रति मिनट या हिन्दी में 25 शब्द प्रति मिनट की गति से निर्धारित टाइप टेस्ट पास करने पर अवर श्रेणी लिपिक के ग्रेड में वेतनवृद्धि या स्थायी किया जायेगा ।

बशर्ते कि पुनः यदि कोई या कालम 3 के अन्तर्गत संशोधित पदोन्नति कोटा में आने वाली पद रिक्तियां किसी कार्यालय में वर्ष विशेष के अन्तर्गत नहीं भरी जा सकती क्योंकि ऐसी पद रिक्तियां या पद रिक्तियों जैसा भी मामला हो को सफल उम्मीदवारों की पर्याप्त संख्या को ध्यान में रखते हुए शेष 65% पद रिक्तियों को सीधी भर्ती द्वारा भरा जायेगा ।

ब० ना० सोम,

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

तथा सचिव, केन्द्रीय न्यासी बोर्ड, कर्मचारी भविष्य निधि

पाद टिप्पणी

भारत के राजपत्र भाग-II, धारा 3(1) दिनांक 19 मई, 1962 में प्रकाशित मूल विनियम देखें सा० का० नि० सं० 691

देखें संशोधित विनियम

1. जी० एस० आर० नं० 1483, दिनांक 5 सितम्बर, 1963, 14-9-63 को प्रकाशित ।
2. जी० एस० आर० नं० 592, दिनांक 31-3-64, 11-4-64 को प्रकाशित ।
3. जी० एस० आर० नं० 896, दिनांक 2 जून, 1966 ।
4. जी० एस० आर० नं० 1824, दिनांक 22 नवम्बर, 1966 ।
5. जी० एस० आर० नं० 127, दिनांक 17 जनवरी, 1967 ।
6. जी० एस० आर० नं० 127, दिनांक 28 जनवरी, 1967 ।

7. जी० एम० आर० नं० 787, दिनांक 16 मई, 1970।

8. जी० एम० आर० नं० 1155, दिनांक 7 अगस्त, 1971।

9. जी० एम० आर० नं० 1602, दिनांक 30 अक्टूबर, 1971।

10. जी० एम० आर० नं० 149, दिनांक 7 जनवरी, 1972।

11. जी० एम० आर० नं० 88, दिनांक 8-1-1972।

12. जी० एम० आर० नं० 533 दिनांक 26-5-1973।

13. जी० एम० आर० नं० 547, दिनांक 26-5-1973।

14. जी० एम० आर० नं० 591, दिनांक 2-6-1973।

15. जी० एम० आर० नं० 645, दिनांक 16-6-1973।

16. सरकारी अधिसूचना सं० 19 (30)/69-पी० एफ० आई० दिनांक 17-6-1975।

17. अधिसूचना सं० ए-12018/74-पी० एफ० आई० दिनांक 25-8-1976।

18. जी० एम० आर० नं० 645 दिनांक 16-6-1977।

19. जी० एम० आर० नं० शून्य दिनांक 28-10-1970।

20. अधिसूचना सं० एडी० एम० (आर-1) 14(7)80/35813 दिनांक 23-12-1980।

21. जी० एम० आर० नं० शून्य दिनांक 7 नवम्बर, 1981 भारत के राजपत्र भाग-III खण्ड-4 में प्रकाशित।

22. अधिसूचना सं० पी-III/एडी० एम० आर०-II/14(1)/81/69 दिनांक 12-1-1984 दिनांक 1-12-1984 को भारत के राजपत्र भाग-III खण्ड-4 में प्रकाशित।

23. अधिसूचना सं० पी-III/एडी० एम० आर०-II/16(63)79/-ए० पी० दिनांक 14-12-84 दिनांक 29-12-84 को भारतीय राजपत्र के भाग-III, खण्ड-4 में प्रकाशित।

24. अधिसूचना सं० पी-4/2(9)83/सहायक/मुख्यलिपिक/15898, दिनांक 1-8-86 दिनांक 16-8-86 को भारत के राजपत्र भाग-III खण्ड-4 में प्रकाशित।

25. अधिसूचना सं० पी-4/1(13)/84/ए/20653, दिनांक 22-8-86 दिनांक 6-9-86 को भारत के राजपत्र भाग-III, खण्ड-4 में प्रकाशित।

26. अधिसूचना सं० पी-4/2(4)83/ आर० आर० दिनांक 31-10-86 दिनांक 15-11-86 को भारत के राजपत्र भाग-III, खण्ड-4 में प्रकाशित।

27. अधिसूचना सं० पी-4/1(4)85, दिनांक 7-5-87 दिनांक 23-5-87 को भारत के राजपत्र भाग-III खण्ड-4 में प्रकाशित।

28. अधिसूचना सं० पी-4/1/14/84ए, दिनांक 18-5-87, दिनांक 30-5-87 को भारत के राजपत्र भाग III, खण्ड-4 में प्रकाशित।

29. अधिसूचना सं० पी-4/14(1)81 भाग, दिनांक 12-7-88 दिनांक 23-7-88 को भारत के राजपत्र भाग-III, खण्ड-4 में प्रकाशित।

30. अधिसूचना सं० पी-4/3(62)/85 दिनांक 26-10-1988, दिनांक 12-11-1988 को भारत के राजपत्र भाग-III, खण्ड-4 में प्रकाशित।

31. अधिसूचना संख्या पी-4/1(5)89 दिनांक 16-11-89 दिनांक 9-12-89 को भारत के राजपत्र भाग-III, खण्ड 4 में प्रकाशित।

32. अधिसूचना संख्या पी-4/14(1)81/वा-न० II दिनांक 20-11-89, दिनांक 9-12-89 को भारत के राजपत्र भाग-III, खण्ड-4 में प्रकाशित।

33. अधिसूचना संख्या पी-4/1(9)/89 दिनांक 07-05-90, दिनांक 16-06-90 को भारत के राजपत्र भाग-III, खण्ड-4 में प्रकाशित।

34. अधिसूचना संख्या पी-4/1(6)/89 दिनांक 15-05-90, दिनांक 02-06-90 को भारत के राजपत्र भाग-III, खण्ड-4 में प्रकाशित।

पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़

सं० 1-91/जी० आर०—केन्द्रीय सरकार (मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग) ने अपने पत्रांक एफ० 23-7/91-यू० आई० दिनांकित 3-12-1991 द्वारा निम्नांकित विनियमों को मंजूरी दे दी है :

1. कैलेंडर, भाग I, 1989 के पृष्ठ 49 पर अध्याय II (ए) (iv) 'विद्या परिषद्' का विनियम 1.1।

(विनियमों का परिवर्धन)

1.1 (एक) डीन, कालेज विकास परिषद्—पदेन

2. कैलेंडर, भाग I, 1986 के पृष्ठ 87 पर अध्याय II (बी) "साधारण फैलोज का चुनाव" का विनियम 25।

25. फैकल्टी अथवा फैकल्टियों द्वारा चुनाव के लिए किसी उम्मीदवार का प्रस्ताव सम्बन्धित फैकल्टी अथवा फैकल्टियों के सदस्य द्वारा किया जाएगा, सम्बन्धित फैकल्टी अथवा फैकल्टियों का कोई अन्य सदस्य इसका समर्थन करेगा और इसे रजिस्ट्रार के नाम से रजिस्ट्री द्वारा भेजा जाएगा या उन्हें किसी कार्यविबस पर कार्य-समय के दौरान रसीद लेकर दस्ती दे दिया जाएगा ताकि यह उनके पास विनियम 24 के अधीन जारी किए नोटिस में निश्चित समय से पहले पहुंच जाए। प्रस्तावित उम्मीदवार अपने प्रस्ताव-पत्र पर चुनाव में खड़े होने की सहमति के प्रमाणस्वरूप हस्ताक्षर करेगा।

3. पं० यू० कैलेन्डर, भाग I, 1989 के पृष्ठ 147-148 पर अध्याय छः (VI) (ए) "यूनिवर्सिटी कर्मचारियों की सेवा शर्तें" से सम्बन्धित विनियम 15.1 और 15.2 का संशोधन/परिवर्धन।

15.1 किसी कर्मचारी की सेवा काल में मृत्यु हो जाने पर 1-1-1986 से उपदान (पेंशुइटी) उक्त दर पर दिया जाएगा जो पंजाब सरकार ने सेवा काल में मृत्यु हो जाने पर अपने कर्मचारियों के लिए समय-समय पर नियत किया है।

* 15.2 यूनिवर्सिटी में आने से पहले पंजाब सरकार अथवा पंजाब राज्य के अधिकार-क्षेत्र में स्थित किसी अन्य यूनिवर्सिटी/सम्बद्ध कालेज, चंडीगढ़ (यू० टी०) प्रशासन और पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड में की गई सेवा को, उसके पद से सेवानिवृत्ति (जिसमें ऐच्छिक सेवानिवृत्ति भी सम्मिलित है) के समय उपदान निर्धारित करने के लिए अर्हक सेवा (कुआलिफाइंग सर्विस) के रूप में गिना जाएगा, पर यह निम्नांकित शर्तों के अधीन किया जाएगा :

(i) कर्मचारी ने पहली संस्था में अपने पद से त्यागपत्र देकर उचित माध्यम से इस यूनिवर्सिटी की सेवा ग्रहण की हो और उसकी सेवावधि की निरंतरता में विघन न आया हो। (एक पद से दूसरे पद पर साधारण कार्यग्रहण समय को इस उद्देश्य के लिए सेवा विघ्न नहीं माना जाएगा।)

(ii) कर्मचारी द्वारा की गई पूर्व सेवा के फलस्वरूप प्राप्त किया आवश्यक लाभ जैसे उपदान (यदि कोई हो) और चालू खाते के ऋण पर लागू नियत दर पर ब्याज को कुल अर्हक सेवा अर्थात् पहली यूनिवर्सिटी/सम्बद्ध कालेज/स्कूल बोर्ड/पंजाब सरकार में की गई सेवा को मिलाकर की सेवा के सम्बन्ध में उपदान की राशि को निर्धारित करते समय पूर्णतया समायोजित किया जाएगा।

*(1-1-1986 से लागू)

4. पं० यू० कैलेन्डर, भाग-I, 1989 के पृष्ठ 151-153 पर 'यूनिवर्सिटी अध्यापकों के लिए छुट्टी' से सम्बन्धित अध्याय छः (बी) का विनियम II ए भाग (I) (1989-90 वर्ष से लागू अर्थात् जो शैक्षिक वर्ष 1 जुलाई से शुरू होता है और आगामी वर्ष के 30 जून को समाप्त होता है) II(ए) (सी) पर शर्त यह है कि स्त्री अध्यापकों की हालत में, उनको प्रति वर्ष 20 अफस्मिक छुट्टियां मिलेंगी, चाहे उनकी इस यूनिवर्सिटी की सेवा कितने वर्ष की भी हो।

आगे बर्तते की-

5. कैलेन्डर, भाग-II, 1988 के पृष्ठ 23 पर 'परीक्षाओं के लिए साधारण विनियम—परीक्षाओं में दाखिला' से सम्बन्धित अध्याय-III में विनियम 19 का परिवर्धन (1989 और 1990 के दाखिलों में लागू)।

(1990 के दाखिलों में लागू)

19. यदि किसी परीक्षार्थी ने इस यूनिवर्सिटी में (अपनी बी० ए०/बी० एस०सी० परीक्षा के पश्चात्) ग्रैजुएट स्तर पर कोई अनिश्चित विषय पास किया हो, तो उस द्वारा उस विषय में प्राप्त अंकों को उसी विषय में, जिसमें उसने अनिश्चित विषय पास किया हो/किये हों, इस यूनिवर्सिटी अथवा सम्बद्ध कालेजों में एम० ए० में दाखिला लेने के लिए उसकी योग्यता और पात्रता निर्धारित करने के लिए गिना जा सकता है। योग्यता की गणना उस की इच्छा के अनुसार उस द्वारा पहले पास किए वैकल्पिक विषयों (अंग्रेजी को छोड़कर) में से किसी एक विषय के स्थान पर उस द्वारा उस अनिश्चित विषय में प्राप्त किए अंकों को जोड़कर की जाएगी।

6. कैलेन्डर, भाग-II, 1988 के पृष्ठ 33-34 पर "शैक्षिक वस्त्र" (अध्याय-VI) के लिए विनियम 3 (1) :

(विनियम का विलोचन और परिवर्धन)

17. बैचुलर	काफ़ी हल्की पीली	विलापित
आफ	लाइनिंग	17. बैचुलर पीली
टैक्स्टाइल	भविष्य	आफ लाइनिंग
	काला	फाइन वाला
		आर्ट्स काला
***	***	***

7. कैलेन्डर, भाग-II, 1988 के पृष्ठ 39 पर "परीक्षा संचालन" से सम्बन्धित विनियम 6.1 और 6.2।

6.1 कुलपति यह तसल्ली कर लेने पर कि परीक्षा के अधीक्षक के संपूर्ण कर देने के बाद परीक्षार्थी की उत्तर-पुस्तिका गुम हो गई है :

(क) परीक्षार्थी को परीक्षा कंट्रोलर द्वारा निश्चित की गई तिथियों और समय पर गुम हुआ पेपर दोबारा देने की अनुमति दे सकता है या अन्य पेपरों में प्राप्त अंकों के आधार पर असत अंक प्रदान कर सकता है, पर यह अंक उस विषय में अधिक से अधिक 60% हो सकते हैं।

अथवा

(ख) गुम हुए पेपर में परीक्षार्थी द्वारा दूसरे पेपर में, प्राप्त अंक के समान अंक प्रदान कर सकता है,

परन्तु यदि परीक्षार्थी ने उस विषय में ए और बी पेपर दिए हैं, तो उसे उग पेपर में अधिकतम 60 प्रतिशत अंक दिए जा सकते हैं।

अथवा

(ग) परीक्षार्थी ने जो जेप विषय/पेपर पास कर लिए हैं, उनके औसत अंक प्रदान कर सकता है, परन्तु यदि परीक्षार्थी ने कंपार्टमेंट पास करने के लिए एक विषय में एक पेपर ही दिया हो तो अधिकतम पास अंक ही प्रदान किए जा सकते हैं।

अथवा

(घ) गुप्त हूए पेपर में परीक्षार्थी द्वारा दूसरे पेपर में प्राप्त अंकों के समान अंक प्रदान कर सकता है, परन्तु अधिकतम पास अंक दे सकता है, परन्तु परीक्षार्थी ने कंपार्टमेंट में पास होने के लिए एक विषय के दो पेपर ए और बी दिए हों।

अथवा

(च) परीक्षार्थी की अतिरिक्त विषय की उत्तर-पुस्तिका गुप्त हो जाने की हालत में, उसे परीक्षा कंट्रोलर द्वारा निश्चित तिथि और समय पर पेपर में पुनः बैठने की अनुमति दी जा सकती है।

6.2 यदि इस बात में कोई झगड़ा हो कि परीक्षार्थी ने पेपर बाकई दे दिया था या नहीं, परीक्षा कंट्रोलर द्वारा जांच-परिणाम के रूप में प्रस्तुत की गई उसकी रिपोर्ट के आधार पर कुलपति का निर्णय अंतिम होगा।

8. कैलेंडर, भाग-II, 1988 के पृष्ठ 77 पर बी० ए०/बी० एमसी० के लिए विनियम 16.4।

16.4 जिस परीक्षार्थी ने इस यूनिवर्सिटी से बी० ए०/बी० एम सी० की परीक्षा पास की हो, वह बी० ए०/बी० एमसी० की किसी आगामी परीक्षा में उन विषयों के अतिरिक्त जो उसने पहले ही पास कर लिए हों, परीक्षा के लिए निर्धारित किसी एक या अधिक विषयों में बैठ सकता है।

9. पं० यू० कैलेंडर, भाग-II, 1988 के पृष्ठ 89 पर एन्थ्रोपोलोजी, बाइयो-कैमिस्ट्री, बाइयो-फिजिक्स, बाटनी, कैमिस्ट्री, जिआलोजी, मैथेमैटिक्स, साइकोबाइआलोजी, फिजिक्स, स्टैटिस्टिक्स और जुआलोजी में बी० एमसी० (आनर्स स्कूल) के लिए विनियम 2।

वर्णन कि स्टैटिस्टिक्स में बी० एमसी० आनर्स स्कूल में दाखिले के लिए परीक्षार्थी को मैथेमैटिक्स विषय सहित बी० ए० भाग-I परीक्षा पास की हो।

10. पं० यू० कैलेंडर, भाग-II, 1989 के पृष्ठ 107 पर मास्टर आफ आर्ट्स परीक्षा में सम्मिलित विनियम 3.1 (ii) (ए)।

(ए) बी० ए० (पाम)/बी० एमसी० (पाम)/बी० एमसी० (होम साइंस)/बी० काम०/बी० एमसी० (एग्रिकल्चर)/एल० एल० बी०/बी० एमसी० (इन्जीनियरिंग)/बी० एमसी० (केमिकल इन्जीनियरिंग)/बी० एमसी० (डियरिंग)/एम० बी० बी० एम०/बी० डी० एम०/बी० फार्म०/बी० एम० सी० नर्सिंग/बी० टी०/बी० ऐड०/बी० आर्क०/बैचुलर आफ फिजिक्स एजुकेशन/बैचुलर आफ लाइवरी साइंस/बैचुलर आफ मास कम्यूनिकेशन/बैचुलर आफ फार्म आर्ट्स।

11. पं० यू० कैलेंडर, भाग-II, 1988 के पृष्ठ 151 पर मास्टर आफ साइंस (सिमेस्टर सिस्टम) परीक्षा के लिए विनियम 2(ए)।

फिजिक्स :

ए (i) एम० एमसी० फिजिक्स के लिए फिजिक्स और मैथेमैटिक्स सहित कम से कम 50 प्रतिशत अंकों से पंजाब यूनिवर्सिटी की बी० एमसी० परीक्षा और निम्नांकित विषयों में से कोई एक विषय :—

बाइयो-कैमिस्ट्री, बाटनी, कैमिस्ट्री, कम्प्यूटर-साइंस-बाइयो-फिजिक्स, जीआलोजी, स्टैटिस्टिक्स, जुआलोजी, इलेक्ट्रानिक्स और लाइफ साइंसिज, जो पोस्ट-ग्रेजुएट स्टडीज के बोर्ड द्वारा निर्णीत हो।

कैमिस्ट्री—

(ii) नान-मैडिकल ग्रुप (अर्थात् फिजिक्स, कैमिस्ट्री और मैथेमैटिक्स) या मैडिकल ग्रुप (अर्थात् कैमिस्ट्री, बाटनी और जुआलोजी) सहित कम से कम कुल 50 प्रतिशत अंकों से बी० एमसी० की परीक्षा।

परन्तु शर्त यह है कि एम० एमसी० कैमिस्ट्री में पहले दो सिमेस्ट्रों में बी० एमसी० (नान-मैडिकल ग्रुप) बाइआलोजी पढ़ेगा और बी० एमसी० (मैडिकल ग्रुप) मैथेमैटिक्स और फिजिक्स पढ़ेगा।

12. पं० यू० कैलेंडर, भाग-II, 1988 के पृष्ठ 174 पर डिप्लोमा इन फोरेंसिक साइंस एण्ड क्रिमिनलोजी के लिए विनियम 2(बी)।

(बी) पंजाब यूनिवर्सिटी की किसी अन्य फैकल्टी में बैचुलर की डिग्री परन्तु शर्त यह है कि उसने शिक्षा की 10+2 पद्धति के अन्तर्गत +2 परीक्षा या समकक्ष परीक्षा पास की हो।

13. पं० यू० कैलेंडर, भाग-II, 1984 के पृष्ठ 187-195 (अब 1988 संस्करण के पृष्ठ 196-204) पर आर्ट्स लैंग्वेजिज, एजुकेशन, साइंस और डिजाइन एवं फाइन आर्ट्स में पी० एच० डी० डिग्री के लिए विनियम 1।

1. 2, 2. 1, 3. 1, 3. 4, 4. 1, 4. 2, 5. 1, 7. 1, 9, 10, 11. 2, 11. 3, 12, 13. 1, 14, 15, 16. और 17. 6।

1. 2(बी) इस यूनिवर्सिटी के अधिकार-क्षेत्र × (बी) कोई में स्थित गान्धिताप्राप्त हाई/परिवर्तन हायर सैकण्ड्री स्कूलों में काम नहीं कर रहे अध्यापक/मुख्याध्यापक/प्रिंसिपल।

(सी) यूनिवर्सिटी के अध्यापन विभाग सम्बन्धित होम साईंस कालेज में नामांकित शोध विद्यार्थी।

× यह होम साईंस में पी० एच० डी० के लिए नामांकित व्यक्तियों पर लागू नहीं होगा।

अथवा

2. 1 (iv) इस यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध किसी होम साईंस कालेज का पोस्ट-ग्रेजुएट विभाग।

3. 1 जो व्यक्ति पी० एच० डी० शोध के लिए परीक्षार्थी बनना चाहता है, अपना शोध-कार्य आरंभ करने से पहले यूनिवर्सिटी के सम्बन्धित विभाग के अध्यक्ष/सम्बन्धित होम साईंस कालेज के प्रिंसिपल के जरिए नियम नामांकन-पत्र पर 50/- रुपये की फीम सहित प्रार्थना-पत्र देगा। यह फीम वापिस नहीं की जाएगी। यदि परीक्षार्थी को नामांकन के लिए आयोज्य पाया गया तो उस हालत में यह फीम 25 प्रतिशत काटकर वापिस की जा सकती है।

3. 4 नामांकन का लिथि से एक साल के अन्दर-अन्दर परीक्षार्थी सम्बन्धित यूनिवर्सिटी विभाग के चेयरमैन अथवा अध्यक्ष/सम्बन्धित होम साईंस कालेज के प्रिंसिपल के जरिये पंजीकरण के लिए अपलाई करेगा। सम्बन्धित यूनिवर्सिटी विभाग के चेयरमैन अथवा अध्यक्ष/सम्बन्धित होम साईंस कालेज के प्रिंसिपल की सिफारिश पर डीन आफ यूनिवर्सिटी इन्स्ट्रक्शन 6 महीने की समय वृद्धि कर सकता है। यदि परीक्षार्थी डेढ़ साल के समय में अपने शोध-प्रबन्ध का अस्थायी शीर्षक प्रस्तुत नहीं कर पाता, तो विभाग का चेयरमैन अथवा अध्यक्ष/होम साईंस कालेज का प्रिंसिपल/जाइन्ट रिसर्च बोर्ड के विचारार्थ विशेष कारण प्रस्तुत कर सकता है जो जितने समय के लिए आवश्यक समझे उसने समय के लिए वृद्धि कर सकता है।

3. 4 (बी) यदि परीक्षार्थी अपने पंजीकरण-पत्र में अपने शोध-प्रबन्ध का शीर्षक नहीं दे पाता या अपने शोध-कार्य की अस्थायी रूपरेखा प्रस्तुत करने को कुछ समय के लिए टालना चाहता है, तो उसे अपने शोध-प्रबन्ध के शीर्षक और/अथवा अपनी शोध-

प्रायोजना की रूपरेखा को बाद में जाइन्ट रिसर्च बोर्ड से मंजूर करवाना होगा। परन्तु इस हालत में परीक्षार्थी को विभाग/होम साईंस कालेज में अपने नामांकन की तिथि से एक साल के निश्चित समय में अपना पंजीकरण-पत्र प्रस्तुत करना पड़ेगा।

4. 1 विनियम 3. 4 में दी गई शर्त के अनुसार प्रार्थना-पत्र आगे भेजने से पूर्व, विभागाध्यक्ष/होम साईंस कालेज का प्रिंसिपल उचित जांच और मौखिक परीक्षा के बाद अपनी तसल्ली करेगा कि परीक्षार्थी की अपने शोध-क्षेत्र में उपयुक्त योग्यता है। विभाग-अध्यक्ष/होम साईंस कालेज का प्रिंसिपल यह भी तसल्ली करेगा कि प्रस्तुत विषय पर उपयोगी शोध-कार्य हो सकता है।

4. 2 प्रार्थना पत्र आगे भेजते समय विभागाध्यक्ष/होम साईंस कालेज का प्रिंसिपल प्रार्थी के शोध-कार्य के निरीक्षण के लिए उपयुक्त पर्यवेक्षक की भी सिफारिश करेगा। यदि वह आवश्यक समझे, तो वह संयुक्त पर्यवेक्षकों के नामों की सिफारिश कर सकता है।

5. 1 (ए) रजिस्ट्रार दफ्तर पंजीकरण और शीर्षक की मंजूरी के लिए प्राप्त उन सभी प्रार्थनापत्रों (विनियम 3. 4) की जांच करके सम्बन्धित रिसर्च डिग्री कमेटी के सामने विचारार्थ रखेगा जिसके (होम साईंस को छोड़कर) निम्नांकित सदस्य होंगे—

5. 1 (बी) रजिस्ट्रार दफ्तर पंजीकरण और शीर्षक की मंजूरी के लिए प्राप्त इन सभी प्रार्थनापत्रों (विनियम 3. 4) की जांच करके होम साईंस की रिसर्च डिग्री कमेटी के सामने विचारार्थ रखेगा जिसके निम्नांकित सदस्य होंगे :—

1. डीन आफ फैकल्टी।
2. प्रिंसिपल, होम साईंस कालेज।
3. होम साईंस के बोर्ड आफ स्टडीज का कन्वीनर
4. सम्बन्धित होम साईंस कालेज के प्रिंसिपल और डीन आफ यूनिवर्सिटी इन्स्ट्रक्शन दोनों द्वारा प्रस्तावित पैनल में से कुलपति द्वारा इस यूनिवर्सिटी या किसी अन्य यूनिवर्सिटी के समवर्गी विभागों में से नामित दो रीडर,
5. कुलपति द्वारा नामित प्रवक्ता के आधार पर परबारी से होम साईंस के विषय के दो लेक्चरर,
6. कुलपति द्वारा नियुक्त समवर्गी विषय का एक प्रोफेसर।

बशर्त की ऊपर (4) (5) और (6) के अन्तर्गत सदस्यों के पास सम्बन्धित/अथवा सम्बद्ध विषय में पी० एच०

डी० डिग्री अथवा डाक्टल स्तर पर शोध का निरीक्षण करने का अनुभव होना चाहिए। परन्तु अपवादात्मक हालातों में कुलपति/सिडिकेट कारण रिकार्ड करके इस गत को हटा सकती है।

7.1 (v) फैंकल्टी आफ आर्ट्स, लैंग्वेजिज, एजुकेशन, साइंस और डिजाइन एवं फाइन आर्ट्स और होम साइंस कालेज/कालेजों में पांच प्रवर फैंकल्टी सदस्य कुलपति द्वारा नामित।

(vi) होम साइंस कालेज/कालेजों का/के प्रिंसिपल।

9. परीक्षार्थी अपने शोध-प्रबन्ध के शीर्षक में संशोधन करने के लिए अपने विभागाध्यक्ष/सम्बन्धित होम साइंस कालेज के प्रिंसिपल और रिमर्च डिग्री कमेटी के जरिए अपना प्रार्थना पत्र जाइंट रिमर्च बोर्ड को दे सकता है।

10. यूनिवर्सिटी विभाग का अध्यक्ष/होम साइंस कालेज का प्रिंसिपल, सम्बन्धित पर्यवेक्षक से मिलकर यह देखने के लिए कि परीक्षार्थी को शोध-कार्य जारी रखने की अनुमति दी जाए या नहीं, नामांकन की तिथि से एक साल समाप्त होने पर प्रत्येक परीक्षार्थी की जांच करेगा। यदि परीक्षार्थी को अयोग्य पाया जाए तो यह नामांकन रद्द किया जाएगा।

11.2(बी) सभी हालातों में पर्यवेक्षकों की रिपोर्टों को विभागाध्यक्ष/होम साइंस कालेज के प्रिंसिपल द्वारा सूचना और किसी भी अन्य कार्यवाही करने हेतु जाइंट रिमर्च बोर्ड को भेजा जाएगा।

11.3 परीक्षार्थी और पर्यवेक्षक में कोई मतभेद उत्पन्न हो जाने की हालत में, यह मामला पहले तो विभागाध्यक्ष/होम साइंस कालेज के प्रिंसिपल को भेजा जाएगा। यदि विभागाध्यक्ष/होम साइंस कालेज का प्रिंसिपल इस झगड़े को निपटाने में असमर्थ रहता है, तो यह मामला डीन यूनिवर्सिटी इन्स्ट्रक्शन के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। यदि विभागाध्यक्ष/होम साइंस कालेज का प्रिंसिपल ही पर्यवेक्षक हो, तो यह मामला सीधा ही डीन, यूनिवर्सिटी इन्स्ट्रक्शन को भेजा जाएगा।

12. यूनिवर्सिटी/होम साइंस कालेज में शोध-कार्य का एक साल समाप्त होने पर विभागाध्यक्ष/होम साइंस कालेज का प्रिंसिपल परीक्षार्थी को अपना शोध-कार्य किसी स्वीकृत पर करने की अनुमति दे सकता है —

(क) आगे के शोध-कार्य के लिए यूनिवर्सिटी/होम साइंस कालेज में सुविधायें नहीं हैं।

(ख) विभागाध्यक्ष/होम साइंस कालेज के प्रिंसिपल संतुष्ट हैं कि ऐसे केन्द्र पर शोध-कार्य करना परीक्षार्थी के हित में होगा।

13.1 जो परीक्षार्थी इन विनियमों द्वारा अनुमत समय में अपना शोध-कार्य और शोध-प्रबन्ध तैयार नहीं कर पाता वह अपने पर्यवेक्षक और सम्बन्धित विभागाध्यक्ष/होम साइंस

कालेज के प्रिंसिपल के जरिए समय वृद्धि के लिए प्रार्थना कर सकता है।

14. यदि किसी परीक्षार्थी, जो किसी अन्य यूनिवर्सिटी में पी० एच० डी० डिग्री के लिए अपना शोध-कार्य कर रहा है, का पर्यवेक्षक पंजाब यूनिवर्सिटी/होम साइंस कालेज में काम कर रहा हो, तो उसके पर्यवेक्षक में शोध-कार्य कर रहे परीक्षार्थी को उसी पर्यवेक्षक के अधीन इस यूनिवर्सिटी की पी० एच० डी० डिग्री के लिए परीक्षार्थी के रूप में नामांकन करने की अनुमति दी जा सकती है, बशर्ते कि वह इन विनियमों की पूर्ति करता हो। ऐसा परीक्षार्थी इस यूनिवर्सिटी में नामांकन के एक साल के बाद ही अपना शोध-प्रबन्ध प्रस्तुत कर सकेगा।

15(सी)(i) फैंकल्टी आफ साइंस के लिए परीक्षार्थी की हालत में, पी० एच० डी० शोध-प्रबन्ध के लिए आंशिक आवश्यकता के रूप में विदेशी भाषा के ज्ञान की आवश्यकता का निर्धारण सम्बन्धित विभाग का बोर्ड आफ कंट्रोल/होम साइंस का बोर्ड आफ स्टडीज करेगा।

(बी) अप्रकाशित पांडुलिपि के कैंबेजों की संपादित कृतियां, प्राचीन कृतियों की मौलिक पांडुलिपियां—में आलोचनात्मक संस्करण, सूची-पत्रों के रिकार्ड अथवा वस्तावेज, कला-संग्रहों के संपादन के साथ यदि उपयुक्त भूमिकाएँ और आलोचनात्मक सामग्री दी जाए, तो उसे भी वही मान्यता प्राप्त होगी जो आर्ट्स अथवा साइंस के विषयों में मौलिक शोध-प्रबन्ध को दी जाती है और पी० एच० डी० डिग्री प्रदान करने के लिए इसे विचारणीय माना जाएगा।

(सी) परीक्षार्थी यह लिखित घोषणा करेगा कि यह शोध-प्रबन्ध तत्काल: वही नहीं है जो उसने पहले किसी अन्य यूनिवर्सिटी में प्रस्तुत किया था और इस पर उसके पर्यवेक्षक और विभागाध्यक्ष/होम साइंस कालेज के प्रिंसिपल के प्रतिहस्ताक्षर होंगे।

16. प्रत्येक परीक्षार्थी प्रतिज्ञा करेगा कि वह सिडिकेट की पूर्व अनुमति के बिना अपना शोध-प्रबन्ध *प्रकाशित नहीं करेगा। यदि यह अनुमति दे दी जाती है, तो परीक्षार्थी प्रकाशित शोध-प्रबन्ध की तीन प्रतियां परीक्षा कंट्रोलर को प्रस्तुत करेगा जिनमें से एक प्रति सम्बन्धित यूनिवर्सिटी विभाग/सम्बन्धित होम साइंस कालेज में रखी जाएगी और दो प्रतियां यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी में रखी जायेंगी। परीक्षार्थी अपने प्रकाशन की समीक्षा की प्रतियां भी यूनिवर्सिटी को देगा जो पुस्तक समेत सिडिकेट के नोटिस में लाई जायेंगी।

* यदि शोध-प्रबन्ध के कुछ अंश पाण्डित्यपूर्ण पत्रिकाओं में प्रकाशित करने हों तो अनुमति लेनी आवश्यक नहीं है।

17.6 यदि शोध-प्रबन्ध को नामजूर कर दिया गया है, उस स्थिति को छोड़कर, शोध-प्रबन्ध पर अंतिम निर्णय

देने से पूर्व सिडिकेट द्वारा इस सम्बन्ध में निर्धारित किए नियमों के अनुसार मौखिक परीक्षा होगी। यदि चाहे तो परीक्षक अपनी रिपोर्टों के साथ मौखिक परीक्षा लेने वाले बोर्ड के प्रयोग के लिए प्रश्न भेज सकते हैं। इस बोर्ड में तीन परीक्षक होंगे जिनकी नियुक्ति कुलपति करेगा जिनमें से सम्बन्धित विभागाध्यक्ष/सम्बन्धित होम साईंस कालेज का प्रिंसिपल और शोध-प्रबन्ध का पर्यवेक्षक, मवस्य होंगे। यदि बोर्ड के तीन सदस्यों में से दो सवस्य हाजिर हों तो मौखिक परीक्षा ली जाएगी पर शर्त यह है कि इनमें से एक परीक्षक बाहर का हो।

14. पं० यू० कैलेन्डर, भाग-II, 1988 के पृष्ठ 199 पर आर्ट्स, लैंग्वेजिज, एजुकेशन, साईंस और डिजाइन एवं फाइन आर्ट्स की फैकल्टियों में पी० एच० डी० डिग्री लिए विनियम 7.1।

7.1 (v) बशर्ते कि इस खंड के अधीन सवस्यों की प्रत्येक एकान्तर वर्ष के दिसम्बर में नामित किया जाएगा और वे अपना पद 1 जनवरी से संभालेंगे।

15 (i) पृष्ठ 223 पर सर्टिफिकेट इन (i) फ्रेंच (ii) जर्मन और (iii) रशियन के लिए विनियम 2 (1990 के दाखिलों से लागू)

2(ए) स्कूल शिक्षा बोर्ड पंजाब/हरियाणा अथवा केन्द्रीय सैकेण्ड्री शिक्षा बोर्ड दिल्ली से + 2 परीक्षा

अथवा

(बी) किसी अन्य यूनिवर्सिटी/बोर्ड/संस्था की सिडिकेट द्वारा मान्यता प्राप्त परीक्षा जो ऊपर (ए) के समकक्ष हो।

(ii) कैलेन्डर भाग II, 1986 के पृष्ठ 250 पर सर्टिफिकेट कोर्स इन उर्दू के लिए विनियम 2 (1990 के दाखिलों से लागू)।

2(ए) स्कूल शिक्षा बोर्ड पंजाब/हरियाणा अथवा केन्द्रीय सैकेण्ड्री शिक्षा बोर्ड, दिल्ली की + 2 परीक्षा

अथवा

(बी) किसी अन्य यूनिवर्सिटी/बोर्ड/संस्था की सिडिकेट द्वारा मान्यता प्राप्त परीक्षा जो ऊपर (ए) के समकक्ष हो।

(iii) कैलेन्डर, भाग II, 1988 के पृष्ठ 256 पर सर्टिफिकेट कोर्स इन तमिल/तेलुगु/कन्नड़/मालियालम के लिए विनियम 2 (1990 के दाखिलों से लागू)।

2(ए) स्कूल शिक्षा बोर्ड पंजाब/हरियाणा अथवा केन्द्रीय शिक्षा बोर्ड, दिल्ली की + 2 परीक्षा।

अथवा

(बी) किसी अन्य यूनिवर्सिटी/बोर्ड/संस्था की सिडिकेट द्वारा मान्यता प्राप्त परीक्षा जो ऊपर (ए) के समकक्ष हो।

16. पं० यू० कैलेन्डर, भाग II, 1988 के पृष्ठ 223 पर सर्टिफिकेट इन फ्रेंच, जर्मन और रशियन के लिए विनियमों 1.1, 2, और 3.1 का संशोधन और इसके शीर्षक में परिवर्तन और पं० यू० कैलेन्डर, भाग II, 1988 के पृष्ठ 241-43 पर सर्टिफिकेट कोर्स इन चाइनीज (दो वर्ष की अवधि का) के लिए विनियम का विलोचन (जो फलतः लागू किया गया)।

सर्टिफिकेट इन (i) फ्रेंच (ii) जर्मन (iii) रशियन और (iv) चाइनीज

1.1 फ्रेंच/जर्मन/रशियन/चाइनीज में सर्टिफिकेट कोर्सों की अवधि एक वर्ष होगी।

2. नोट : जिस व्यक्ति ने इन्डो/स्विस ट्रेनिंग सेंटर चंडीगढ़ में इन्स्ट्रुमेंट टेक्नालोजी में 3 वर्षीय डिप्लोमा पास किया है वह फ्रेंच/जर्मन/रशियन/चाइनीज में सर्टिफिकेट कोर्स में दाखिल हो सकता है।

3.1 जिस व्यक्ति की विनियम 2 में निर्धारित योग्यता है, और यदि वह पंजाब यूनिवर्सिटी में फ्रेंच/जर्मन/रशियन/चाइनीज विभाग के अध्यक्ष अथवा इस कोर्स के लिए सम्बद्ध कालेज के प्रिंसिपल से निम्नलिखित प्रमाण पत्र प्रस्तुत करता है वह परीक्षा देने के योग्य होगा।

17. कैलेन्डर, भाग II, 1988 के पृष्ठ 383-384 पर बैचुलर आफ इंजीनियरिंग परीक्षा के लिए विनियम 12.1 (विनियम का परिवर्तन)।

12.1 यदि प्रत्येक संभव यत्न करने पर भी सैशनल अंकों में कोई गलती नजर पड़ जाती है तो सैशनल अंकों का अध्यापक इन्चार्ज इस तथ्य को प्रिंसिपल के नोटिस में लाएगा ताकि वह इसे निर्णायक बोर्ड के सामने रख सके। यदि निर्णायक बोर्ड इस परिवर्तन को स्वीकृति देता है, तो निर्णायक बोर्ड के सवस्यों और उस कालेज के प्रिंसिपल द्वारा बाकायदा प्रति हस्ताक्षरित संशोधित अंक यूनिवर्सिटी को विचारार्थ प्रस्तुत किये जायेंगे।

18. कैलेन्डर, भाग II, 1984 के पृष्ठ 414 और 415 (अब 1988 संस्करण के पृष्ठ 427-428) पर डाक्टर आफ मेडिसिन (एम० डी०) के लिए विनियम 4.1 और 4.2 और इस संशोधन को पूर्वव्यापी ढंग से लागू होना चाहिए :-

4.1 परीक्षा के लिए निम्नलिखित विभिन्न विषय समूह होंगे :-

समूह ए (क्लिनिकल विषय)

1. मैडिसन
2. ट्यूबरकुलोसिस और छाती के रोग और
3. आर्स्टेट्रिक्स/गाइनेकालोजी

4.2 आस्ट्रेटिक्स और ग्राहनेकालोजी

19. कैलेंडर, भाग II, 1988 के पृष्ठ पर एम० डी० एस० परीक्षा के लिए विनियम 1.1, 1.3, और 2.1 (जनवरी 1991 के दाखिलों से लागू)।

1.1 मास्टर आफ डेंटल सर्जरी (एम० डी० एस०) की डिग्री के लिए पढ़ाई के कोर्स की अवधि तीन साल होगी जो एम० डी० एस० कोर्स के लिए फेकसटी आफ मैडिसिन साइंसिज में यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध किसी संस्था में की जाएगी।

1.3 भाग I की परीक्षा 2 साल बाद और भाग II की परीक्षा 3 साल बाद मई/जून और नवम्बर/दिसम्बर के महीनों में सिडिकेट द्वारा निश्चित तिथियों पर होगी।

2.1 (i) (ए) पंजाब यूनिवर्सिटी की बैचुलर आफ डेंटल सर्जरी (बी० डी० एस०) की डिग्री हो परन्तु साल 1989 के बाद बी० डी० एस० डिग्री में एक साल की इन्टर्नशिप सम्मिलित होगी।

2.1 (ii) तीन साला कोर्स का पहला साल एक साल की हाउस जाब के समकक्ष माना जाएगा। तीन साला कोर्स सभी विद्यार्थियों पर लागू होगा, चाहे उन्होंने पहले हाउस जाब/इसके समकक्ष कोर्स किया है या नहीं।

20. हेल्थ एजुकेशन, फिजिकल एजुकेशन और स्पोर्ट्स में तीन साला डिग्री कोर्स को बनियमित करने वाले विनियम

1. बी० एस० सी० (फिजिकल एजुकेशन, हेल्थ एजुकेशन और स्पोर्ट्स) 1989 के दाखिलों में 3 साला समाकलित डिग्री कोर्स होगा जो शिक्षा की 10+2+3 पद्धति के अन्तर्गत अन्य तीन साला डिग्री कोर्सों (बी० ए०, बी० एससी०, बी० काम०) के समान होगा।

2.1 (ए) बी० एससी० (फिजिकल एजुकेशन, हेल्थ एजुकेशन और स्पोर्ट्स) पढ़ाई कार्यक्रम में 24 क्रेडिट होंगे और प्रत्येक क्रेडिट 100 ग्रंथ के तुल्य होगा। थीअरी पेपर का एक क्रेडिट और प्रैक्टिकल पेपर का 1/2 क्रेडिट होगा। सभी थीअरी और प्रैक्टिकल पेपर, चाहे वे कितने क्रेडिट मूल्य के भी हों, उनकी पढ़ाई सारा साल चलेगी।

(बी) 24 क्रेडिटों में से, प्रत्येक विद्यार्थी 4 क्रेडिटों की "संप्रेषण कुशलता के रूप में भाषा" का कोर्स करेगा जो निम्नलिखित अनुसार पहले साल में 2 क्रेडिटों और दूसरे साल में 2 क्रेडिटों का होगा।

पहला साल

(i) संप्रेषण कुशलता के रूप में अंग्रेजी भाषा (सामान्य बी० एस० सी० कोर्स के साथ सामान्य पाठ्यक्रम)

—एक क्रेडिट

(ii) संप्रेषण कुशलता के रूप में हिन्दी/पंजाबी/कोई यूरोपीय (अंग्रेजी को छोड़कर) अथवा भारतीय भाषा (बी० एससी० के लिए सामान्य कोर्स के समान ही)

— एक क्रेडिट

दूसरा साल

(i) संप्रेषण कुशलता के रूप में अंग्रेजी भाषा (सामान्य बी० एससी० का पाठ्यक्रम) —एक क्रेडिट

(ii) संप्रेषण कुशलता के रूप में हिन्दी/पंजाबी/कोई यूरोपीय (अंग्रेजी को छोड़कर) अथवा भारतीय भाषा (बी० एससी० के लिए सामान्य कोर्स के समान ही—

—एक क्रेडिट

विद्यार्थी को संप्रेषण के दो पेपरों में प्रत्येक में से अलग-अलग तौर पर पास होना पड़ेगा।

(सी) शेष 20 क्रेडिटों में से, विद्यार्थी निम्नलिखित अनुसार पेपर पढ़ेगा :—

पहला साल

प्रत्येक एक क्रेडिट के चार थीअरी पेपर प्रत्येक 1/2 क्रेडिट के चार प्रैक्टिकल पेपर।

दूसरा साल

प्रत्येक एक क्रेडिट के चार थीअरी पेपर 1 प्रत्येक 1/2 क्रेडिट के चार प्रैक्टिकल पेपर।

तीसरा साल :

प्रत्येक एक क्रेडिट के छः थीअरी पेपर 1 प्रत्येक 1/2 क्रेडिट के चार प्रैक्टिकल पेपर।

(डी) ऊपर (सी) में वर्णित एक शैक्षिक वर्ष में पढ़े जाने वाले थीअरी और प्रैक्टिकल पेपर नियत किए क्रेडिट विषयों की आवश्यकता के अनुसार थीअरी और प्रैक्टिकल पेपरों में पूरे किए जायेंगे।

3.1 (ए) जिस व्यक्ति ने निम्नांकित परीक्षाएं पास की हैं, वह इस यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध किसी कालेज में बी० एससी० (फिजिकल एजुकेशन, हेल्थ एजुकेशन और स्पोर्ट्स) डिग्री कोर्स के पहले वर्ष में दाखिल होने के योग्य होगा।

(i) किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी/संस्था/बोर्ड/काउंसिल से कम से कम कुल 45 प्रतिशत अंकों से सीनियर सेकेंडरी सर्टिफिकेट भाग II परीक्षा (या शिक्षा की 10+2+3 पद्धति के अन्तर्गत +2)।

अथवा

- (ii) किसी मान्यता प्राप्त संस्था से कम से कम एक साल की अवधि और 50 प्रतिशत अंकों सहित सर्टिफिकेट इन फिजिकल एजुकेशन जिससे 12 साल का स्कूली समय बनता है अथवा मान्यता प्राप्त समकक्ष योग्यताएं।

अथवा

- (iii) पंजाब यूनिवर्सिटी या इसके समकक्ष बी० ए०/बी० एससी बी० काम०/इंटरमीडिएट आर्ट्स/साइंस/एग्रीकल्चर परीक्षा कम से कम 40 प्रतिशत अंकों से।

- (बी) परीक्षार्थी की आयु 16 से 20 वर्ष की होनी चाहिए राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी या अनुसूचित जातियों अनुसूचित जन जातियों की हालत में आयु 22 वर्ष तक नरम की जा सकती है।

3.2 जिस व्यक्ति ने निम्नलिखित परीक्षाएं पास की हैं, वह बी० एससी० (फिजिकल एजुकेशन, हेल्थ एजुकेशन और स्पोर्ट्स) कोर्स के दूसरे/तीसरे साल, जैसी भी स्थिति हो, की कक्षा में दाखिल होने के योग्य होगा।

- (ए) पंजाब यूनिवर्सिटी की बी० एस० सी० (फिजिकल एजुकेशन/हेल्थ एजुकेशन और स्पोर्ट्स) के पहले/दूसरे वर्ष की परीक्षा

- (बी) पंजाब यूनिवर्सिटी द्वारा मान्यता प्राप्त किसी अन्य यूनिवर्सिटी की बी० एससी० (फिजिकल एजुकेशन हेल्थ एजुकेशन और स्पोर्ट्स) के पहले वर्ष/दूसरे वर्ष की समकक्ष परीक्षा। परीक्षार्थी द्वारा संबंधित परीक्षा में प्राप्त अंकों को, पंजाब यूनिवर्सिटी द्वारा निर्धारित अधिकतम अंकों के अनुसार अधिकतम अंकों को बढ़ा-चढ़ा कर सामान्य बनाया जाएगा।

4. पहले/दूसरे/तीसरे वर्ष की परीक्षा उस विद्यार्थी के लिए होगी जिसने :—

- (क) कम से कम एक शैक्षिक वर्ष पूर्ण विनियम 3 में निर्धारित अर्हक परीक्षा पास की हो।
- (ख) जिस कालेज में वह पढ़ता रहा हो, उस के प्रिंसिपल के जरिए उसका नाम परीक्षा कंट्रोलर को भेजा गया हो और वह उस कालेज के प्रिंसिपल द्वारा हस्ताक्षरित निम्नांकित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें :—

- (i) परीक्षा से पहले शैक्षिक वर्ष में सम्बद्ध कालेज में दाखिल रहने का,
- (ii) (i) प्रस्तुत विषयों में से प्रत्येक में उसकी कक्षा को दिए गए लैब्स/रॉमों में से कम से कम 66 प्रतिशत लैब्स/रॉमों में हाजिर रहने का (कोर्स की अवधि उस अन्तिम दिन तक गिनी जाएगी जब परीक्षा की

तैयारी छुट्टियों के लिए क्लासें छोड़ी जाती है और

- (ii) प्रत्येक पेपर में प्रैक्टिकल काम के लिए नियम पीरियडों में 66 प्रतिशत में हाजिर रहने का।

- (iii) दो हाऊस परीक्षाओं के संयुक्त परिणाम पर गिने सभी विषयों के कुल अंकों में से कम से कम 25 प्रतिशत अंक प्राप्त करने का, पहली हाऊस परीक्षा सितम्बर/अक्टूबर और दूसरी (दिसम्बर/जनवरी में होगी।

ब्याख्या : हाऊस परीक्षा में प्रत्येक थ्रीअरी पेपर 100 अंक और प्रत्येक प्रैक्टिकल पेपर 50 अंक का होगा।

बशर्ते कि कालेज का प्रिंसिपल अपनी इच्छा से फरवरी के तीसरे सप्ताह में उन विद्यार्थियों का विशेष टेस्ट लेगा जो ऊपर (iii) में दी शर्त की पूर्ति करने में असफल रहे हैं। परीक्षा देने के योग्य होने के लिए विद्यार्थी को सभी पेपरों के कुल अंकों में से कम से कम 30 प्रतिशत अंक लेने होंगे।

5. कालेज के प्रिंसिपल को प्रत्येक पेपर में अलग दिए कुल लैब्स/रॉमों और किए प्रैक्टिकलों की 10 प्रतिशत न्यूनता को पूरा करने का अधिकार होगा।

6. पहले साल, दूसरे साल, और तीसरे साल के लिए परीक्षाएं यूनिवर्सिटी सिडिकेट द्वारा निश्चित तिथियों पर निम्न अनुसार होगी :—

पहला और दूसरा साल : साल में एक बार अप्रैल में।

तीसरा साल : साल में दो बार अप्रैल और सितम्बर में।

जिन परीक्षाधियों की कम्पार्टमेंट आई हों, उसी साल साधारणतया सितम्बर के महीने में सिडिकेट द्वारा निश्चित की गई तिथियों पर अनुपूरक परीक्षा होगी।

7. देरी फीस के बिना और देरी फीस सहित परीक्षा फार्म प्राप्त करने के लिए सिडिकेट द्वारा निश्चित अंतिम तिथि को परीक्षा कंट्रोलर द्वारा सभी सम्बद्ध कालेजों को अधिसूचित किया जाएगा।

8. परीक्षार्थी परीक्षा के दाखिले के लिए प्रार्थना-पत्र निश्चित फार्म पर प्रस्तुत करेगा और अपेक्षित प्रमाणपत्रों पर निम्नांकित के प्रतिहस्ताक्षर होंगे :

- (i) कालेज का प्रिंसिपल : सम्बद्ध कालेजों के विद्यार्थियों की हालत में।

- (ii) उस कालेज का प्रिंसिपल लैट कालेज विद्यार्थी की जहां विद्यार्थी पहले हाल में। पढ़ता रहा हो।

9. परीक्षा फीस की राशि साधारण और देरी फीस, जो परीक्षार्थी और लैट कालेज विद्यार्थी ने अदा करनी है और

कंपार्टमेंट परीक्षा की फीस समय-समय पर सिडिकेट द्वारा निश्चित की जाएगी।

10. बी० एससी० (फिजिकल एजुकेशन हेल्थ एजुकेशन और स्पोर्ट्स) डिग्री कोर्स के पहले साल, दूसरे साल, और तीसरे साल की परीक्षा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार होगी।

11. परीक्षा का माध्यम निम्नानुसार होगा :—

(ए) प्रश्नपत्र निम्नानुसार तैयार किए जायेंगे :—

- (i) अंग्रेजी के लिए अंग्रेजी में।
- (ii) आधुनिक भारतीय भाषा के लिए संबंधित भाषा में।
- (iii) अन्य सभी विषयों के लिए, अंग्रेजी, हिन्दी और पंजाबी में।

(बी) परीक्षार्थी अपने उत्तर निम्नानुसार लिखेंगे :—

- (i) अंग्रेजी के लिए अंग्रेजी
- (ii) आधुनिक भारतीय भाषा के लिए संबंधित भाषा
- (iii) अन्य सभी विषयों के लिए अंग्रेजी अथवा हिन्दी अथवा पंजाबी भाषा अथवा उर्दू।

12. जिस विद्यार्थी ने पहले साल/दूसरे साल/तीसरे साल की परीक्षा के लिए किसी सम्बद्ध कालेज में शिक्षा का निश्चित पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है परन्तु वह परीक्षा नहीं देता, या यदि परीक्षा देता है तो फेल हो जाता है, उसे शिक्षण कानून कोर्स किए बिना लेट कालेज विद्यार्थी के रूप में संबंधित कालेज के प्रिंसिपल की सिफारिश पर परीक्षा देने की निम्नानुसार अनुमति दी जा सकती है।

- (क) पहला साल : आगामी लगातार दो सालों में
- (ख) दूसरा साल : आगामी लगातार दो सालों में
- (ग) तीसरा साल : आगामी लगातार तीन सालों में

13. जो विद्यार्थी किसी पेपर या पेपरों में लेक्चरों की न्यूनता के कारण परीक्षा में नहीं बैठ सकता, उसे आगामी साल में लेट कालेज विद्यार्थी के रूप में परीक्षा देने की अनुमति दी जा सकती है, यदि वह नए सिरे से किसी सम्बद्ध कालेज में दाखिल हो जाता है और लेक्चरों की न्यूनता को पूरा कर लेता है।

14. जिस विद्यार्थी ने लेक्चरों की अपेक्षित प्रतिशतता पूरी कर ली है, उसे लेट कालेज विद्यार्थी के तौर पर परीक्षा देने की अनुमति दी जा सकती है, चाहे उसने विनियम (4) में हाऊस परीक्षा से सम्बन्धित शर्तों को पूरा नहीं किया हो।

15. बी० एससी० (फिजिकल एजुकेशन, हेल्थ एजुकेशन और स्पोर्ट्स) के पहले साल, दूसरे साल और तीसरे साल की परीक्षाएं पास करने के लिए आवश्यक न्यूनतम अंक बीअरी और प्रैक्टिकल पेपरों में प्रत्येक में अलग अलग 35 प्रतिशत होंगे।

16.1 जो परीक्षार्थी कुल अंकों में से निर्धारित पेपरों 35 प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है परन्तु एक पेपर में फेल हो जाता है और उस पेपर में 20 प्रतिशत अंक से कम अंक प्राप्त नहीं करता, तो उसे आगामी दो लगातार परीक्षाओं में उसी पेपर में बैठने की अनुमति दी जा सकती है, और यदि वह इन परीक्षाओं में से किसी एक परीक्षा में पास हो जाता है तो समझा जाएगा कि उसने परीक्षा पास कर ली है।

16.2 जिस परीक्षार्थी को वह रियायत दी जाती है, वह अस्थायी तौर पर अगली उच्च कक्षा में दाखिल होने के योग्य हो जाता है, परन्तु यदि वह अनुपूरक परीक्षा में कंपार्टमेंट पेपर में पास नहीं हो सकता, तो उसे आगामी वार्षिक परीक्षा में अगली कक्षा की अगली परीक्षा के साथ उस पेपर में पुनः बैठने की अनुमति दी जाएगी। यदि वह दूसरी बार भी कंपार्टमेंट के पेपर में पास नहीं हो सकता तो उसका दूसरे या तीसरे साल का परिणाम, जैसी भी स्थिति हो, रद्द कर दिया जाएगा। कंपार्टमेंट पेपर के लिए वह नियमित विद्यार्थी अथवा लेट कालेज विद्यार्थी के तौर पर बैठ सकता है।

16.3 जो परीक्षार्थी इस विनियम के अधीन अनुपूरक परीक्षा में कंपार्टमेंट की परीक्षा देता है,

1. उसे पूरी परीक्षा जितनी परीक्षा फीस देनी पड़ेगी, और
2. वह किसी छात्रवृत्ति, इनाम या मंडल प्राप्त करने के योग्य नहीं होगा।

17. सफल परीक्षार्थियों का पहले साल, दूसरे साल और तीसरे साल की परीक्षाओं को मिलाकर प्राप्त किए कुल अंकों के आधार पर निम्नानुसार वर्गीकरण किया जाएगा :

- (क) जो कुल अंकों के 60 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करते हैं प्रथम श्रेणी
- (ख) जो कुल अंकों के 30 प्रतिशत या अधिक परन्तु 60 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करते हैं द्वितीय श्रेणी
- (ग) जो कुल अंकों के 50 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करते हैं तृतीय श्रेणी

18. परीक्षा समाप्त होने के छः सप्ताह बाद या उसके बाद जितनी जल्दी संभव हो सके, परीक्षा कंट्रोलर परीक्षार्थियों की सूची प्रकाशित करेगा जिसमें उनके परिणाम दिए जाएंगे। पहले, दूसरे और तीसरे साल की परीक्षाओं का परिणाम और ब्यौरेवार अंक काई प्रत्येक परीक्षार्थी को जारी किया जाएगा। तीसरे साल (फाइनल) की परीक्षा के प्रत्येक सफल परीक्षार्थी को बी० एस० सी० (फिजिकल एजुकेशन,

हेल्थ एजुकेशन और स्टापेटेंस) डिग्री प्रदान की जाएगी जिसमें उस द्वारा प्राप्त श्रेणी का उल्लेख किया जाएगा।

19. जो विद्यार्थी बी० एस० सी० (फिजिकल एजुकेशन, हेल्थ एजुकेशन और स्पोर्ट्स) के पहले साल की परीक्षा में फेल हो जाता है और वह आर्ट्स विषय लेना चाहता है तो वह लेट कालेज विद्यार्थी के तौर पर बी० ए० (जनरल) के पहले साल की परीक्षा देने के योग्य नहीं होगा।

20. जिस व्यक्ति ने पंजाब यूनिवर्सिटी से बी० एस० सी० (फिजिकल एजुकेशन, हेल्थ एजुकेशन और स्पोर्ट्स) डिग्री के लिए अर्हता प्राप्त कर ली है, उसे अपने पहले प्राप्त अंकों को बढ़ाने के लिए जो पेपर उसने पहले दिए थे उस पेपर (पेपरों) में ग्राइवेट परीक्षार्थी के तौर पर बैठने की अनुमति दी जा सकती है। वह पहले, दूसरे और तीसरे साल की परीक्षाओं या इनमें से किसी एक परीक्षा में अलग-अलग तौर पर या एक साथ पुनः बैठ सकता है। इस उद्देश्य के लिए जिस साल में उसने तीसरे साल की परीक्षा पास की है, उसके अगले शैक्षिक वर्ष में वह सितम्बर/अथवा अप्रैल में परीक्षा दे सकता है।

21. जो परीक्षार्थी अपनी उत्तर पुस्तिकाओं का पुनः मूल्यांकन करवाना चाहता है, वह सिडिकेट द्वारा समय-समय पर निर्धारित नियमों के अनुसार निर्धारित फार्म पर परीक्षा कंट्रोलर पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ को प्रार्थना पत्र भेज सकता है।

21. जर्मन परीक्षा में जर्मन में पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स की परीक्षा के लिए विनियम 2

2. (ए) पंजाब यूनिवर्सिटी से किसी भी विषय में बैचुलर की डिग्री जिसमें मैट्रिक, फार्मेसी, इंजीनियरिंग, लाज आदि और जर्मन में एडवांसड डिप्लोमा कोर्स अथवा किसी अन्य यूनिवर्सिटी/बोर्ड की कोई परीक्षा जिस सिडिकेट ने पंजाब यूनिवर्सिटी के जर्मन में एडवांसड डिप्लोमा के समकक्ष माना हो और जर्मन में 45 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हों।

22. 1990 के दाखिलों से लागू प्राक शास्त्री भाग-I, भाग-II और शास्त्री (तीन वर्षीय कोर्स) के लिए विनियम:

1.1 संस्कृत (परम्परागत, प्राच्य भाषा की) के लिए निम्नलिखित परीक्षाएं होंगी:—

(क) प्राक शास्त्री (दो साल की अवधि की) और

(ख) शास्त्री (तीन साल की अवधि की)।

1.2 शास्त्री परीक्षा को तीन भागों में लिया जाएगा अर्थात् पहले साल के अंत में भाग I, दूसरे साल के अंत में भाग-II और तीसरे साल के अंत में भाग-III।

1.3 प्राक शास्त्री में भाग-I और भाग-II और शास्त्री में भाग I, II, और III की परीक्षाएं साधारणतया सिडिकेट द्वारा निश्चित तिथियों पर निम्नानुसार होंगी:

प्राकशास्त्री भाग I और II : साल में एक बार
और शास्त्री भाग I और II : अप्रैल/मई में।
शास्त्री भाग III : साल में दो बार अप्रैल/मई और सितम्बर/अक्तूबर में।

कंपार्टमेंट परीक्षार्थियों के लिए अनुपूरक परीक्षा सितम्बर के महीने सिडिकेट द्वारा निश्चित तिथियों पर होगी।

1.4 परीक्षा दाखिला फार्म लेट फीस के बिना और लेट फीस सहित प्राप्त करने की सिडिकेट द्वारा निश्चित अंतिम तिथि परीक्षा कंट्रोलर द्वारा अधिसूचित की जाएगी।

2.1 जिस व्यक्ति ने निम्नांकित परीक्षाओं में से कोई एक परीक्षा पास की है, वह प्राक शास्त्री भाग I में दाखिला लेने के योग्य होगा:

(i) पंजाब यूनिवर्सिटी की मैट्रिकुलेशन, हायर सैकेन्ट्री भाग I परीक्षा,

(ii) स्कूल शिक्षा बोर्ड पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश अथवा सैकेन्ट्री शिक्षा केन्द्रीय, बोर्ड, दिल्ली की मैट्रिकुलेशन, हायर सैकेन्ट्री भाग-I परीक्षा।

(iii) ऊपर (i) और (ii) के समकक्ष मान्यता प्राप्त किसी अन्य यूनिवर्सिटी की परीक्षा।

2.2 जिस व्यक्ति ने प्राक शास्त्री भाग I परीक्षा पास कर ली है, वह प्राक शास्त्री भाग II क्लास में दाखिल होने के योग्य होगा।

2.3 जिस व्यक्ति ने निम्नांकित परीक्षाओं में से कोई एक परीक्षा पास की है, शास्त्री भाग I क्लास में दाखिल होने के योग्य होगा।

(क) इस यूनिवर्सिटी की प्राक शास्त्री भाग II या विशाद परीक्षा (मैट्रिक सहित)।

(ख) (क) के समकक्ष मानी गई किसी अन्य यूनिवर्सिटी की परीक्षा।

3.1 जिस व्यक्ति की विनियम II में निर्धारित योग्यताएं हैं और जिन सम्बद्ध/सहयोगी संस्थाओं में वह हाल ही में पढ़ा है, उनके अध्यक्षों द्वारा हस्ताक्षरित निम्नांकित

प्रमाण पत्र प्रस्तुत करे, वह विनियम I में सूचीबद्ध परीक्षाएं देने के योग्य होगा :—

- (क) सदाचरण का,
- (ख) परीक्षा पूर्व वर्ष में इस यूनिवर्सिटी में सम्बद्ध/सहयोगी संस्था में हाजिर रहने का, इस समय में न्यूनता को मिडिकेट विशेष कारणों के आधार पर माफ कर सकती है।
- (ग) संबंधित क्लाम को दिए लेक्चरों में मे कम में कम 66 प्रतिशत लेक्चरों में हाजिर रहने का।

3.2 लेक्चरों की अपेक्षित संख्या में न्यूनता को 15 लेक्चरों तक का संस्था में प्रिंसिपल माफ कर सकता है।

3.3 जिस व्यक्ति की विनियम 2 में निर्धारित योग्यता है और जिसे ऐसे परीक्षार्थी के लिए चैप्टर के विनियमों के अन्तर्गत प्राइवेट परीक्षार्थी के तौर पर परीक्षा देने की अनुमति दी जाती है, वह इन परीक्षाओं में बैठने के योग्य होगा। जो प्राइवेट परीक्षार्थी इन विनियमों के अधीन परीक्षा देने के योग्य है, वह अपना दाखिला फार्म मिडिकेट द्वारा अनुमोदित अधिकाधिकारियों में से किसी एक से प्रतिहस्ताक्षरित करवा कर प्रस्तुत करेगा।

4. प्रत्येक परीक्षा के लिए परीक्षार्थी द्वारा दी जाने वाली परीक्षा फीस की राशि 40/- रुपये होगी। प्राइवेट परीक्षार्थी से 10/- रुपये की अतिरिक्त फीस वसूल की जाएगी।

5.1 परीक्षा सीनेट द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार होगी।

5.2 परीक्षा का माध्यम निम्नानुसार होगा :—

- (i) शास्त्री परीक्षा के लिए संस्कृत
- (ii) प्राक शास्त्री परीक्षा के लिए हिन्दी या संस्कृत।

6.1 शास्त्री की परीक्षा के लिए परीक्षार्थी 100 अंक का एक अतिरिक्त पेपर ले सकते हैं।

6.2 पास होने के लिए न्यूनतम अंक निम्नानुसार होंगे :

- (क) प्राक शास्त्री : प्रत्येक पेपर में 30 प्रतिशत
- (ख) शास्त्री : प्रत्येक पेपर में 33 प्रतिशत
- : और कुल मिलाकर 40 प्रतिशत
- (ग) अतिरिक्त पेपर : 33 प्रतिशत।

शास्त्री परीक्षा में भाग I, II, और III परीक्षाओं में असंगत प्रश्न रियायती अंक प्रदान किए जायेंगे।

6.3 प्राक शास्त्री और शास्त्री परीक्षाओं में वह परीक्षार्थी जो एक पेपर में 20 प्रतिशत से कम अंक न लेकर फेल हो

गया हो और शेष पेपरों में कुल 40 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हों, उसे आगामी दो परीक्षाओं में प्रत्येक अवसर पर उतनी ही फीस देकर जो उसको सारी परीक्षा के लिए दी थी, उस पेपर में पुनः बैठने की अनुमति दी जा सकती है, और यदि वह इन परीक्षाओं में से किसी भी परीक्षा में उस पेपर में पास हो जाय तो उसे उस परीक्षा में पास हुआ माना जाएगा।

यद्यपि कि मिडिकेट नियमित सशस्त्र सेना के सदस्य की हालत में यह समय बढ़ा सकती है जो सुरक्षा अनिवार्यता कारण इस समय में इस अवसर का लाभ न उठा सका हो।

6.4 प्राक शास्त्री भाग I, और शास्त्री परीक्षार्थी जिसकी कंपार्टमेंट आई है, उस भाग II कक्षा में दाखिल होने और भाग I की कंपार्टमेंट और भाग II की परीक्षाएं एक साथ देने की अनुमति दी जा सकती है। यदि वह इस विनियम द्वारा अनुमत समय में भाग I की परीक्षा में पास होने में असमर्थ रहता है, तो उसका भाग II की परीक्षा का परिणाम रद्द कर दिया जाएगा।

6.5 जिस परीक्षार्थी की शास्त्री भाग II परीक्षा में कंपार्टमेंट आई है, उसे शास्त्री भाग III कक्षा में दाखिल होने और शास्त्री भाग II में कंपार्टमेंट पेपर और शास्त्री भाग III की परीक्षाएं एक साथ देने की अनुमति दी जा सकती है। यदि वह इस विनियम द्वारा अनुमत समय में भाग II की परीक्षा में पास होने में असमर्थ है तो उसका भाग III की परीक्षा का परिणाम रद्द कर दिया जाएगा।

7.1 सफल परीक्षार्थियों का निम्नानुसार वर्गीकरण किया जाएगा :—

- (क) जो परीक्षार्थी कुल अंकों के 60 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करते हैं, (जिसमें अतिरिक्त/वैकल्पिक पेपर के अंक भी सम्मिलित होते हैं) : प्रथम श्रेणी
- (ख) जो परीक्षार्थी कुल अंकों में 50 प्रतिशत या अधिक परन्तु 60 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करते हैं (जिसमें अतिरिक्त वैकल्पिक पेपर के अंक भी सम्मिलित होते हैं) : द्वितीय श्रेणी
- (ग) जो कुल अंकों के 50 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करते हैं : तृतीय श्रेणी

प्राक शास्त्री परीक्षा के लिए श्रेणी का निर्धारण भाग I और भाग II के अंकों को मिलाकर किया जाएगा।

शास्त्री परीक्षा के लिए, श्रेणी का निर्धारित भाग II और भाग-III के अंकों को मिलाकर किया जाएगा।

7.2 परीक्षा कंट्रोलर परीक्षा समाप्त होने के छः सप्ताह के बाद या उसके बाद जब भी संभव हो, परिणाम प्रकाशित करेगा। शास्त्री भाग III परीक्षा कर लेने वाले प्रत्येक सफल परीक्षार्थी को डिग्री प्रदान की जाएगी जिसमें जिस परीक्षा और श्रेणी में वह पास हुआ है, उसका उल्लेख किया जाएगा। प्राक शास्त्री परीक्षा के लिए प्रत्येक सफल परीक्षार्थी को प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा जिसमें जिस श्रेणी में वह पास हुआ है, उस द्वारा प्राप्त अंकों और कुल अंकों का उल्लेख किया जाएगा।

जो परीक्षार्थी प्राक शास्त्री भाग-1/शास्त्री भाग-1 और भाग II परीक्षाएं पास कर लेता है, उसे इस परीक्षा को पास कर लेने पर ब्योरे बार अंक कार्ड प्रदान किया जाएगा।

नोट : जिन विद्यार्थियों ने प्रजना में 1987-88 और 1988-89 सेशन में दाखिला लिया है, उनको अपनी आगे परीक्षा शास्त्री भाग II (पुरानी पद्धति) या तो पुराने विनियमों के अनुसार देने या नये कोर्स में दाखिला लेने की खुल होगी। वर्तमान पद्धति 1992 के आगे तक नहीं चलेगी।

7.3 जिस व्यक्ति ने 1988-89 सेशन में प्राक शास्त्री परीक्षा पास कर ली है और 1989-90 सेशन में शास्त्री भाग-I कक्षा में दाखिला नहीं किया, उसे शास्त्री भाग I में दाखिला लेने के उद्देश्य से 1990-91 और उसके बाद के सेशनों में प्राक शास्त्री भाग I परीक्षा देनी पड़ेगी।

23. बी० ए०/बी० एस० सी० (जनरल और आनर्स) परीक्षाओं के लिए अस्थायी विनियम का परिचर्धान।

1. जिस व्यक्ति ने शिक्षा की 10+2+3 पद्धति के अन्तर्गत इस यूनिवर्सिटी की पहले साल की परीक्षा पास कर ली है, वह धारा (स्ट्रीम) ए से ब और ब से ए बदल सकता है, परन्तु शर्त यह है कि डिग्री प्रदान करने के लिए उस द्वारा अर्जित क्रेडिटों की संख्या पहले जितनी ही रहेगी।

2. जो व्यक्ति पंजाब यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध कालेज में पहले साल की कक्षा में दाखिल हुए हैं वह यूनिवर्सिटी के अधिकार क्षेत्र में एक सम्बद्ध कालेज से दूसरे सम्बद्ध कालेज में स्थानांतरण कर सकता है चाहे उसे धारा (स्ट्रीम) ही क्यों न बदलनी पड़े, परन्तु शर्त यह है कि उसे नियमों के अनुसार न्यून विषय/विषयों को पास करना पड़ेगा।

3. जिस व्यक्ति ने भारत की किसी अन्य यूनिवर्सिटी से बी० ए०/बी० एस० सी० के पहले या दूसरे साल की परीक्षाएं पास कर ली हैं, उसे इस यूनिवर्सिटी में स्थानांतरण की अनुमति दी जा सकती है, परन्तु शर्त यह है कि उसे न्यून विषय/विषयों को पास करना पड़ेगा परन्तु अर्जित किये जाने क्रेडिटों की संख्या पहले जितनी रहेगी।

24. कलेन्डर, भाग II, 1988 के पृष्ठ 183 पर मास्टर आफ लाइब्रेरी एण्ड इन्फार्मेशन सार्हम परीक्षा के लिए अस्थायी विनियमों का परिचर्धान।

अस्थायी विनियम

"जिस व्यक्ति ने इस यूनिवर्सिटी में 55 प्रतिशत अंकों में एम० लिब० सार्हम/एम० फिन० एण्ड इन्फार्मेशन सार्हम परीक्षा पास कर ली है, उसे पहले प्राप्त अंकों की बेहतरी के लिए प्राइ-वेट परीक्षार्थी के रूप में एम० लिब० एण्ड इन्फार्मेशन सार्हम परीक्षा देने की अनुमति दी जा सकती है। इस उद्देश्य के लिए उसे पूर्व प्राप्त अंकों की बेहतरी के लिए दो अवसर दिए जा सकते हैं, चाहे उसने पहले कितने ही अवसरों का उपयोग किया हो। परीक्षार्थी वर्तमान पाठ्यक्रम में अग्रिम परीक्षा देगा। यह नियमित 1992 का परीक्षा तालाग रहनेगी। ऐसे परीक्षार्थियों को अपना पहले ब्योरेबार अंक कार्ड अपने दाखिला फार्मों के साथ भेजने होंगे।"

25. बी० ए०/बी० एस० सी० (जनरल और आनर्स) परीक्षाओं के लिए 1, 2, 2.2, 3.1, 3.2, 4.2, 4.3, 4.4, 4.5, 4.6, 5, 20 और 33 विनियमों का वर्णोद्घन/त्रिलोपन/परिचर्धान

1.2 1990-91 शैक्षिक वर्ष में बी० ए० (जनरल और आनर्स) कोर्स के पहले साल में दाखिल, जैसा कि इसके बाद में वर्णन किया गया है, धारा ए और धारा बी के अनुसार होंगे। बी० ए० (जनरल)

2.1 ए) बी० ए० (जनरल) पढ़ाई प्रोग्राम में 24 क्रेडिट होंगे और प्रत्येक क्रेडिट का मूल्य 100 अंक होगा। पूरे शैक्षिक वर्ष के दौरान पढ़ा जाने वाला विषय 2 क्रेडिट का होगा। सभी थोअरी पेपर और प्रैक्टिकल, चाहे उनका क्रेडिट मूल्य कुछ भी हो, पूरे शैक्षिक वर्ष में पढ़े जाएंगे। निम्नानुसार दो धाराएं (स्ट्रीमज) होंगी जिनमें से कालेज एक या दोनों धाराओं को अपने साधनों के अनुसार पेशकश कर सकता है।

धारा ए

(बी) पढ़े जाने वाले विषयों के क्रेडिट निम्नानुसार होंगे :

पहला साल

(i) अंग्रेजी (साहित्य और भाषा) 2 क्रेडिट

(ii) हिन्दी अथवा पंजाबी या यूनिवर्सिटी द्वारा अनुमोदित कोई अन्य भाषा (साहित्य और भाषा) 2 क्रेडिट

(iii) दो वैकल्पिक विषय जिसमें से प्रत्येक के 2 क्रेडिट होंगे 4 क्रेडिट

दूसरा साल और तीसरा साल

पहले साल के समान ही

(इस कोर्स के तीनों सालों में प्रत्येक साल में पढ़े जाने वाले दो वैकल्पिक विषय, डिग्री कोर्स के सभी तीनों सालों में समान होंगे)।

कुल क्रेडिट :	24	दूसरा साल
तीसरा साल		
(i) संप्रेषण कुशलता के रूप में अंग्रेजी भाषा —एक क्रेडिट (ii) संप्रेषण कुशलता के रूप में हिन्दी/पंजाबी/कोई यूरोपीय (अंग्रेजी को छोड़कर) अथवा भारतीय भाषा —एक क्रेडिट	विलीपित	(i) संप्रेषण कुशलता के रूप में अंग्रेजी भाषा । =एक क्रेडिट (ii) संप्रेषण कुशलता के रूप में हिन्दी/पंजाबी/अन्य यूरोपीय (अंग्रेजी को छोड़कर) अथवा भारतीय भाषा । =एक क्रेडिट
संप्रेषण कुशलता के दो पेपरों मिलकर प्रत्येक साल में एक विषय बनेंगे । जैसा कि विनियम में निर्धारित किया गया है, परीक्षार्थी को प्रत्येक पेपर में अलग-अलग तौर पर पास अंक लेने पड़ेंगे ।		तीसरा साल
(सी) शेष 18 क्रेडिटों में से 16 क्रेडिटों का उपयोग वैकल्पिक विषय पढ़ने के लिए निम्नानुसार किया जाएगा ।		(i) संप्रेषण कुशलता के रूप में अंग्रेजी भाषा । =एक क्रेडिट (ii) संप्रेषण कुशलता के रूप में हिन्दी/पंजाबी अन्य यूरोपीय (अंग्रेजी को छोड़कर) अथवा भारतीय भाषा । =एक क्रेडिट
पहला साल : प्रत्येक 2 क्रेडिट के तीन वैकल्पिक विषय ।		दो संप्रेषण कुशलता के पेपर मिलकर प्रत्येक साल में एक विषय बनेंगे । जैसा कि विनियम 20 में निर्धारित किया गया है, परीक्षार्थी को प्रत्येक पेपर में अलग अलग तौर पर पास अंक लेने पड़ेंगे ।
दूसरा साल : प्रत्येक 2 क्रेडिट के तीन वैकल्पिक विषय (वही विषय जो पहले साल में थे) ।	विलीपित	(सी) शेष 18 क्रेडिटों का वैकल्पिक विषय पढ़ने के लिए निम्नानुसार उपयोग किया जाएगा :
तीसरा साल : प्रत्येक 2 क्रेडिट के ऊपर बताए तीन विषयों में से कोई दो वैकल्पिक विषय ।		पहला साल : प्रत्येक 2 क्रेडिट के तीन वैकल्पिक विषय । दूसरा साल (पहले साल जैसे ही) प्रत्येक 2 क्रेडिट के तीन वैकल्पिक विषय ।
कालेज में उपलब्ध साधनों के आधार पर विद्यार्थियों को वैकल्पिक विषय लेने की खुल होगी ।		तीसरा साल : प्रत्येक दो क्रेडिटों के तीन वैकल्पिक विषय, बशर्ते कि पहले और दूसरे साल तीन विषयों में से लिए दो विषयों को पढ़ते समय, विद्यार्थी तीसरे वैकल्पिक विषय के रूप में जर्नल साईंस एण्ड साईंटि-फिक मैथड अथवा कम्प्यूटर साईंस ले सकता है ।
वर्तमान विनियम 2.1 शैक्षिक वर्ष 1988-89 और 1989-90 में किए गए दाखिलों के संबंध में लागू होगा ।		कुल क्रेडिट : 24
धारा बी		धारा ए लेने वाला विद्यार्थी साईंस/फाइन आर्ट्स फैकल्टी में से एक वैकल्पिक विषय ले सकता है । धारा बी लेने वाला विद्यार्थी साईंस/लेगुएजिज/फाइन आर्ट्स फैकल्टी में से एक वैकल्पिक विषय ले सकता है ।
(बी) 24 क्रेडिटों में से, प्रत्येक विद्यार्थी "संप्रेषण कुशलता के रूप में भाषा से संबंधित 6 क्रेडिटों कोर्स" लेगा, जो प्रत्येक वर्ष 2 क्रेडिटों के निम्नानुसार होंगे :—		बशर्ते कि विद्यार्थी किसी साईंस विषय, समेत मैथेमैटिक्स के केवल तभी लेगा यदि उसने यह विषय अहंक परीक्षा में पास किया है अथवा यदि वह इस विषय को न्यून/अतिरिक्त विषय के रूप में संबंधित बोर्ड/यूनिवर्सिटी/काउन्सिल से दाखिला लेने के बाद अनुपूरक परीक्षा में पास कर लेता है ।
पहला साल		आगे बशर्ते कि विद्यार्थी :—
(i) संप्रेषण कुशलता के रूप में अंग्रेजी भाषा—एक क्रेडिट (ii) संप्रेषण कुशलता के रूप में हिन्दी/पंजाबी । अन्य यूरोपीय (अंग्रेजी को छोड़कर) अथवा भारतीय भाषा । =एक क्रेडिट		(क) स्टेटिस्टिक्स तभी ले सकता है यदि वह मैथेमैटिक्स लेता है । (ख) अप्लाइड स्टेटिस्टिक्स केवल तभी ले सकता है यदि वह मैथेमैटिक्स को छोड़कर अन्य विषय लेता है ।

(डी) धारा बी में विद्यार्थी तीसरे साल में तीसरे वैकल्पिक विषय के तौर पर जनरल साइंस एन्ड साइंटिफिक मैथड/कम्प्यूटर साइंस में प्रत्येक एक क्रेडिट के दो कोर्स पढ़ सकता है।

(ई) किसी शैक्षिक वर्ष में पढ़े जाने वाले सी, में दिये वैकल्पिक विषय के लिए निम्नित दो क्रेडिट प्रत्येक एक क्रेडिट के दो पेपरों में पूरे किए जाएंगे। फिर भी, ऐसे विषयों में जहाँ प्रैक्टिकल निर्धारित किए गए हैं, वहाँ पाठ्यक्रम में निर्धारित किए अनुसार थिअरी पेपर और प्रैक्टिकल पेपर होंगे। थिअरी पेपर और प्रैक्टिकल मिलकर दो क्रेडिट के मूल्य के होंगे। परीक्षार्थियों को थिअरी और प्रैक्टिकल/प्रैक्टिकलों में अलग अलग तौर पर पास होना पड़ेगा।

बी० ए० सी० (जनरल)

2.2 (ए) बी० ए० सी० (जनरल) पढ़ाई प्रोग्राम में 24 क्रेडिट होंगे और प्रत्येक क्रेडिट का मूल्य 100 अंक होगा। सारे शैक्षिक वर्ष में पढ़े गए विषय के 2 क्रेडिट होंगे। सभी थिअरी पेपर और प्रैक्टिकल, चाहे उनका क्रेडिट मूल्य कुछ भी हो, सारे शैक्षिक वर्ष में पढ़े जाएंगे।

(बी) 24 क्रेडिटों में से, प्रत्येक विद्यार्थी 4 क्रेडिट का संप्रेषण कुशलता के रूप में भाषा से संबंधित कोर्स करेगा जो निम्नानुसार दो क्रेडिट का पहले साल और शेष दो क्रेडिट का दूसरे साल में होगा :—

पहला साल

संप्रेषण कुशलता के रूप में भाषा
(अंग्रेजी)

2 क्रेडिट

+ प्रत्येक 2 क्रेडिट के तीन वैकल्पिक
विषय

6 क्रेडिट

दूसरा साल

संप्रेषण कुशलता के रूप में भाषा
हिन्दी/पंजाबी/अन्य यूरोपीय (अंग्रेजी
को छोड़कर) अथवा अनुमोदित भारतीय
भाषा

2 क्रेडिट

+ प्रत्येक 2 क्रेडिट के तीन वैकल्पिक विषय
(पहले साल जैसे ही)

6 क्रेडिट

तीसरा साल

समाज विज्ञानों और मानविकियों में जनरल
कोर्स

2 क्रेडिट

+ प्रत्येक 2 क्रेडिटों के तीन वैकल्पिक
विषय (पहले और दूसरे साल जैसे ही :

6 क्रेडिट

कुल क्रेडिट) :

24

कालेज में उपलब्ध साधनों के अनुसार।

(सी) शेष 20 क्रेडिटों में से 18 क्रेडिटों का प्रयोग तीन वैकल्पिक विषय पढ़ने में किया जाएगा, जिनमें से 6 क्रेडिट के विलोपित कोर्स प्रति वर्ष निम्नानुसार होंगे :—

पहला साल : प्रत्येक 2 क्रेडिटों के तीन
वैकल्पिक विषय।

दूसरा साल : प्रत्येक 2 क्रेडिटों के
तीन वैकल्पिक विषय
(पहले साल वाले विषय)

तीसरा साल : प्रत्येक 2 क्रेडिट के तीन विलोपित
वैकल्पिक विषय (पहले
और दूसरे साल वाले विषय)

वैकल्पिक विषय लेने में विद्यार्थियों को पूरी खुल होगी।

(डी) शेष 2 क्रेडिटों के लिए, प्रत्येक विद्यार्थी तीसरे साल में समाज-विज्ञान और मानविकियों में प्रत्येक एक क्रेडिट के दो कोर्स पढ़ेगा।

(ई) जैसा कि ऊपर (बी) में दिया गया है, किसी भी शैक्षिक वर्ष में पढ़े जाने वाले वैकल्पिक विषय को दिए दो क्रेडिट एक एक क्रेडिट के दो पेपरों से पूरे किए जाएंगे। फिर भी, ऐसे विषयों में जहाँ प्रैक्टिकल निर्धारित किए गए हैं, वहाँ पाठ्यक्रम में निर्धारित किए गए अनुसार थिअरी पेपर और प्रैक्टिकल होंगे। थिअरी पेपर/पेपरों और प्रैक्टिकल मिलकर 2 क्रेडिट के मूल्य के होंगे। परीक्षार्थी को थिअरी और प्रैक्टिकल/प्रैक्टिकलों में अलग अलग तौर पर पास होना पड़ेगा।

वर्तमान विनियम 2.2 शैक्षिक वर्ष 1988-89 और 1989-90 के दौरान किए दाखिलों के संबंध में लागू होगा।

3.1 (ए)

धारा ए में विद्यार्थी किसी एक विषय में आनर्ज ले सकता है।

धारा बी में, कोर्स के तीनों सालों के दौरान पढ़े जाने वाले वैकल्पिक विषयों में से किसी एक में आनर्ज ले सकता है। बशर्ते कि बी० ए० (जनरल) कोर्स के पहले साल में उसने आनर्ज वाले विषय में कम से कम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हों।

3.1 (बी)

पहला साल : वही जो बी० ए० (जनरल) के पहले साल के लिए धारा ए/धारा बी में है। (8 क्रेडिट)

दूसरा साल : वही जो बी० ए० (जनरल) के दूसरे साल के लिए धारा ए/धारा बी में है। इसके अतिरिक्त, जिस विषय में वह आनर्ज (डिग्री) लेना चाहता है, उसमें प्रत्येक क्रेडिट के दो उच्च पेपर होंगे (10 क्रेडिट)

तीसरा साल : वही जो बी० ए० (जनरल) के तीसरे साल के लिए धारा ए/धारा बी में है, इसके अतिरिक्त, आनर्ज के विषय में प्रत्येक एक क्रेडिट के दो उच्च पेपर होंगे। (10 क्रेडिट)

कुल क्रेडिट : 28

तीसरे साल में (धारा बी के अधीन) प्रत्येक विद्यार्थी तीसरे वैकल्पिक विषय के रूप में जनरल/साइंस एण्ड साइंटिफिक मैथड/कम्प्यूटर साइंस में क्रेडिट के कोर्स पढ़ सकता है।

(सी) जैसा कि ऊपर (बी) में दिया गया है, किसी शैक्षिक वर्ष में पढ़े जानेवाले वैकल्पिक विषय के लिए रखे गए दो क्रेडिट एज एक क्रेडिट के दो पेपरों में पूरे किये जाएंगे। फिर भी उन विषयों में जहां प्रैक्टिकल/निर्धारित किए होते हैं, वहां पाठ्यक्रम में निर्धारित किए अनुसार थ्योअरी पेपर और प्रैक्टिकल होंगे। थ्योअरी पेपर और प्रैक्टिकल मिलकर 2 क्रेडिट के मूल्य के होंगे। परीक्षार्थी को थ्योअरी और प्रैक्टिकल प्रैक्टिकलों में अलग अलग तौर पर पास होना पड़ेगा।

बी० एस० सी० आनर्ज

3.2 (ए) बी० एस० बी० (आनर्ज) पढ़ाई प्रोग्राम 28 क्रेडिट का होगा और प्रत्येक क्रेडिट का मूल्य 100 अंक होगा। सारे शैक्षिक वर्ष के दौरान पढ़ जाने वाला विषय 2 क्रेडिट का होगा। सभी थ्योअरी पेपर और प्रैक्टिकल चाहे उनका क्रेडिट मूल्य कुछ भी हो, सारे शैक्षिक वर्ष में पढ़े जाएंगे।

परीक्षार्थी वैकल्पिक विषयों में किसी एक में आनर्ज ले सकता है (संप्रेषण कुशलता के रूप में भाषा को छोड़कर) और वह इसे कोर्स के तीनों सालों में पढ़ेगा, बशर्ते कि उस ने बी० एस० सी० (जनरल) कोर्स की पहले साल की परीक्षा में संबंधित विषय में कम से कम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हों।

(बी) 28 क्रेडिटों में, प्रत्येक विद्यार्थी प्रत्येक वर्ष में निम्नानुसार कोर्स लेगा :—

दूसरा साल : वही जो बी० एस० सी० (जनरल) के दूसरे साल के लिए होगा। इसके अतिरिक्त, जिस विषय में वह आनर्ज डिग्री प्राप्त करना चाहता है, उसमें प्रत्येक एक क्रेडिट के दो उच्च पेपर होंगे (10 क्रेडिट)

तीसरा साल : वही जो बी० एस० सी० (जनरल) के तीसरे साल के लिए है : इसके अतिरिक्त आनर्ज के विषय में प्रत्येक एक क्रेडिट के दो उच्च पेपर होंगे (10 क्रेडिट)

कुल क्रेडिट : 28

4.2 जिस व्यक्ति ने निम्नलिखित परीक्षाओं में से कोई एक परीक्षा पास की है, वह उसी धारा में, जैसी भी स्थिति हों, बी० ए०/बी० एस० सी० (जनरल) और (आनर्ज) कोर्स के दूसरे/तीसरे साल की कक्षा में दाखिल होने के योग्य होगा :—

(क) पंजाब यूनिवर्सिटी की बी० ए०/बी० एस० सी० पहले/दूसरे साल (जनरल आनर्ज) की परीक्षा,

(ख) कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी (कुरुक्षेत्र) अथवा पंजाबी यूनिवर्सिटी (पटियाला) अथवा गुरुनानक देव यूनिवर्सिटी (अमृतसर) अथवा हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी (शिमला) अथवा महाश्वेति दयानन्द यूनिवर्सिटी (रोहतक) से शिक्षा की 10+2+3 पद्धति के अधीन बी० ए०/बी० एस० सी० पहले अथवा दूसरे साल की परीक्षा, बशर्ते कि उसे वही विषय लेने होंगे जो उसने बी० ए०/बी० एस० सी० के पहले साल अथवा दूसरे साल की परीक्षा में लिए थे और ये विषय पंजाब यूनिवर्सिटी में उपलब्ध हों। बी० ए०/बी० एस० सी० के पहले या दूसरे साल, जैसी भी स्थिति हो, में प्राप्त अंकों को उसकी श्रेणी (डिवीजन) के लिए गिना जाएगा। किसी व्यक्ति द्वारा संबंधित परीक्षा में प्राप्त किए अंकों को अधिकतम अंकों को घटा-बढ़ा कर पंजाब यूनिवर्सिटी द्वारा निर्धारित अधिकतम अंकों के अनुसार सामान्य बनाया जाएगा।

यदि किसी विषय/विषयों में कोई न्यूनता है, तो उसे न्यून विषय/विषयों को, यदि कोई हो, इस यूनिवर्सिटी की आगामी दो लगातार परीक्षाओं में पास करना होगा। यदि वह न्यून विषयों को पास नहीं कर पाता, तो उसकी उच्च परीक्षा का परिणाम, जैसी भी स्थिति हो, रद्द कर दिया जाएगा।

आगे बशर्ते कि बी० एस० सी० कोर्स में दाखिल होने वाले व्यक्ति ने ऊपर (बी) में वर्णित परीक्षा के कुल जोड़ में से 40 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त ना किए हों।

4.1 जिस परीक्षार्थी ने बी० ए०/बी० एस० सी० की पहले साल/दूसरे साल की परीक्षा पास कर ली है, उसे उसी धारा में विषय परिवर्तन की अनुमति दी जा सकती है :—

(क) यदि उस कालेज में विषयों का संयोजन उपलब्ध न हो, अथवा

(ख) उस कालेज में पहली क्लास में पढ़े विषय/विषयों में शिक्षण न दिया जाता हो।

परंतु शर्त यह है कि उसे संबंधित परीक्षा के न्यून विषय/विषयों को, जैसी भी स्थिति हो, आगामी दो लगातार परीक्षाओं में पास करना होगा। यदि वह न्यून विषय/विषयों में पास हो पाता, तो उसका बी० ए०/बी० एस० सी०/बी० काम० के दूसरे साल/तीसरे साल, जैसी भी स्थिति हो, का परिणाम रद्द समझा जाएगा।

4.4 जिस परीक्षार्थी ने किसी अन्य यूनिवर्सिटी से संप्रेषण कुशलता का विषय पास किए बिना पहले साल/दूसरे साल की परीक्षा पास की है, उसे इस यूनिवर्सिटी की दूसरे साल/तीसरे साल की कक्षा में, जैसे भी स्थिति हो, दाखिला दिया जा सकता है। उसे विनियम की शर्त के अनुसार दो लगातार अवसरों में न्यून विषय के तौर पर संप्रेषण का/के विषय पास करने से माफ नहीं किया जा सकता।

4.5 जिस विद्यार्थी को प्रादेशिक यूनिवर्सिटी अर्थात् पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला, गुरुनानक देव यूनिवर्सिटी अमृतसर, कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र, हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, शिमला और महर्षि दयानन्द यूनिवर्सिटी, रोहतक की पहले साल/दूसरे साल की परीक्षा में कपाटमेंट आई हो, उसे इस यूनिवर्सिटी की दूसरे साल/तीसरे साल की कक्षा में दाखिल होने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

5. सैनिक कर्मचारी/कोई अन्य कर्मचारी और उनके पुत्र/पुत्रियों को जिन्होंने किसी अन्य यूनिवर्सिटी से बी० ए०/बी० एस सी० के पहले साल/दूसरे साल की परीक्षा पास की है और जिसकी बी० ए०/बी० एससी० (फाइनल) परीक्षा को पंजाब यूनिवर्सिटी की बी० ए०/बी० एससी० परीक्षा के समकक्ष माना जाता है उनकी बदली होने पर या सैनिक कर्मचारी/किसी अन्य सरकारी कर्मचारी के जीवन साथी की बदली होने पर या पुत्र/पुत्रियों की हालत में उनके माता-पिता अथवा अभिभावक की बदली हो जाने पर, बी० ए०/बी० एससी० की दूसरे साल/तीसरे साल की कक्षा में दाखिल होने की अनुमति दी जा सकती है। यदि उस द्वारा लिए विषय/कोर्स वही हैं जो यूनिवर्सिटी में निर्धारित किए गए हैं। यदि इन विषयों/कोर्सों में कोई न्यूनता है, तो उसे न्यून विषयों/कोर्सों को, जैसी भी स्थिति हो, आगामी लगातार दो परीक्षाओं में पास करना पड़ेगा। यदि वह न्यून विषय/कोर्स पास नहीं कर पाता, उसकी बी० ए०/बी० एससी० की दूसरे साल/तीसरे साल की परीक्षा, जैसी भी स्थिति हो का परिणाम रद्द समझा जाएगा।

यह रियायत सेवा निवृत्त/सेवा निवर्तमान सैनिक कर्मचारियों और अंतरराज्य/लोक/ग्राइवेट संस्थाओं के कर्मचारियों के पुत्रों/पुत्रियों/जीवन साथी को भी दी जा सकती है।

तीसरे साल की परीक्षा पास कर लेने पर अन्य यूनिवर्सिटी की पहले साल/दूसरे साल की परीक्षा में प्राप्त अंकों को उसकी डिबीजन बनाने में जोड़ा जाएगा और संबंधित परीक्षा में प्राप्त अंकों को अधिकतम अंकों को घटा बढ़ाकर, पंजाब यूनिवर्सिटी द्वारा निर्धारित अधिकतम अंकों के अनुसार सामान्य बनाया जाएगा।

20. बी० ए०/बी० एससी० (जनरल) की पहले साल दूसरे साल और तीसरे साल की परीक्षाओं को पास करने के लिए अपेक्षित न्यूनतम अंक प्रत्येक विषय में 35 प्रतिशत होंगे, परन्तु संप्रेषण कुशलता की हालत में, परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में

अलग-अलग तौर पर प्रत्येक पेपर में पास अंक प्राप्त करने पड़ेंगे (बी० ए० जनरल और बी० ए० आनर्स में धारा बी के अंतर्गत और बी० एससी० जनरल और बी० एससी० आनर्स में प्रत्येक विषय में) बशर्ते कि परीक्षार्थी को थियोरी और प्रैक्टिकलों में अलग अलग तौर पर पास होना पड़ेगा।

33. जिस व्यक्ति ने कोर्स के तीसरे साल में वैकल्पिक विषय के तौर पर जनरल साइंस एण्ड साइंटिफिक मैथ्स/कम्प्यूटर साइंस के साथ धारा बी के अंतर्गत बी० ए० अथवा बी० ए० आनर्स परीक्षा पास कर ली है, वह तीसरे साल के लिए निर्धारित कोर्स के अनुसार, पहले और दूसरे सालों में पहले ही लिए तीसरे वैकल्पिक विषय लेने के योग्य होगा। ऐसा विद्यार्थी उस विषय में एम० ए० में दाखिला लेने के योग्य होगा, बशर्ते कि वह अन्य उपयुक्त शर्तों को पूरा करता हो।

26. कैलेण्डर, भाग II, 1980 के क्रमशः पृष्ठ 425—

433 और 437-442 पर और संलग्न सेट के पृष्ठ 50 के अनुसार डाक्टर आफ मैडिसिन (एम०डी०) और मास्टर आफ सर्जरी (एम० एस०) एक प्वाइंट प्रवेश सहित तीन साला प्रोग्राम के लिए विनियम (जनवरी 1991 के दाखिलों से लागू)।

डाक्टर आफ मैडिसिन (एम० डी०)

1.1 डाक्टर आफ मैडिसिन की डिग्री के लिए शिक्षण कोर्स की अवधि क्लिनिकल और मूल विषयों के लिए 36 महीने होगी।

2. (बी) एम० बी० बी० एस० (बी) काबिलो-परीक्षा पास करने के बाद निम्नां- पन करना कित में कहीं काम किया हो। है।

(i) मान्यता प्राप्त हस्पताल में (i) का बिलो-कम से कम एक साल के पन करना लिए हाऊस जाब (इंटर्न- है।

शिप अथवा आवर्ती हाऊस जाब नहीं गिनी जाएगी।)

जिसमें से कम से कम छः महीने उस विषय में होंगे जो एम० डी० कोर्स के लिए चुना हो।

अथवा

(ii) मेडिकल काउंसिल आफ (ii) का बिलो-इंडिया द्वारा अनुमोदित हस्प- पन करना ताल में तीन साल का इंटर्न- है। शिप प्रशिक्षण

अथवा

- (iii) पांच साल के लिए राज्य (iii) का मेडिकल सर्विसेज, आर्मेड विलोपन फोर्सिज मेडिकल सर्विसेस, करना है। अथवा अन्य समकक्ष सर्विसेस में।

बशर्ते कि परीक्षार्थी द्वारा विभाग में पोस्ट-ग्रेजुएट विद्यार्थी के तौर पर किया एक साल का पूर्णकालिक अतिरिक्त काम हाऊस में शिप के समकक्ष माना जाएगा।

आगे बशर्ते कि जिस व्यक्ति ने पी० फॅलिपैरम कन्टे-क्मेंट प्रोग्राम (पी० एफ० सी० पी०) में जिला एपिडेमियोलोजिस्ट के रूप में एक साल के लिए काम किया है, वह सोशल एण्ड प्रिवेंटिव मेडिसीन के पोस्ट-ग्रेजुएट परीक्षा देने योग्य होगा।

- 3.1 (ii) इस यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध कालेज में डाक्टर आफ मेडिसीन कोर्स के लिए कम से कम 36 महीने की क्लीनिकल और मूल विषयों के लिए प्रशिक्षण पूरा करने का।

- (ए) जिस समय के लिए किसी परीक्षार्थी ने इस यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध किसी मेडिकल कालेज/संस्था में एम० डी० कोर्स के लिए क्लीनिकल विषयों में 12 महीने की

अनिवार्य रोटेटरि इंटरशिप पूरा कर लेने

के बाद सहायक रजिस्ट्रार, रजिस्ट्रार अथवा

रिसर्च आफिसर अथवा असिस्टेंट के तौर पर, और मूल विषयों में लेक्चरर, ट्यूटर डिमान्ड्रेटर, किसी अन्य समकक्ष जाब में (डीन, फॅकल्टी आफ मेडिकल साईंसिज द्वारा अनुमोदित) काम किया हो, वह (ii) में अपेक्षित प्रशिक्षण समय के लिए गिना जाएगा।

- (बी) मूल विषयों की हालत में अपेक्षा (बी) का अतिरिक्त तीन साल का प्रशिक्षण घटाकर 30 महीने किया जा सकता है (उस विशेष विषय में), अर्थात् कि परीक्षार्थी ने

किसी अन्य मूल या क्लीनिकल साइंसेस में निर्मांकित पदों में से किसी एक पद पर छह महीने के लिए अनुमोदित जाब की हो : हाऊसजाब/ डिमान्ड्रेटर/असिस्टेंट डिमान्ड्रेटर/रिसर्च फॅलो/रिसर्च असिस्टेंट/असिस्टेंट रिसर्च आफिसर।

- (सी) जिस परीक्षार्थी ने ग्रुप ए का (सी) का क्लीनिकल विषय लिया हो, जिसने एक साल की हाऊस जाब कर लेने के बाद संबंधित विषय में डिप्लोमा प्राप्त किया हो। (एक साला कोर्स) जिसमें से छः महीने एम० डी० कोर्स के लिए चुने विषय में होने चाहिए, वह उसी विषय में केवल एक साल की और ट्रेनिंग करेगा।

- 6.1 परीक्षार्थी अपने शोध प्रबन्ध के विषय के अनुमोदन के लिए रजिस्ट्रार को पंजीकरण के 18 महीने के अन्दर प्रार्थनापत्र प्रस्तुत करेगा।

मास्टर आफ सर्जरी (एम० एस०)

- 1.1 मास्टर आफ सर्जरी (एम० एस०) की डिग्री के लिए शिक्षण कोर्स की अवधि क्लीनिकल और मूल विषयों के लिए 36 महीनों की होगी।

2. (बी) एम० बी० बी० एस० परीक्षा (बी) का पास करने के बाद निर्मांकित विलोपन में काम किया हो— करना है।

- (i) मान्यता प्राप्त हस्पताल में (i) का कम से कम एक साल के लिए विलोपन हाऊस जाब (इंटर्नशिप या करना है। आवर्ती हाऊस जाब नहीं गिनी जाएगी) जिसमें से कम से कम छः महीने उस विषय में होंगे जो एम० एस० कोर्स के लिए चुना हो,

अथवा

- (ii) मेडिकल काउंसिल आफ (ii) का इंडिया द्वारा अनुमोदित हस्पताल में तीन साल का इंटर्नशिप प्रशिक्षण करना है।

अथवा

- (iii) पांच साल के लिए राज्य मेडि—(iii) का कल सर्विसिज अथवा अन्य सम— विलोपन कक्ष सर्विस में करना है
- बशर्ते कि परीक्षार्थी द्वारा विलोपन विभाग के पोस्ट—ग्रेजुएट करना है विद्यार्थी के तौर पर किया एक साल का पूर्णकालिक अतिरिक्त काम हाऊसमैनशिप के समकक्ष माना जाएगा।

- 3.1 (ii) इस यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध कालेज/संस्था में मास्टर आफ सर्जरी कोर्स के लिए कम से कम 36 महीने की क्लीनिकल और मूल विषयों के लिए प्रशिक्षण पूरा करने का।

- (ए) जिस समय के लिए किसी परीक्षार्थी ने इस यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध किसी मेडिकल कालेज/संस्था में एम० एस० कोर्स के लिए क्लीनिकल विषयों में 12 महीनों की अनिवार्य रोटेटरी इंटर्नशिप पूरी कर लेने के बाध सहायक रजिस्ट्रार, रजिस्ट्रार अथवा रिसर्च आफिसर अथवा रिसर्च असिस्टेंट के तौर पर और मूल विषयों में लैब्वरर, ट्यूटर, डिमास्ट्रेटर, किसी अन्य समकक्ष जाब में (डीन, फैकल्टी आफ मेडिकल साइंसिज द्वारा अनुमोदित) काम किया हो, वह (ii) में अपेक्षित प्रशिक्षण समय के लिए गिना जाएगा।

- (बी) मूल विषयों की हालत में (बी) का अपेक्षित तीन साल का प्रशि— विलोपन क्षण घटा कर 30 महीने किया करना है। जा सकता है। (उस विशेष विषय में) बशर्ते कि परीक्षार्थी ने किसी अन्य मूल या क्लीनिकल साइंस में निम्नांकित पदों में से किसी एक पद पर छः महीने के लिए अनुमोदित जाब की हो। हाऊस जाब / डिमास्ट्रेटर/असिस्टेंट डिमास्ट्रेटर/रिसर्च फैलो/रिसर्च असिस्टेंट/असिस्टेंट रिसर्च आफिसर।

- (सी) जिस परीक्षार्थी ने ग्रुप ए का क्लीनिकल विषय लिया हो, विलोपन जिसने एक साल की हाऊस करना। जाब कर लेने के बाद संब—

धित विषय में डिप्लोमा प्राप्त किया हो (एक—साला कोर्स) जिसमें से छः महीने एम० एस० कोर्स के लिए चुने विषय में होने चाहिए। वह उसी विषय में केवल एक साल का और प्रशिक्षण करेगा।

- 6.1 परीक्षार्थी अपने शोध—प्रबन्ध के विषय के अनु— मोदन के लिए रजिस्ट्रार को पंजीकरण के 18 महीने के अंदर प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करेगा।

27. प० यू० कैलेन्डर, भाग—I, 1989 के पृष्ठ 50 पर विद्या परिषद के चुनाव से संबंधित विनियम 2.1

(विनियम का संशोधन) जहाँ तक क्लास सम्बद्ध कालेजों से संलग्न है)

1. 10+1
2. 10+2
3. बी० ए०/बी० एस सी०

पहला साल/दूसरा साल/और तीसरा साल

6. बी० एफ० ए०

28. प० यू० कैलेन्डर, भाग—I, 1989 के पृष्ठ 185 पर विनियम 22.2 (1-4-90 से लागू)

- 22.2 कालेज अधिकारी इस अनुमति के लिए प्रार्थना पत्र के साथ घोषणा पत्र भेजेंगे कि कालेज (विन की क्लासों) के प्रिंसिपल को सांध्य क्लासों के प्रशासनिक काम के लिए 250 रुपये प्रति महीने का भत्ता दिया जाएगा।

29. बी० ए०/बी० एस सी० (जनरल और आनर्ज) परीक्षा के लिए विनियम 4.1

- 4.1 (ii) आगे बशर्ते कि परीक्षार्थी बी० ए०/बी० एस सी० स्तर पर कम्प्यूटर साइंस का विषय लेने के तभी योग्य होगा यदि उसने +2 परीक्षा साइंस/कामर्स/इकनामिक्स/मैथे— मैट्रिक्स विषयों से पास की है।

30. पं० यू० कैलेन्डर, भाग-II, 1989 के पृष्ठ 21 पर अध्याय III "परीक्षाएं" "परीक्षाओं में दाखिला" के लिए सामान्य विनियमों में विनियम 7.5 का परिवर्धन ।

(i) जहां व्यवसायिक परीक्षा, जिसमें उपलब्ध अवसर सीमित हैं, के लिए परीक्षार्थी ने फाइनल मिनिस्टर की हाजिरी की शर्त पूरी कर लेने के बाद निश्चित समय में यह परीक्षा पास करने के लिए उपयुक्त विनियमों के अधीन दिए सभी अवसर समाप्त कर लिए हैं, परन्तु 90 प्रतिशत कोर्सिज पास कर लिए हैं, उसे शेष कोर्स पास करने के लिए अतिरिक्त लगातार अवसर दिया जा सकता है ।

(ii) यदि अब भी वह फेल हो जाता है, तो बोर्ड आफ कंट्रोल की सिफारिश पर उसे कुलपति द्वारा एक और लगातार अवसर दिया जा सकता है ।

(iii) ऐसे परीक्षार्थी को वर्तमान पाठ्यक्रम के अनुसार संचित पेपरों में परीक्षा देनी होगी । उसके प्रार्थना करने पर उसे ब्लासों में बैठने की अनुमति दी जा सकती है ।

31. मास्टर आफ फिलामफी से संबंधित विनियम 12. बशर्ते कि जिस परीक्षा में वह बैठ सका हो अथवा परीक्षा में फेल हो गया हो अथवा री-अपियर आई हो, उस परीक्षा के तुरन्त बाद के दो लगातार अवसरों में वह कोर्स/कोर्सों में पास हो जाता है ।

32. बी० एस० सी० (जनरल) परीक्षा के लिए विनियम 2.2

तीसरा साल

(i) समाजविज्ञानों और मानविकियों में जनरल कोर्स को वैकल्पिक बना दिया जाए ।

..... 2 क्रेडिट

अथवा

(ii) बी० ए० के तीसरा साल के विद्यार्थियों के लिए निर्धारित जैसा ही कम्प्यूटर साहंम (कम्प्यूटर फंडामेंटलज और एप्लिकेशनज)

अथवा

(iii) संप्रेषण कुशलता कोर्स, वैसा ही जो धारा

"बी" में बी० ए० के तीसरे साल के विद्या-

र्थियों के लिए निर्धारित किया गया है

(अंग्रेजी के लिए एक क्रेडिट और एक

क्रेडिट यूनिवर्सिटी द्वारा अनुमोदित किसी

अन्य भाषा के लिए ।

अथवा

(4) यूनिवर्सिटी द्वारा अनुमोदित भाषाओं में से

किसी एक में से 2 क्रेडिट का कोर्स जो

बी० एस सी० विद्यार्थियों द्वारा पहले

और दूसरे साल में पढ़े जाने वाले कोर्स से

भिन्न होगा । इस कोर्स के लिए पाठ्यक्रम

वही होगा जो उन भाषाओं में वैकल्पिक

कोर्सों के लिए बी० ए० पहले साल के

विद्यार्थियों के लिए पहले ही अनुमोदित

किया गया है ।

33. प्रयोजनमूलक हिन्दी में सर्टिफिकेट कोर्स के लिए विनियम (1989-90 शैक्षिक वर्ष से लागू) प्रयोजनमूलक हिन्दी में सर्टिफिकेट कोर्स

1.1 प्रयोजनमूलक हिन्दी में सर्टिफिकेट कोर्स की अवधि छः महीने होगी । एक शैक्षिक वर्ष में दो कोर्स होंगे, एक जुलाई में शुरू होकर दिसम्बर में समाप्त होगा और दूसरा जनवरी से शुरू होकर जून में समाप्त होगा ।

1.2 सिडिकेट द्वारा निर्धारित परीक्षा आरम्भ होने की तिथि और 5 रुपये देरी फीस के बिना और देरी फीस सहित परीक्षा दाखिला फार्म प्राप्त करने की अंतिम तिथियां परीक्षा कंट्रोलर द्वारा अधिसूचित की जाएंगी ।

2. जिस व्यक्ति ने निम्नांकित में से कोई एक परीक्षा पास की है, वह इस कोर्स में दाखिल हो सकता है :—
- 10+2 पास (अथवा यू० जी० सी० द्वारा निर्धारित किसी अंडर-ग्रेजुएट कोर्स में दाखिले के लिए समकक्ष योग्यता।
- अथवा
- मैट्रिक पास (उन व्यक्तियों के लिए जो पहले ही नौकरी कर रहे हैं, और जिनका किसी सरकारी, अर्ध-सरकारी, स्वायत्त अथवा किसी अन्य प्रतिष्ठित संस्था में कम से कम पांच साल का अनुभव हो)।
- हिन्दी विभाग का बोर्ड आफ कंट्रोल इस कोर्स को चलाएगा।
- 3.1 जिस व्यक्ति की विनियम 2 निर्धारित योग्यताएं हैं, और पंजाब यूनिवर्सिटी के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता है, वह परीक्षा देने के योग्य होगा :—
- (क) सदाचर का,
- (ख) परीक्षा से पहले कोर्स के दौरान विभाग में हाजिर रहने का, और
- (ग) कक्षा में प्रत्येक पेपर में दिए लैक्चरों के कम से कम 66 प्रतिशत लैक्चरों में हाजिर रहने का।
- 3.2 लैक्चरों की अपेक्षित संख्या में न्यूनता को निम्नानुसार माफ किया जा सकता है :—
- (1) विभागाध्यक्ष द्वारा 7 लैक्चरों तक।
- (2) विभागाध्यक्ष की सिफारिश पर डीन आफ यूनिवर्सिटी इन्स्ट्रक्शन द्वारा 12 लैक्चरों तक।
- 3.3 जो विद्यार्थी लैक्चरों की निर्धारित संख्या में हाजिर रहने के बाद परीक्षा नहीं देता, या परीक्षा देकर फेल हो जाता है, उसको विभागाध्यक्ष की सिफारिश पर प्राइवेट परीक्षार्थी के तौर पर कोर्स पूरा करने के तीन साल के समय में परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जा सकती है।
4. परीक्षार्थी द्वारा दी जाने वाली परीक्षा फीस 30/- रुपये होगी।
- 5.1 परीक्षा सीनेट द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार होगी।
- 5.2 परीक्षा का माध्यम हिन्दी होगा।
6. इस कोर्स के लिए परीक्षा में दो घटक होंगे :
- (क) संबंधित अध्यापक/अध्यापकों द्वारा आंतरिक आवधिक मूल्यांकन जो 50 प्रतिशत के मुख्य की जांच अथवा नियत कार्य (ग्रसा-इन्मैट) निम्नानुसार होगा :
1. आवधिक जांच (संख्या 3)—30 अंक
 2. टर्म पेपर (संख्या एक)—10 अंक
 3. समूह परिचर्चा (मौखिक)—10 अंक
- (ख) 50 प्रतिशत के निबंध-रूप और वस्तुनिष्ठ भांति के प्रश्नपत्रों द्वारा अंतिम परीक्षा निम्नानुसार होगी :
1. वस्तुनिष्ठ भांति की — 10 अंक
 2. निबंध-रूप — 40 अंक
7. परीक्षा में पास होने के लिए न्यूनतम अंक इस प्रकार होंगे :—
- (क) प्रत्येक थ्योरी पेपर में 40 प्रतिशत
- (ख) आंतरिक मूल्यांकन में 40 प्रतिशत
- (ग) (क) और (ख) के कुल जोड़ में 45 प्रतिशत
- 8.1 सफल परीक्षार्थियों का वर्गीकरण निम्नानुसार किया जाएगा :
- (क) जो परीक्षार्थी कुल अंकों में से 60 प्रथम प्रतिशत या इससे अधिक अंक श्रेणी प्राप्त करते हैं
- (ख) जो परीक्षार्थी कुल अंकों में से 50 द्वितीय प्रतिशत से अधिक परन्तु 60 श्रेणी प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करते हैं
- (ग) जो परीक्षार्थी कुल अंकों में से 50 तृतीय प्रतिशत अंकों से कम अंक प्राप्त श्रेणी करते हैं।
- 8.2 परीक्षा कंट्रोलर परीक्षा समाप्त होने के चार सप्ताह बाद या जितनी जल्दी संभव हो, परिणाम प्रकाशित करेगा।
- 8.3 प्रत्येक सफल परीक्षार्थी को प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा जिसमें उस द्वारा प्राप्त श्रेणी (डिवीजन) का उल्लेख किया जाएगा।
34. बैचलर आफ कामर्स (जनरल और आनर्ज) परीक्षाओं के लिए विनियम 3 का परिवर्धन (1990 के दाखिलों से लागू)
- (डि) बशर्ते कि बी० काम० के पहले साल में दाखिला लेने वाले परीक्षार्थी ने +2 परीक्षा में अंग्रेजी का विषय पास किया हो और उन स्थितियों में जहां भारत के कुछ बोर्डों/निकायों/काउंसिलों/यूनिवर्सिटियों के

विनियमों के अनुसार उस विषय में पास होना आवश्यक नहीं है, उस हालत में परीक्षार्थी का दाखिला अस्थायी रूप में किया जाएगा और यह दाखिला उसनी देर तक पृष्ठ नहीं किया जाएगा जब तक वह अपने मूल बोर्ड/निकाय/काउंसिल/यूनिवर्सिटी के न्यून विषय को दाखिला लेने के बाद के दो लगातार अवसरों में पास नहीं कर लेता ।

(ई) आगे बशर्तें कि:—

(क) ऊपर विनियम 3 की शर्त के अंतर्गत +2 परीक्षा में कंपार्टमेंट परीक्षार्थी बी० काम० की पहले साल की कक्षा में वह विषय ले सकते हैं जिस में उसकी कंपार्टमेंट आई हो ।

(ख) जिस परीक्षार्थी ने +2 परीक्षा में अंग्रेजी को एक विषय के रूप में पास न किया हो, उसे बी० काम० पहले साल की कक्षा में (संप्रेषण कुशलता के तौर पर) अंग्रेजी विषय लेने की अनुमति दी जाएगी, परन्तु उसे ऊपर विनियम 3 में निर्धारित शर्त के अधीन न्यून विषय को पास अवश्य करना होगा ।

(ग) उसके दाखिले की तिथि के बाद यदि उसकी दिए दो लगातार अवसरों में से किसी में वह संबंधित विषय में पास नहीं होता, तो बी० काम० के पहले साल में उसका अस्थायी दाखिला रद्द समझा जाएगा ।

35. कैलेंडर, भाग , 1988 के पृष्ठ 23 पर "परीक्षाएं—परीक्षाओं में दाखिला" से संबंधित अध्याय में विनियम 19 का परिवर्धन (केवल 1989 के दाखिलों के लिए)

19. यदि कोई परीक्षार्थी इस यूनिवर्सिटी से (अपनी बी० ए०/बी० एस सी० परीक्षा पास कर लेने के बाद) ग्रेजुएट स्तर पर कोई अतिरिक्त विषय पास कर लेता है, तो उस द्वारा प्राप्त अंकों को इस यूनिवर्सिटी/सम्बद्ध कालेजों में सभी कोर्सों में दाखिला लेने के लिए उसकी योग्यता निर्धारित करने के लिए गिना जाएगा । इन अंकों की गणना उसकी इच्छा के अनुसार उस द्वारा पहले पास किए वैकल्पिक विषय (अंग्रेजी को छोड़कर) में प्राप्त अंकों की जगह अतिरिक्त विषय में प्राप्त अंकों को प्रतिस्थापित करके की जाएगी ।

36. पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन बाइयो-टेक्नोलॉजी के

लिए विनियम (1989 के दाखिलों से लागू)

1. पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन बाइयो-टेक्नोलॉजी के कोर्स की अवधि एक शैक्षिक वर्ष होगी ।

2. जिस व्यक्ति ने निम्नांकित में से एक परीक्षा पास की है, वह इस कोर्स में दाखिला लेने के योग्य होगा :

पंजाब यूनिवर्सिटी द्वारा मान्यता-प्राप्त किसी अन्य यूनिवर्सिटी से एम० एससी० (आनर्ज स्कूल) इस एग्रिकल्चर, फिजिक्स, कैमिस्ट्री, बाटनी, जुआलोजी, माइक्रोबाइयोलोजी बाइयो-फिजिक्स, बाइयो-कैमिस्ट्री अथवा एन्थ्रोपायोलोजी ।

3. इस कोर्स में दाखिला सिडिकेट द्वारा समय-समय पर निर्धारित दाखिला-परीक्षा और/अथवा अन्य क्रियाविधियों के आधार पर होगा ।

4. परीक्षा समय-समय पर अनुमोदित पाठ्य-क्रम के अनुसार होगी ।

5. जिस व्यक्ति को विनियम 2 में निर्धारित योग्यताएं हैं और वह केन्द्र के चेयरमैन/कोऑर्डिनेटर द्वारा हस्ताक्षरित निम्नलिखित प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता है, वह परीक्षा देने के योग्य होगा :—

(क) सरावरण का,

(ख) परीक्षा से पहले के शैक्षिक वर्ष में केन्द्र में हाजिर रहने का,

(ग) कक्षा में प्रत्येक पेपर में दिए लैक्चरों और प्रैक्टिकलों में अलग अलग कम से कम 66 प्रतिशत लैक्चरों में हाजिर रहने का ।

6. कोर्सों के मूल्यांकन की विवृत और निरंतर पद्धति को अपनाया जाएगा । अध्यापन और परीक्षा का कार्यक्रम शैक्षिक वर्ष आरंभ होने से पहले सिडिकेट द्वारा अनुमोदित किया जाएगा प्रत्येक परीक्षा के अंक और उत्तर-पुस्तिकाएं विद्यार्थियों को दिखाने के बाद केन्द्र के कोऑर्डिनेटर द्वारा तुरंत परीक्षा कंट्रोलर को भेज दी जाएगी ।

7. बाइयो-टैक्नालाजी के केन्द्र के क्रियाकलापों का तालमेल करने के लिए सिंडिकेट द्वारा संघटित बोर्ड आफ कंट्रोल इन बाइयो-टैक्नालाजी होगा। बोर्ड आफ कंट्रोल के चेयरमैन और केन्द्र के कोऑर्डिनेटर की नियुक्ति कुलपति द्वारा की जाएगी। केन्द्र का कोऑर्डिनेटर बोर्ड आफ कंट्रोल का कन्वीनर भी होगा।
8. प्रत्येक पेपर में लैक्चरों की अपेक्षित संख्या में 5 प्रतिशत तक की न्यूनता को बोर्ड आफ कंट्रोल माफ कर सकता है।
9. परीक्षा फीस को दाखिला फीस, शिक्षा-फीस और अन्य फीसों सहित कोर्स के आरंभ में ही वसूल किया जाएगा।
10. शिक्षण और परीक्षा का माध्यम अंग्रेजी होगा।
11. परीक्षा पास करने के लिए प्रत्येक लिखित पेपर, प्रैक्टिकल और मौखिक परीक्षा अर्थात् सेशनलज (जो नियमित लैब/कक्षा कार्य, शोध निष्पादन आदि पर आधारित होंगे) में अलग अलग तौर पर न्यूनतम अंक 50 प्रतिशत होंगे।
12. कोई रियायती अंक नहीं दिए जाएंगे।
13. परीक्षार्थी का परिणाम केवल पास होगा या फेल। फिर भी, असाधारण स्थितियों में (अर्थात् मेडिकल आधार पर), बोर्ड आफ कंट्रोल केवल एक पेपर में ही दोबारा परीक्षा की अनुमति दे सकता है। इस परीक्षा की अगली नियमित परीक्षा के समय अनुमति दी जाएगी। कोई विशेष परीक्षा नहीं ली जाएगी।
14. सफल परीक्षार्थियों का निम्नानुसार वर्गीकरण किया जाएगा :-
 - (क) जो परीक्षार्थी कुल अंकों में से वैशिष्ट्य 75 प्रतिशत या अधिक अंक सहित प्राप्त करते हैं। प्रथम श्रेणी
 - (ख) जो परीक्षार्थी कुल अंकों में से प्रथम श्रेणी 60 प्रतिशत से अधिक परन्तु 75 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करते हैं।
 - (ग) जो व्यक्ति कुल अंकों में से 50 द्वितीय श्रेणी प्रतिशत या अधिक परन्तु 60 प्रतिशत से कम प्राप्त करते हैं।
15. परीक्षा का परिणाम कोर्स की अवधि के दौरान प्राप्त अंकों को संकलित करके परीक्षा कंट्रोलर द्वारा प्रकाशित किया जाएगा।
16. प्रत्येक सफल परीक्षार्थी को डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा जिसमें थ्योरी और प्रैक्टिकलों में प्राप्त अंकों का अलग अलग उल्लेख किया जाएगा और जिस वैशिष्ट्य/श्रेणी में परीक्षा पास की है, उसको दिखाया जाएगा।
37. आर्ट्स, लैंग्वेजिज, एजुकेशन, साइंस, डिजाइन एवं फाइन आर्ट्स और बिजनेस मैनेजमेंट एण्ड कामर्स की फैकल्टियों में मास्टर आफ फिलासफी के लिए नवनिर्णय (1989 के दाखिलों से लागू)
 1. आर्ट्स, लैंग्वेजिज, एजुकेशन, साइंस और डिजाइन एवं फाइन आर्ट्स की फै.ल्टियों में मास्टर आफ फिलासफी की डिग्री के लिए परीक्षार्थी ने पंजाब यूनिवर्सिटी से पहली अथवा दूसरी श्रेणी में (संबंधित विषय में 50 प्रतिशत अंक) मास्टर डिग्री की परीक्षा पास की हो, अथवा इस यूनिवर्सिटी द्वारा किसी अन्य यूनिवर्सिटी की इसकी परीक्षा के समकक्ष कोई मान्यता-प्राप्त परीक्षा पास की हो। गांधियन स्टडीज में एम० फिल० के लिए विषय में मास्टर डिग्री का निर्धारण बोर्ड आफ कंट्रोल द्वारा किया जाएगा जिस को डीन आफ यूनिवर्सिटी द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।
 - 2.1 कोर्स की अवधि दो सिमैस्टर/एक शैक्षिक वर्ष होगी। यदि कोई परीक्षार्थी पहली सिमैस्टर परीक्षा पास कर लेने के बाद अपना कोर्स एक साल में पूरा करने में असमर्थ रहता है, उसे इस कोर्स में दाखिल लेने के बाद दो साल की अवधि में इसे समाप्त करने की अनुमति दी जा सकती है।
 - 2.2 एम० फिल० करने वाला परीक्षार्थी अपना शिक्षण कोर्स और शोध कार्य पंजाब यूनिवर्सिटी के पोस्ट-ग्रेजुएट विभाग, अथवा इसके प्रादेशिक केन्द्र, यदि कोई हो, के पोस्ट-ग्रेजुएट विभाग में करेगा। उसे क्षेत्रीय कार्य अथवा शोध, एक शैक्षिक वर्ष के निर्धारित समय में से अधिक से अधिक तीन महीने के लिए चंडीगढ़ से बाहर शोध के किसी अनुमोदित केन्द्र में करने की अनुमति दी जा सकती है।

- 2.3 मैथेमेटिक्स और स्टैटिस्टिक्स को छोड़कर जहाँ बोर्ड आफ कंट्रोल अपने एम० फिल० शिक्षण कार्यक्रम को कोर्स कार्य पर आधारित कर सकती है अन्य विषयों में एम० फिल० कोर्स में कोर्स कार्य और शोध प्रबन्ध होगा। एम० फिल कोर्स शिक्षण कार्यक्रम के कुल क्रेडिट 24 होंगे और प्रत्येक क्रेडिट 25 अंक के मूल्य का होगा। प्रत्येक कोर्स का क्रेडिट मूल्य, कोर्स के वस्तु और विद्यार्थी द्वारा किए जाने वाले काम की अपेक्षित मात्रा को ध्यान में रख कर निर्धारित किया जाएगा। जिन अनुशासनों में जहाँ शोध-प्रबन्ध और कोर्स दोनों की आवश्यकता है, वहाँ शोध-प्रबन्ध/कोर्स कार्य को कम से कम छः छः क्रेडिट दिए जाएंगे। बोर्ड आफ कंट्रोल ज्वाइंट रिसर्च बोर्ड के अनुमोदन के लिए शिक्षण कोर्स, शोध प्रबन्ध के शीर्षक और पर्यवेक्षक की सिफारिश करेगा। बोर्ड आफ कंट्रोल शोध-प्रबन्ध के शीर्षकों और पर्यवेक्षकों की सिफारिशों प्रति वर्ष 30 नवम्बर तक अवश्य करेगा। प्रश्न-पत्र की तैयारी और परीक्षार्थी द्वारा लिए कोर्स/कोर्सों का मूल्यांकन सिडिकेट द्वारा निर्धारित कार्य विधि के अनुसार किया जाएगा।
- 3.1 जो व्यक्ति एम० फिल० के शिक्षण कार्य-में दाखिल होना चाहता है, यूनिवर्सिटी द्वारा अधिसूचित तिथि तक निर्धारित फार्म पर संबंधित विभाग में प्रार्थनापत्र भेजेगा।
- 3.2 परीक्षार्थी एम० फिल० कोर्स के लिए 25/- रुपये प्रति महीना के हिसाब से एक शैक्षिक वर्ष के लिए शिक्षा-फीस अदा करेगा। जिन परीक्षार्थियों को समय-वृद्धि प्रदान की गई हो, उनको कोई शिक्षा-फीस देने की आवश्यकता नहीं है।
- 3.3 दाखिल हो जाने के बाद, जिस व्यक्ति को पंजाब यूनिवर्सिटी अथवा यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमिशन अथवा सिडिकेट द्वारा अनुमोदित किसी अन्य संगठन से एम० फिल० शिक्षण कार्यक्रम के लिए विशेष रूप में स्थापित छात्रवृत्ति/फेलोशिप दी गई हो, उसे मासिक शिक्षा-फीस देने से छूट दी जाएगी।
4. परीक्षार्थी अपने शोध-प्रबन्ध के शीर्षक के अनुमोदित होने की तिथि के दो महीने के अन्दर अपने पर्यवेक्षक के जरिये बोर्ड आफ कंट्रोल को शीर्षक बदलने की अनुमति के लिए प्रार्थना कर सकता है। शोध-प्रबन्ध का संशोधित शीर्षक ज्वाइंट रिसर्च बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।
5. जो परीक्षार्थी दो सिमेस्टरों/एक शैक्षिक वर्ष में अपना शोध प्रबन्ध पूरा नहीं कर पाता, वह अपने पर्यवेक्षक के जरिये समय-वृद्धि के लिए प्रार्थना कर सकता है। यह समय-वृद्धि बोर्ड आफ कंट्रोल की सिफारिश पर अधिक से अधिक एक साल के लिए ज्वाइंट रिसर्च बोर्ड द्वारा प्रदान की जा सकती है, परन्तु परीक्षार्थी के लिए समय-वृद्धि का यह साल विभाग में लगाना आवश्यक नहीं है।
- बशर्ते कि समय-वृद्धि के लिए प्रार्थना-पत्र के साथ 50/- रुपये की फीस देनी होगी।
- 6.1 शोध-प्रबन्ध पूरा हो जाने के बाद, परीक्षार्थी अपने शोध-प्रबन्ध की मुद्रित/टाईप की हुई तीन प्रतियाँ और 125/- रु० की फीस जमा करवाएगा।
- 6.2 परीक्षार्थी द्वारा दी जाने वाली परीक्षा दाखिला फीस 100/- रुपये होगी और यह उस सिमेस्टर के लिए होगी जिसमें वह ध्यानी पैपर देता है।
7. परीक्षार्थी को एम० फिल की डिग्री के लिए शोध-प्रबन्ध प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाएगी यदि उसका पर्यवेक्षक यह प्रमाणित करे कि प्रस्तुत शोध-प्रबन्ध एम० फिल० की डिग्री प्रदान करने के लिए विचारनीय है। यदि परीक्षार्थी निर्धारित कोर्सों को पान करने में असमर्थ रहता है परन्तु शोध-प्रबन्ध में 45 प्रतिशत पान अंक प्राप्त करता है, शोध-प्रबन्ध में प्राप्त किए अंकों को परीक्षार्थी की इच्छा के अनुसार शोध-प्रबन्ध में नए सिरे से मूल्यांकन द्वाँर आगे लिया जा सकता है।
8. परीक्षार्थी अपने शोध-प्रबन्ध में किसी भी कार्य की वस्तु को सम्मिलित कर सकता है जो उसने इस विषय पर पहले प्रकाशित की हो और ऐसा करने पर वह अपने पर्यवेक्षक को सूचित करेगा और इस तथ्य का वह शोध-प्रबन्ध की भूमिका में भी उल्लेख करेगा। परन्तु वह अपना शोध-प्रबन्ध किसी ऐसे कृति पर प्रस्तुत नहीं करेगा, जिसके लिए उसे या किसी अन्य व्यक्ति को इस या किसी अन्य यूनिवर्सिटी में/द्वारा पहले ही डिग्री प्रदान की गई हो।

9. एम० फिल० डिग्री का परीक्षार्थी परिणाम में सफल घोषित हो जाने पर शोध-प्रबन्ध को प्रकाशित कर सकता है।
10. परीक्षा में पास होने के लिए न्यूनतम अंक निम्ना-नुसार होंगे :—
(क) प्रत्येक कोर्स/शोध-प्रबन्ध में 45 प्रतिशत
(ख) कुल जोड़ 50 प्रतिशत
11. सफल परीक्षार्थियों का निम्नानुसार वर्गीकरण किया जा सकता है।
(क) जो परीक्षार्थी कुल अंकों में से वैशिष्ट्य 75 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करते हैं। सहायक प्रथम श्रेणी
(ख) जो परीक्षार्थी कुल अंकों में से प्रथम श्रेणी 60 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करते हैं।
(ग) जो परीक्षार्थी कुल अंकों में से द्वितीय श्रेणी 60 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करते हैं।
12. जो परीक्षार्थी परीक्षा में फेल हो गया है या कोर्स पूरा करने के बाद परीक्षा न दे पाया हो, उसको नए सिरे से लेक्चरों में हाजिर रहने के बिना आगामी सिमेस्टर परीक्षा देने की अनुमति दी जा सकती है। इस उद्देश्य के लिए, उसे दो लगातार अवसर दिए जा सकते हैं।
बशर्ते कि एम० फिल० कोर्स में अपना दाखिला लेने के दो साल के समय में वह कोर्स पास कर लें।
13. इन विनियमों की शर्तों के अधीन परीक्षा कंट्रोलर विभाग के चेयरमैन/अध्यक्ष से परिणाम प्राप्त होने के बाद परिणाम प्रकाशित करेगा।
14. जिस परीक्षार्थी को एम० फिल० डिग्री प्रदान कर दी जाती है अथवा एम० फिल० का परीक्षार्थी जिसको पीएच० डी० के नामांकन के लिए बोर्ड आफ कंट्रोल द्वारा योग्य माना गया है, उसे जाइंट रिसर्च बोर्ड द्वारा एक साल के समय की छूट दी जा सकती है, और यह समय पीएच० डी० की शोध के लिए न्यूनतम समय के लिए गिना जाएगा। ऐसे परीक्षार्थी पीएच० डी० विनियमों में व्यवस्थित 3/36 सप्ताह की न्यूनतम रिहाइशी के सम्बन्ध में भी छूट देने के योग्य होंगे।
38. कैलेण्डर भाग II, 1988 के पृष्ठ 507 पर बेचलर आफ फार्मसी परीक्षा के लिए विनियम 4.3 और 4.4

- 4.3 जो परीक्षार्थी लेक्चरों और प्रैक्टिकलों की निर्धारित संख्या पूरी कर लेने पर साल के अप्रैल में हुई सभी या किसी एक कोर्स (कोर्सों) में परीक्षा नहीं देता, अथवा यदि परीक्षा देता है तो सभी या किसी एक कोर्स में पास नहीं हो पाता, वह, अगली तीन लगातार परीक्षाओं में ऐसे कोर्सों की परीक्षा दे सकता है।

बशर्ते कि जिस परीक्षार्थी को विनियम 8.1 के अन्तर्गत अस्थायी तौर पर अगली उच्च कक्षा में दाखिला होने की अनुमति दी गई है, वह चार लगातार परीक्षाएं दे सकता है जो उच्च कक्षा की परीक्षा में बैठने के योग्य होने के तुरन्त बाद में उच्च शिक्षा से संबंधित हो।

- 4.4 जिस परीक्षार्थी के अप्रैल की परीक्षा में बैठने के लिए अपेक्षित लेक्चर और/अथवा प्रैक्टिकल कम है, वह सितम्बर में होने वाली परीक्षा में बैठ सकता है

और विनियम 4.3 के लिए उपबंध के अनुसार तीन और अवसरों का फायदा उठा सकता है।

39. पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन अडवन्स एड कांटेन्स्यूइंग एजुकेशन के लिए विनियम (1989 के दाखिलों से लागू)

1.1 पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन अडवन्स एड कांटेन्स्यूइंग एजुकेशन के कोर्स की अवधि एक शैक्षिक वर्ष होगी।

- 1.2 इस कोर्स की परीक्षा साल में एक बार साधारणतया मई के महीने या उन तिथियों पर होगी जो सिडिकेट द्वारा निर्धारित और परीक्षा कंट्रोलर द्वारा अधिसूचित की गई है।

1.3 वेरी फीस सहित और फीस बिना परीक्षा दाखिला फार्म प्राप्त करने की सिडिकेट द्वारा निर्धारित अंतिम तिथि परीक्षा कंट्रोलर द्वारा अधिसूचित की जाएगी।

2. जिस व्यक्ति ने निम्नांकित परीक्षाओं में से कोई एक परीक्षा पास की है, वह इस कोर्स में दाखिल होने के योग्य होगा :—

(i) पंजाब यूनिवर्सिटी की किसी भी फैकल्टी से कम से कम 50 प्रतिशत अंकों सहित मास्टर डिग्री,

अथवा

(ii) कम से कम 50 प्रतिशत अंकों से बी० एड०/बी० टी०/एल० टी० और कांटेन्स्यूइंग/एक्सटेंशन एजुकेशन में कम से कम एक साल का अनुभव,

अथवा

- (iii) सिडिकेट द्वारा ऊपर (i) के समकक्ष मान्यता प्राप्त किसी अन्य यूनिवर्सिटी से कम से कम 50 प्रतिशत अंकों सहित कोई परीक्षा ।

3. जिस परीक्षार्थी को विनियम 2 में निर्धारित योग्यताएं हैं, वह परीक्षा देने के योग्य होगा बशर्ते कि वह एजुकेशन विभाग के चेयरमैन द्वारा हस्ताक्षरित निम्नांकित प्रमाण पत्र प्रस्तुत करे :—

- (क) सदाचरण का,
(ख) परीक्षा से पहले के शैक्षिक वर्ष में एजुकेशन विभाग में हाजिर रहने का, और
(ग) डम कोर्स और सेशनल कार्य के लिए प्रत्येक पेपर में दिए गए लैक्चरों में से कम से कम 66 प्रतिशत में हाजिर रहने का ।

4. लैक्चरों की अपेक्षित संख्या/सेशनल कार्य में न्यूनता को निम्नानुसार साफ किया जा सकता है :—

- (1) विभाग के चेयरमैन द्वारा 15 लैक्चरों तक, और
(2) विभाग के चेयरमैन की सिफारिश पर डीन आफ यूनिवर्सिटी इन्स्ट्रक्शन द्वारा 25 लैक्चरों तक ।

5. परीक्षा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार होगी ।

6. परीक्षार्थी 75/- रुपये की परीक्षा फीस अदा करेगा ।

7. शिक्षण और परीक्षा का माध्यम अंग्रेजी होगा ।

8.1 परीक्षा के तीन भाग होंगे :—

- भाग-I थ्योरी पेपर I से V
भाग-II सेशनल कार्य पेपर VI
भाग-III विस्तृत मौखिक परीक्षा

8.2 (I से V) थ्योरी पेपरों का मूल्यांकन वे अध्यापक करेंगे जो डम कोर्स को पढ़ाते हैं ।

8.3 जो अध्यापक यह कौम पढ़ाते हैं, उन द्वारा ग्रेडिंग दो क्लाम टेस्टों, दो नियत कार्यों (असाइनमेंटों) और शैक्षिक वर्ष के दौरान विभाग द्वारा आयोजित गोष्ठियों और पेपर-रीडिंग में भाग लेने के अतिरिक्त कोर्स के अंत में ली गई परीक्षा के आधार पर की जाएगी ।

8.4 कोर्स पढ़ा रहे अध्यापकों द्वारा प्रस्तुत ग्रेडिंग की जांच एक नामिका (पैनल) द्वारा की जाएगी जिसमें कुलपति द्वारा नियुक्त दो बाहरी परीक्षक, विभाग का चेयरमैन और एजुकेशन विभाग के चेयरमैन द्वारा नामित कोर्स पढ़ा रहे अध्यापकों से दो सदस्य सम्मिलित होंगे और उनको संबंधित अध्यापकों

से सलाह-मशविरा करने के बाध ग्रेड बदलने का अधिकार होगा ।

8.5 भाग I, भाग II और भाग III के बारे में ग्रेड निम्नांकित आधार पर विभाग के चेयरमैन द्वारा रिकार्ड किए जाएंगे :—

1. भाग I (थीअरी) अध्यापक की सिफारिशों और उसके बाद विनियम 8.3 में उल्लिखित परीक्षकों की नामिका द्वारा अनुमोदन ।

2. भाग II (सेशनल कार्य) समिति द्वारा सेशनल कार्य की सिफारिश जिसमें विभाग का चेयरमैन और अध्यापक इन्चार्ज सम्मिलित होंगे और उसके बाद विनियम 8.3 में उल्लिखित परीक्षकों का नामिका द्वारा अनुमोदन ।

3. भाग III (विस्तृत विस्तृत मौखिक परीक्षा जिसमें मौखिक परीक्षा) में विभाग के चेयरमैन की सिफारिश पर कुलपति द्वारा नियुक्त दो बाहरी परीक्षक और विभाग के चेयरमैन की सिफारिश पर कोर्स पढ़ा रहे अध्यापकों में से कुलपति द्वारा नियुक्त दो अध्यापक ।

8.6 विद्यार्थियों के काम का निरंतर मूल्यांकन संबंधित अध्यापक इन्चार्ज द्वारा ग्रेडिंग पद्धति द्वारा निम्नानुसार किया जाएगा :—

नोटेशन	ग्रेड प्वाइंट	समकक्ष अंक
ओ (अति वैशिष्ट्य)	8	80-100
ए (बहुत अच्छा)	7	65-79
बी (अच्छा)	6	55-64
सी (सन्तोषजनक)	5	50-54
डी (फैल)	4 (फैल)	50 से कम

परीक्षार्थी के कुल निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए डिप्लोमा के शिक्षण के पूरे कार्यक्रम के लिए

ग्रेड प्वाइंट औसत की गणना निम्नानुसार की जाएगी :

ग्रेड	प्वाइंट
ओ	8
ए	7
बी	6
सी	5
डी	4 (फेल)

8.7 ग्रेड प्वाइंट औसत को 2 दशमलव प्वाइंटों तक गिना जाएगा ।

8.8 परीक्षार्थी को पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कॉन्टिन्यूइंग एजुकेशन प्राप्त करने के योग्य बनने के लिए प्रत्येक थ्योरी पेपर, सेशनल कार्य और विस्तृत मौखिक परीक्षा में अलग अलग तौर पर कम से कम 5 को ग्रेड प्वाइंट औसत प्राप्त करनी होगी ।

9. जो परीक्षार्थी एक या अधिक कोर्स/कोर्सों में 5 ग्रेड प्वाइंट औसत से कम प्राप्त करता है, उस को नियमित विद्यार्थी के तौर पर केवल यही कोर्स/कोर्सों को लेने की अनुमति दी जा सकती है, बशर्ते कि यदि वह इस पूरे कोर्स को तीन लगातार अवसरों, जिसमें वह पहला अवसर भी सम्मिलित होगा जिसके लिए वह योग्य था, में पास करने में असमर्थ रहता है उसे इस कोर्स में दोबारा दाखिला होने की अनुमति नहीं दी जा सकेगी ।

10. परीक्षा कंट्रोलर परीक्षा समाप्त होने के चार सप्ताह बाद या जितनी जल्दी संभव हो सके, परिणाम प्रकाशित करेगा ।

11. प्रत्येक सफल परीक्षार्थी को यूनिवर्सिटी द्वारा डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा ।

संख्या 2.91/जी० आर—केन्द्रीय सरकार (मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग) ने अपने पत्रांक 23-7/91-यू० आई० दिनांकित 5-12-1991 द्वारा मास्टर आफ आर्ट्स परीक्षा और मास्टर आफ आर्ट्स/साईंस परीक्षाओं 'सिमैस्टर सिस्टम' के लिए पृष्ठ 117, 123 और 131 पर एम० ए०

एम० एस सी० भाग-I परीक्षा के दाखिले के लिए अस्थायी विनियम के परिवर्धन को मंजूरी दे दी है और इसे अप्रैल, 1992 की परीक्षाओं से लागू किया जाएगा ।

अस्थायी विनियम

जिस परीक्षार्थी ने पुरानी स्कीम के अधीन बी० ए० परीक्षा पास की है, वह 1991, से होने वाले दाखिलों से एम० ए० भाग I में दाखिल होने के योग्य होगा, परन्तु उसे बिज कोर्स, जिसमें अंग्रेजी (साहित्य और भाषा) और बी० ए० तीसरे साल के दो वैकल्पिक विषय (नई स्कीम) सम्मिलित होंगे, पास करना होगा । ये विषय वहीं होंगे जो उसने बी० ए० (पुरानी स्कीम) में पास किए थे ।

जिस परीक्षार्थी ने पुरानी स्कीम के अंतर्गत बी० एस सी० परीक्षा पास की है वह 1991 के दाखिलों से एम० एस सी० भाग-I में दाखिला लेने के योग्य होगा, परन्तु उसे बिज कोर्स जिसमें अंग्रेजी (संप्रेषण कुशलता) और बी० एस सी० तीसरे साल (नई स्कीम) के दो पेपर जिनमें से एक पेपर वही होना चाहिए जिसमें वह एम० एस सी० करना चाहता है, पास करना होगा ।

एम० ए०/एम० एस सी० भाग I क्लास में दाखिला लेने के लिए अपेक्षित अंकों की प्रतिशतता को परीक्षार्थी द्वारा बी० ए०/बी० एस सी० (पुरानी स्कीम) परीक्षा में प्राप्त अंकों और बिज क्लास में प्राप्त अंकों को मिलाकर निर्धारित किया जाएगा ।

यूनिवर्सिटी कोर्सों के दाखिलों के लिए जहां भी बी० ए०/बी० एस सी०/बी० काम न्यूनतम शर्त है, वहां बी० ए०/बी० एस सी०/बी० काम (14-साला डिग्री) की जगह बी० ए०/बी० एस सी०/बी० काम (15 साला डिग्री) को प्रतिस्थापित समझा जाएगा ।

एस० पी० धवन
डिप्टी रजिस्ट्रार (जनरल)

चण्डीगढ़-160014, दिनांक 31 दिसम्बर 1991

मेरी उपस्थिति में आप 31-12-1991 को पंजाब यूनिवर्सिटी की सामान्य सल द्वारा भुवार्.ड ।

बी० एल० गुप्ता
रजिस्ट्रार

STATE BANK OF INDIA

CENTRAL OFFICE

Bombay, the 4th January 1992

No. 1/1992.—In exercise of the powers under sub-section (1) of Section 63 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959, and as approved by the Reserve Bank of India and the Board of Directors of the concerned Associate Banks, the State Bank of India has approved the undernoted amendments in Regulations 21, 22 (2), 24 (1), b (i), (iii), and 33 (4) of State Bank of Bikaner & Jaipur/Hyderabad/Indore/Mysore/Patiala/Saurashtra/Travancore (Officers') Service Regulations 1979.

Reg. 21

On and from 1-11-1987, Dearness Allowance Scheme shall be as under :—

(i) Dearness Allowance shall be payable for every rise or fall of 4 points over 600 points in the quarterly average of the All India Average Working Class Consumer Price Index (General) Base 1960—100.

(ii) Dearness Allowance shall be payable as per the following rates :—

(i) 0.67% of 'pay' upto Rs. 2500/- plus,

- (ii) 0.55% of 'pay' above Rs. 2500/- to Rs. 4000/- plus.
 (iii) 0.33% of 'pay' above Rs. 4000/- to Rs. 4260/- plus.
 (iv) 0.17% of 'pay' above Rs. 4260/-.

Reg. 22 (2)

On and from 1-1-1990, where an officer is not provided any residential accommodation by the bank, he shall be eligible for House Rent Allowance at the following rates:—

Where the place of work is in Column I	HRA payable shall be Column II
(i) Major 'A' Class cities specified as such from time to time in accordance with State Bank guidelines and Project Area centres in Group 'A'	14% of the pay subject to a maximum of Rs. 450/- p.m.
(ii) Other places in Area I and Project Area Centres in Group 'B'	12% of the pay subject to a maximum of Rs. 375/- p.m.
(iii) Area II and state capitals and capitals of Union Territories not covered by (i) and (ii) above.	10% of the pay subject to a maximum of Rs. 325/- p.m.
(iv) Area III	8% of the pay subject to a maximum of Rs. 300/- p.m.

Provided that if an officer produces a rent receipt, the House Rent Allowance payable to him shall be the actual rent paid by him for his residential accommodation in excess over 6% of the pay in the first stage of the scale of pay in which he is placed or at the rates indicated in Column II with a maximum of 175% of the maximum House Rent Allowance payable otherwise, whichever is lower.

Explanation

1(b) With effect from 1-4-1990, where accommodation has been hired by the bank, contractual rent payable by the bank or rent calculated in accordance with the procedure in (a) above, whichever is lower.

(b) In this Regulation and in Regulation 23, Area I, Area II and Area III shall mean as under:—

Area I—Places with a population of more than 12 lakhs.

Area II—All cities other than those included in Area I which have a population of 1 lakh and more.

Area III—All places not included in Area I and Area II.

Reg. 24.

(1) An officer shall be eligible for reimbursement of medical expenses actually incurred by him in respect of himself and his family on the following basis namely:—

Medical Expenses

- (a) On and from 1-1-1990, reimbursement of medical expenses of an officer in the pay range specified in Column I of the Table below and his family may be made on the strength of the officers own certificate of having incurred such expenditure supported by a statement of accounts for the amounts claimed subject to the limit specified in column 2 thereof:

TABLE

Pay Range	Reimbursement limit p.a.
Rs. 2100/- to Rs. 3060/- p.m.	Rs. 750/-
Rs. 3061/- p.m. and above	Rs. 1000/-

Note:—An officer may be allowed to accumulate unavailed medical aid so as not to exceed at any time three times the maximum amount provided above.

Explanation:

"FAMILY" of an officer for the purpose of this regulation shall consist of spouse, wholly dependent children and wholly dependent parents only.

(b) Hospitalisation Expenses:

- (i) On and from 1-4-1989, hospitalisation charges shall be reimbursed to the extent of 90% in the case of an officer and 60% in the case of his family members in respect of all cases which require hospitalisation. Reimbursement on the basis of bills, vouchers etc., of expenses incurred shall be subject to ceilings determined from time to time in accordance with the guidelines of the Government.

- (ii) The officers or members of their families (as the case may be) are expected to secure admission in a Government or Municipal Hospital or any private hospital (i.e. hospitals under the Management of a Trust, Charitable institution or a religious mission). But in unavoidable circumstances the officers or their family members or both may avail themselves of the services of the approved private nursing homes or private hospitals approved by the Bank. Reimbursement in such cases should however, be restricted to the amount which would have been reimbursable in case the patient was admitted to one of the hospitals mentioned above.

- (iii) On and from 1-4-1989, medical expenses incurred in respect of the following diseases which need domiciliary treatment as may be certified by the recognised hospital authorities and Bank's medical officer shall be deemed as hospitalisation expenses and reimbursed to the extent of 90% in case of an officer and 60% in the case of his family members:—

Cancer, Tuberculosis, Paralysis, Cardiac Ailment, Tumor, Small Pox, Pleurosy, Diphteria, Leprosy, Kidney Ailment.

Reg. 33(4)

On and from 1-1-1990, Privilege Leave may be accumulated upto not more than 240 days except where leave has been applied for and it has been refused.

By the Orders of the Central Board

Sd./- ILLEGIBLE
Managing Director

Bombay, the 8th January 1992

No. 3/1992.—In exercise of the powers conferred under sub-section (1) of Section 63 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959, and as approved by the Reserve Bank of India and the Board of Directors of the Associate Banks, the State Bank of India has approved the undernoted amendment in Sub-Regulation 12(2) of the State Bank of Bikaner & Jaipur/Hyderabad/Indore/Mysore/Patiala/Saurashtra/Travancore Employees' Provident Fund Regulations:—

Sub-Regulation 12(2)

The account of each member will be credited with interest on the amount standing to his credit at a rate which shall be fixed by the Trustees annually, having regard to the return which can be obtained on the investment of other provident, charitable, religious and trust and quasi trust funds in accordance with the rules, schemes or directions made, framed or given by the Central Government in this behalf. Such interest shall be calculated in round rupees (rounding off the amount to the next higher rupee) on the monthly product of each member's account and shall be applied to the account half-yearly as on 31st March and 30th September.

By the Orders of the Central Board

Sd./- ILLEGIBLE
Dy. Managing Director
(Associate Banks)

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

New Delhi-110 002, the 30th December 1991

No. 3NCA(5)/7/91-92.—With reference to this Institute's Notification Nos. 3NCA(4)/3/86-87 dated 27-2-87, 3WCA(4)/13/88-89 dt. 23-3-89, 3NCA(4)/2/90-91 dt. 12-11-90, 3NCA(4)/3/89-90 dt. 9-11-89, 3NCA(4)/2/90-91 dt. 12-11-90 and 3NCA(4)/3/90-91 dt. 4-2-91, it is hereby notified in pursuance of Regulation 20 of the Chartered Accountants Regulations 1988, that in exercise of the powers conferred by Regulation 19 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following gentlemen :—

Sl. No.	Member-ship No.	Name & Address	Date of Restoration
1.	14350	Shri Arun Kumar Seth, ACA 2445 Chhipiwara Kalan Near Jama Masjid Delhi-6.	24-06-91
2.	21754	Shri C. Ayyaswamy, ACA 44/45 Balaji Street Saidapet Madras-600 015.	28-06-91
3.	51459	Shri Jayanta Ray, ACA 179 Pocket-B DDA Flats, Sukhdev Vihar New Delhi-110 065.	04-07-91
4.	81587	Shri Daya Prakash Maheshwari, FCA 32-A, DDA (MIG) Flats Qutab Enclave, Phase-I New Delhi-110 016.	28-06-91
5.	84038	Shri Jayant Amrit Anand Shukla, ACA Q-2A Hauz Khas New Delhi-110 016.	01-07-91
6.	84755	Shri Abdul Ahad Bhat, ACA Flat No. 13, Auqaf Building Budshah Chowk Srinagar (Kashmir).	12-07-91
7.	85370	Shri Vijay Kumar, ACA H. No. 2107, Nai Basti Rewari (Haryana).	01-10-90
8.	85390	Shri Akhilesh Kumar Maheshwari, ACA C/o. R.K. Rathi M-3/29, Model Town-III Delhi-110 009.	01-10-89
9.	85394	Shri Rajesh Chawla, ACA A-16 Priyadarshni Vihar New Delhi-110 092.	28-06-91
10.	85787	Shri Sanjeev Kumar Mittal, ACA 1351, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-110 009.	02-07-91
11.	87221	Shri Jag Mohan, ACA M/s. K.K. Soni & Co. Chartered Accountants 130 Sarojini Market New Delhi-110 023.	24-06-91

No. 3NCA(5)/8/91-92.—With reference to this Institute's Notification Nos. 4ECA(11)/79-80 dt. 15-3-80, 4CA (15)/78-79 dt. 29-1-79, 3WCA(4)/8/90-91 dt. 2-1-91, 3NCA(4)/3/90-91 dt. 4-2-91, 3NCA(4)/3/89-90 dt. 9-11-89, 3NCA(4)/3/87-88 dt. 30-12-87 & 3NCA(4)/2/90-91 dt. 12-11-90, it is hereby notified in pursuance of Regulation 20 of the Chartered Accountants Regulations 1988, that in exercise of the powers conferred by Regulation 19 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants

of India has restored to the Register of Members, with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following gentlemen :—

Sl. No.	Member-ship No.	Name & Address	Date of Restoration
1.	5546	Shri Suni'endu Bhattacharjya, ACA B-300, Chittaranjan Park New Delhi-110 019.	11-10-91
2.	6733	Shri K.S. Rama Rao, ACA Plot No. 3391, Extn-18 Gaborone (Botswana) Africa.	13-09-91
3.	8527	Shri Dev Krishan Sood, ACA Sr. Vice-President (Commn.) C/o. Prakash Industries Ltd. Padma Tower-I 1st Floor, Rajendra Place New Delhi-110 008.	05-08-91
4.	9436	Shri Tara Chand Dhamija, FCA Flat No. 278, C.A. Apartments Paschim Vihar New Delhi-110 063.	31-07-91
5.	16356	Shri A. Kannan ACA 422/Block-7 Defence Service Officers' Enclave Sardar Patel Marg Dhaura Kuan New Delhi	12-10-91
6.	30539	Shri Bhupinder Kumar Jain, FCA B-II/762, Ward No. 5 Jandiala Guru Amritsar (Pb.)	06-08-91
7.	82410	Shri Harish Chander, ACA 6/12-A, Moti Nagar New Delhi-110 015.	13-08-91
8.	83828	Shri Sandeep Malhotra, ACA 89, Poorvi Marg Vasant Vihar New Delhi-110 057.	01-10-91
9.	83847	Shri Ashok Kumar Malik, FCA H-229, Jeevan Niketan LIC Colony Delhi-110 041.	12-08-91
10.	34729	Shri Sanjay Mittal, ACA 299C, Pocket-2 Mayur Vihar, Phase-I Delhi-110 091.	23-09-91
11.	35267	Shri Krishan Gopal, ACA World Link Finance Ltd. Archana Theatre, II Floor Greater Kailash-I New Delhi-110 048.	09-08-91
12.	86838	Shri Rajeev Kumar Mandirutta, ACA Pocket-A, House No. 564 Surita Vihar New Delhi-110 044.	23-08-91
13.	87665	Shri Dhruva Kumar Agrawal, ACA LB-9, Prakash Deep 7 Tolstoy Marg New Delhi-110 002.	19-08-91

A. K. MAJUMDAR
Secretary

Madras-600 034, the 3rd January 1992

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 3SCA(4)/8/91-92.—In pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute at their own request with effect from the dates mentioned against their name the names of the following gentlemen :—

S. No.	M. No.	Name & Address	Date of Removal
1	2	3	4
1.	00897	Shri K. Raghavan 14, Jeevarathnam Nagar Adyar Madras-600 020.	01-04-85
2.	02698	Shri G. Ramanathan 128 East Car Street Chidambaram-608 001.	01-04-91

A. K. MAJUMDAR
Secretary

Kanpur-208 001, the 12th December 1991

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 3CCA(4)(5)/91-92.—In pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Section 20(1)(a) of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the register of members of this Institute on account of death, the names of following members with effect from the dates mentioned against their names.

S. No.	M. No.	Name & Address	Date of Removal
1.	5126	Mr. Ramesh Chandra Tandon, 95-A, Civil Lines, Barcilly.	2-11-91
2.	74111	Mr. Ajay Mittal Jauhari, 41, Shivajinagar, Mahmoorganj, Varanasi.	18-7-91
3.	70850	Mr. Om Parkash Rana, 1693, Napier Town, Jabalpur.	25-10-91

A.K. MAJUMDAR,
Secretary

THE INSTITUTE OF COST AND WORKS ACCOUNTANTS
OF INDIA

Calcutta-700 016, the 11th December 1991

No. 18-CWR(262)/91.—It is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has restored to the Register of Members, the name of Shri Chandan Choudhuri, BCOM (HONS), LLB, AICWA, C/o Andrew Yule & Co. Ltd., Internal Audit Department, 8, Clive Row, Calcutta-700 001 (Membership No. 6600), with effect from 20th March 1991.

6-429 GI/91

No. 16-CWR(1119-1122/91.—In pursuance of Regulation 16 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, it is hereby notified that in exercise of powers conferred by sub-section (1)(a) of Section 20 of the Cost and Works Accountants Act, 1959, the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has removed from the Register of Members, the names of (1) Shri K. P. Viswanath, FICWA, 2, Kashi Niketan, Govandi Road, Chembur, Bombay-400 089 (Membership No. 716) with effect from 10th October 1989, (2) Shri R. G. Baiwar, BSC, AICWA, C/o. Uranium Corporation of India Ltd., P.O. Jaduguda Mines-832 102, Dt. Singhbhum (Membership No. 2634), with effect from 14th February 1990, (3) Shri Abani Mohan Chakraborty, MSC, LLB, ACMA, AICWA, Director Publishers Guild Pvt. Ltd., Bani Mandir, 64/1/38A, Belgachia Road, Calcutta-700 037 (Membership No. 769), with effect from 27th September 1991, and (4) Shri V. N. Garg, BCOM, LLB, AICWA, Finance Manager (Audit), The Fertilizer Corporation of India Ltd., Central Office, 'Madhuban', 55, Nehru Place, New Delhi-110 019, (Membership No. 1376), with effect from 14th February 1991, on account of death.

The 12th December 1991

No. 16-CWR(1123-1124)/91.—In pursuance of Regulation 16 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, it is hereby notified that in exercise of powers conferred by sub-section (1)(b) of Section 20 of the Cost and Works Accountants Act, 1959, the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has removed from the Register of Members, the names of (1) Shri P. R. Bapaye, BA, BCOM, AICWA, Flat No. 4 A-4, Vishal Nagar, Raghov Building, Adajan Road, Surat-395009. (Membership No. 2041), with effect from 4th October 1991, at his own request and (2) Shri R. Krishnaswamy, BCOM, ACA, ACMA, AICWA, 6311B, Enevold Drive, Camrose, T4V3K1, Alberta, Canada, (Membership No. 7520), with effect from 6th November 1991, at his own request.

S. R. ACHARYYA
Secretary

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 1st January 1992

No. A-12(11)-1/91(Ay.)-DM(HQ).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 97 read with sub-section (2A) of the same Section and sub-section (3) of Section 17 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in partial amendment to the Employees' State Insurance Corporation (Ayurvedic Posts) Recruitment Regulations, 1979, except in respect of things done or omitted to be done before such amendment, the Corporation hereby makes the following regulations regulating the method of recruitment to the posts of Ayurvedic Physician :—

1. Short title and commencement :—

These Regulations may be called the ESI Corporation (Ayurvedic Posts) Recruitment (Amendment) Regulations, 1991.

They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application :—

These regulations shall apply for recruitment to the posts of Ayurvedic Physician specified in the Schedule annexed to these regulations, substituting corresponding schedule annexed to the aforesaid Regulations, 1979.

3. Number, classification and scale of pay :—

The number of the said posts, their classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said schedule.

4. Method of recruitment, age limit, qualifications etc :—

The method of recruitment to the said posts, age limit, qualifications and other matters connected therewith, shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

5. Composition of Selection Board, procedure and manner of Selection :—

The composition of Selection Board for direct recruitment to the said posts and procedure and manner of selection shall be as provided for in Regulation 4 of Employees' State Insurance Corporation (Medical Posts) Recruitment Regulations, 1990.

6. Disqualifications : No person,—

- (a) Who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person; shall be eligible for appointment to the said posts :

Provided that the Director General of the Corporation may,

if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this regulation.

7. Power to relax :

Where the Director General of Corporation is of the opinion that it is necessary or expedient to do so, she may, by order, for reasons to be recorded in writing and after obtaining specific prior approval of the Chairman, Employees' State Insurance Corporation relax any of the provisions of this Regulation with respect to any class or category of persons.

8. Savings :

Nothing in these regulations shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-Servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification
1.	2.	3.
Ayurvedic Physician	8*	Group 'A' Non-Ministerial
*Subject to variation.		
Scale of pay	Whether Selection post of Non-Selection post.	
4.	5.	
Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000 plus non-practising allowance and other allowances as admissible to analogous posts in the Central Health Service.	Not Applicable.	
Age limit for direct recruits.	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972.	
6.	7.	
Not exceeding 35 years. (Relaxable for employees of E.S.I. Corporation and Govt. servants upto 5 years.). Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications.	Not Applicable.	

Educational and other qualification required for direct recruits.	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.
---	--

8.

9.

Essential;

- (i) A degree in Ayurveda of a recognised University/Statutory State Board/Council/ aculty to Indian Medicine or equivalent recognised under Central Council of Indian Medicine.
- (ii) Enrolment of the Central of State Register of Indian Medicine.

Not Applicable

Note 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Appointing Authority on the recommendations of the Selection Board in case of candidates otherwise well-qualified.

Note 2. The Qualification(s) regarding experience is relaxable in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes based on the guidelines issued by the Govt. of India from time to time.

Period of Probation, if any.	Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods.
------------------------------	---

10.

11.

Two Years. By direct recruitment:

Note: The suitability of the regular holder of the post of Ayurvedic Physician in the pre-revised scale of Rs. 650-1200 prior to upgradation of this post in the Scale of Rs. 2200-4000 (Revised) will be initially assessed by the Selection Board for appointment to the upgraded post. If assessed suitable he shall be deemed to have been appointed to the post at the initial constitution. If assessed not suitable for appointment to the upgraded scale of pay he shall continue to be in the scale of Rs. 2000-3500 and his case would be reviewed every year.

In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If Departmental Promotion Committee exists, what is its composition.
---	--

12.

13.

Not Applicable.

Group 'A' Departmental Promotion Committee for consideration confirmation:

1. Medical Commissioner, E.S.I.C.—Chairman.
2. Director (Medical) Hqrs. E.S.I.C.—Member
3. Director (Administration) E.S.I.C.—Member.

SMT. KUSUM PRASAD
Director General

New Delhi, the 8th January 1992

CORRIGENDUM

No. V-33(13)-17/86-Estt.IV.—In the notification No. V-33(13)-17/86-Estt.IV dated 3-10-91 published in part III Section 4 of the Gazette of India at page 3602-3603 (English), the Sub heading above the list of members at Sl. No. 11 of the said notification may be read as under :—

	for	Read
Sub heading at Sl. No. 11	Employers' additional representative	Employees' additional representative
	I.R. AMARNANI, Administrative Officer	

OFFICE OF THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

New Delhi-1, the 27th July 1990

F.P. 2(13)82/2639.—Whereas Tamil Arasu Press, Madras-2 had applied for exemption from Employees' Family Pension Scheme, 1971 under Section 17(1-C) of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952).

And whereas, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner am satisfied that the benefits in the nature of Family Pension under the Government of Tamil Nadu Pension Rules applicable to the employees of the said establishment from 1-1-1988 are not less favourable than the benefits provided under the said Act, and the Employees' Family Pension Scheme, 1971.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-Section (1-C) of Section 17 of the said Act, and subject to the conditions specified hereunder, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, hereby exempt the said establishment from the operation of all provisions of the Employees' Family Pension Scheme, 1971 with retrospective effect from 1-1-1988 to 31-12-91.

CONDITIONS :

1. Notwithstanding anything contained in the Pension Rule Family Pension Scheme of the establishments if the amount of pension payable in respect of any member upon his death is less than the amount of family pension payable if he was a member of the Employees' Family Pension Scheme, 1971 the Employer shall sanction the family pension which is admissible under the Employees' Family Pension Scheme, 1971.

2. The employer shall maintain such accounts, submit such returns and provide for such facility for inspection as the Central P.F. Commissioner may from time to time direct.

3. All expenses involved in the administration of Family Pension Scheme of the said establishment including maintenance of accounts, submission of accounts and returns, transfer of accounts, shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the notice board of the establishment a copy of the rules incorporating therein all amendments, if any of the Pension Rules/Family Pension Scheme of the said establishment as approved by Central P.F. Commissioner, alongwith a translation of the salient features thereof in language understood by the majority of the employees.

5. No amendment of the Pension Rules/Family Pension Scheme of the establishments adversely affecting the interests of the employees shall be made without the prior approval of the Central Provident Fund Commissioner. The Central Provident Fund Commissioner will, before giving therein approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

The 2nd January 1992

No. CPFC.2(4)/AP(254)/91.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees'

Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments namely :—

S. No.	Code No.	Name & address of the Estt.	Date of coverage
1	2	3	4
1.	AP/20111	M/s. Lunani Ramgopal Chit Funds pvt. Ltd., No. 34-5-26, Rajaji Street, Kakinada-533001, East Godavari Distt. S.V.	1-11-90
2.	AP/20165	M/s. Packaging (P) Ltd., Navabharat Nagar Bommur-533127, Rajahmundry, AP including its factory at Dowlaiswaram E.G. Distt.	1-10-90
3.	AP/20166	M/s. Coromondal Club, Anaparthi, East Godavari Distt. A.P.	1-12-90
4.	AP/20164	M/s. Shree Ceramics, Industrial Estate Post Office, Dowlaiswaram-533124, Rajahmundry E.G. Distt. AP.	1-10-90
5.	AP/17979	M/s. N.G.R.I. Departmental Canteen, Uppal Road, Hyderabad-500007 AP.	1-9-90
6.	AP/19342	M/s. Prathibha Residential College, Kurnool Road, Ongole Prakasham Distt.	1-11-90
7.	AP/19353	Sri Lakshmi Traders, Fellampalli-523214, Prakasham Distt. AP.	1-7-90
8.	AP/19397	M/s. Ramanjaneya Oil Producers, Ramnagar Addanki-523201, Prakashan Distt.	1-1-91
9.	AP/19395	M/s. Nagarjana Dal Producers, Ramnagar, Addanki-523201, Prakashan Distt.	1-2-1991
10.	AP/19396	M/s. Sri Chirala Residential College, Vivekananda Nagar, Perala(PO)-523157, Chirala.	1-1-1991
11.	AP/19393	M/s. Sanghamitra Service Society Krishna Nagar, Vijayawada-7 including its branches at Chandralapadu, Krishna & Kunchil-kacherla, Krishna.	1-7-1990
12.	AP/20063	M/s. Sri Geetha Bhawan Udipl Hotel, Mukarampura, Karimnagar-505002, AP.	1-8-1989
13.	AP/20795	M/s. The Farmers Service Co-operative Society Ltd., Palmakole Shamshabad Mandal, Ranga Reddy Distt. A.P.	1-8-1990
14.	AP/19380	M/s. Sri Nagabhairava Educational Academy, Gullapalli-523211 Prakashan Distt. AP.	1-12-1990
15.	AP/19379	M/s. The Chirala Mahila Consumers Co-operative Stores (Mahila Super Bazar) Ltd., Chirala, Prakasham Distt.	1-1-1991
16.	AP/18696	M/s. The Kurnool District Scheduled Castes Service Co-operative Society Ltd., Kurnool (AP).	1-6-1989
17.	AP/20170	M/s. Sujity Tankers Pvt. Ltd., 2, Ocean View Layout, Beach Road, Visakhapatnam-3.	1-11-1990
18.	AP/20178	M/s. Sahas Enterprises, Harbour Road, Visakhapatnam-1.	1-10-1990
19.	AP/20169	M/s. Sri Srinivasa Engineering Works, Plot No. 13, Fishing Harbour, Visakhapatnam-3.	1-10-1990

1	2	3	4
20.	AP/20158	M/s. Jay Kay Engineers (P) Ltd., Salepuvanipalle, Anakapalle, A.P.	1-1-1991
21.	AP/20188	M/s. Satyaro Associates, D. No. 40-5-7, Tikkanipalem, Kancharapalem, Visakhapatnam-8.	1-4-1990
22.	AP/20186	M/s. G. Viswanadh, Contractor, 9-41-28, Netaji Nagar, Pithapuram Colony, Visakhapatnam-3.	1-1-1991

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Provident Fund Commissioner hereby applies the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

No. CPFC.1(4)/GJ(255)/91.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments namely :—

S. No.	Code No.	Name & address of the Estt.	Date of coverage
1	2	3	4
1.	GJ/20116	M/s. Industrial Security Crime Investigation, Opp. Bus Stand, Halol, Distt. Panchmahal.	1-8-1990
2.	GJ/9946	M/s. Web Films (India) Ltd., A-2-3448, G.I.D.C. Ankleshwar.	30-6-1984
3.	GJ/15284	M/s. B.R.S.A. Associates, 16/C, Radhakrishna Society, Refinery Road, Gorwa, Baroda.	1-5-1986
4.	GJ/20266	M/s. Superman Power Services (Industrial), Delight Chambers, 2nd Floor, Sant Kabir Road, Gandhi Gate, Baroda.	1-11-1990
5.	GJ/20267	M/s. Eskay Construction, 16, Rambhai Mansion, 3rd Floor, Opp. Suraj Plaza, Sayaji Gunj, Baroda.	1-11-1990
6.	GJ/20271	M/s. Quantum Engineers, 32, Mihir Park, Old Padra Road, Baroda-20.	31-12-1990
7.	GJ/17682	M/s. The Haja Patel Pole's Consumers Co-operative Stores Ltd., 816, Kalupur, Tankshal, Ahmedabad-380001 including its two Departments in Ahmedabad.	1-9-1989
8.	GJ/16915	M/s. Ahmedabad Mahila Nagrik Sahakari Bank Ltd., M/4, 77, Shastri Nagar, Shopping Centre, Ahmedabad-380013 including its Branches at Gandhi Nagar & Ahmedabad.	1-6-1990
9.	GJ/20104	M/s. Advanced Lab Systems, 110, Narmada Apartments, Navrang Cinema Compound, Raopura, Baroda-390001.	30-6-1990
10.	GJ/20143	M/s. Vadodara Stock Exchange Ltd., Paradise Complex, Tilak Road Sayaji Gunj, Baroda.	31-8-1990
11.	GJ/20255	M/s. Vigilance & Security Services (P) Ltd., Opp. Ranchhodji Mandir, Bethak Falla, Godhara-3890001.	1-10-1990

1	2	3	4
12.	GJ/20258	M/s. Jai Ambe Security Services B/17/163, GIDC Colony, Makarpura Baroda-10 including its branch office at Sayaji Gunj, Baroda.	1-11-1990
13.	GJ-20013	M/s. Om Shri Maruti Engineering & Construction, 39, Hari Lok Seva Mandal Society, Near Bajhwa Railway Station, P.O. Bajwa, Baroda. (Gujarat).	28-2-1990
14.	GJ/20191	M/s. Baroda Blue Security Services, 192, Gorva Housing Board, "Anand Nagar" Gorva, Baroda-16.	31-8-1990
15.	GJ/15921	M/s. Shemy Engineering Company, 36/A, Gandhi Oil Mill Compound, Industrial Area, Gorva Road, Baroda-390016, Gujarat.	1-9-1986
16.	GJ/14996	M/s. Magcobar Construction, 20/118, Ellora Park, Subhanpura, Baroda.	1-10-1985

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Provident Fund Commissioner hereby applies the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

No. CPFC.1(4)/KN/(284)/91.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments namely :—

S. No.	Code No.	Name & Address of the Estt.	Date of coverage
1	2	3	4
1.	KN/13232	M/s. Sushruth Electronics (P) C-5, Industrial Estate, Udayambagh, Belgaum including its branch at Bombay.	1-4-1989
2.	KN/13906	M/s. Karnataka Institute of Applied Agricultural Research, Samcerwadi, Bijapur District.	1-5-1988
3.	KN/13774	M/s. Davanagere Town Primary Consumers Co-op. Stores Ltd., Chamarajpat, Davangere.	1-4-1990
4.	KN-13546	M/s. Bharatha Service Corporation, 13/2, Atmananda Colony, 3rd Main, Sultanpalya, Bangalore-32.	1-2-1989
5.	KN/13746	M/s. Vekatagiri Kotehallu Uppadakara Sahakara Sangah Niya-mitha, Venkatagirikote, Devanahalli Taluk, Bangalore.	1-4-1990
6.	KN/11537	M/s. Avadh Electricals, 16, 3rd Main Road, Society Colony, Adugodi, Bangalore-27.	1-2-1988
7.	KN/11993	M/s. V.S.S.S.N. No.II Kamalapur, Hospet Bellary District.	1-11-1988
8.	KN/13469	Ms. The Harugeri L.S. M.P. Co-op. Society Ltd., Harugeri Raibag Taluk, Dist. Belgaum.	1-11-1989

1	2	3	4
9.	KN/13469	M/s. Pu na Packaging (P) Ltd., 77/A, Koramangala Industrial Lay-out Bangalore-34, including its R.g.d. Office at Bangalore-27.	1-6-1990
10.	KN/13489	M/s. Security and Detective Agency, 151, IV Main Defence Colony, Indiranagar, Bangalore-560038 including its office at Bangalore-32.	1-9-1989
11.	KN/13008	M/s. Kalidasa Co-op. Bank Ltd. Karnataka Pradesh Kurubaja Sangha Building Ghandinagar, Bangalore-9.	31-5-1984
12.	KN/13624	M/s. The People's Choice, 15, Narayanappa Block, R.T. Nagar, Bangalore-560032.	1-9-1989
13.	KN/14153	M/s. Vinayaka Credit Co-operative Society Ltd., 46/2, I floor, II Main Road, Palace Guttahalli, Bangalore-3.	1-1-1991
14.	KN/13993	M/s. Shabana Co. 32/2, Challaswamy Nilaya, 4th Cross, Hosamane Extension, Shimoga.	1-1-1990

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 4 of Section 1 of the Said Act, the Central Provident Fund Commissioner hereby applies the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

No. CPFC.1(4)/MH(285/91.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments namely :—

S. No.	Code No.	Name & address of the estt.	Date of coverage
1.	Goa/29160	M/s. Vijay Sahakari Path Sansha Ltd., Ward No. 10, H. No. 26-A, Ichalkaranji, Kolhapur.	1-7-1984
2.	Goa/29193	M/s. Pawan Auto Parts, W-70, MIDC, Shinoli, Kolhapur-416122.	1-8-1989
3.	Goa/29202	M/s. Kandgaon Vividh Karyakari Sahakari (Vikas) Sava Sanstha, Maryadi, Kandgaon Tal. Kasvir, Distt. Kolhapur.	1-1-1990
4.	Goa/29162	M/s. Miraj Group Vividh Karyakari Sahakari (Vikas) Sava Sanstha Ltd., Sub-market Yard, Miraj-416410.	1-4-1989
5.	MH/35278	M/s. Master Marine Services, 22-D-S. A, Brelvi Road, Fort, Bombay-400001.	1-1-1989
6.	MH/35512	M/s. Upkeepers, T-2, Ist Manzanine Floor, M.V.T.R.D., World Trade Centre Colaba, Bombay-400005.	1-4-1989
7.	MH/35166	M/s. Kydrat Investment & Leasing (I) Ltd., 507, Embassy Centre 207, Nariman Point, Bombay-400021.	18-1-1988
8.	Goa/29194	M/s. Satara Steels, B-1, M.I.D.C. Area, Satara-415004 including its office at Bombay.	1-12-1989

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Provident Fund Commissioner hereby applies the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

The 9th January 1992

No. P.IV/1(8)/91/A.—In exercise of the powers conferred by sub-section 7(a) of section 5(D) of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Board hereby makes the following regulations further to amend the Employees' Provident Fund (Staff and Conditions of Service) Regulations, 1962, namely :—

1. (1) These regulations may be called Employees' Provident Fund (Staff and Conditions of Service) (Amendment) Regulations, 1991.

2. (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the third Schedule to the Employees' Provident Fund (Staff and Conditions of Service) Regulations, 1962 against serial No. 9 for the existing entries against 35% quota relating to Lower Division Clerks at Serial No. 9 shall be substituted, namely :

"Promotion of Group 'C' employees whose scale of pay is equivalent or lower than that of Lower Division Clerks and Group 'D' employees serving in the respective offices on the result of the qualifying examination restricted to Group 'C' employees whose scale of pay is equivalent or lower than that of Lower Division Clerks Group 'D' employees who possess the minimum educational qualification of matriculation or equivalent.

Provided no Group 'C' employee whose scale of pay is equivalent or lower than that of Lower Division Clerks or Group 'D' employees promoted against 35% quota shall either be sanctioned increment or confirmed in the grade of Lower Division Clerks until he passes a prescribed typewriting test in English or Hindi at a minimum speed of 30 words per minute in English or 25 words in Hindi per minute.

Provided further that if any or all of the vacancies falling in the promotion quota of 35% referred to under column (3) can not be filled in an office in a year because of want of sufficient number of successful candidates, such vacancy or vacancies, as the case may be, shall be filled by direct recruitment as in the case of residual 65% vacancies.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

and

Secretary, Central Board of Trustees
Employees' Provident Fund

Foot Note

Original regulations published in the Gazette of India, Part-II Section 3(i) dated the 19th May, 1962 Vide G.S.R. No. 691.

Regulations Amended vide :—

1. G.S.R. No. 1483 dated 5th September, 1963 published on 14-9-63.

2. G. S. R. No. 592 dated 31-3-64 published on 11-4-64.

3. G.S.R. No. 896 dated the 2nd June, 1966.

4. G.S.R. No. 1824 dated 22nd November, 1966.

5. G.S.R. No. 127 dated the 17th January, 1967.

6. G.S.R. No. 127 dated the 28th January, 1967.

7. G.S.R. No. 787 dated the 16th May, 1970.

8. G.S.R. No. 1155 dated the 7th August, 1971.

9. G.S.R. No. 1602 dated the 30th October, 1971.

10. G.S.R. No. 149 dated the 7th January, 1972.
11. G.S.R. No. 88 dated the 8-1-1972.
12. G.S.R. No. 533 dated the 26-5-1973.
13. G.S.R. No. 547 dated the 26-5-1973.
14. G.S.R. No. 591 dated the 2-5-1973.
15. G.S.R. No. 645 dated the 16-6-1973
16. Government's notification No. 19(30)/69-PF.I dated 17-6-75.
17. Notification No. A.12018/74-PF.I dated the 25-8-76.
18. G.S.R. No. 645 dated the 16-6-1977.
19. G.S.R. No. Nil dated the 28-10-78.
20. Notification No. Adm.(R.II)/14/(7)/80/35813 dated 23-12-1980.
21. G.S.R. No. Nil dated the 7th November, 1981 published in the Part-III, Section-4 in the Gazette of India.
22. Notification No. P. III/Adm.R. II/14 (1)/81/79169 dated the 12-11-1984 published in the Gazette of India, Part-III, Section-4 on 1-12-1984.
23. Notification No. P. III/Adm. R. II/16 (63)/79/AP dated the 14-12-1984 Published in the Gazette of India, Part-III, Section-4 on 29-12-1984.
24. Notification No. P.IV/2(9)/83/Asstt./HC/15898 dated the 1-8-86, published on 16-8-86 in the Gazette of India, Part-III, Section-4.
25. Notification No. P.IV/1(13)/84/A/20753 dated 22-8-86 published on 6-9-86 in the Gazette of India, Part-III, Section-4.
26. Notification No. P.IV/2(4)/83/RR dated 31-10-86, published on 15-11-86 in the Gazette of India, Part-II, Section-4.
27. Notification No. P.IV/1(4)/86 dated 7-5-87 published in the Gazette of India, Part-III, Section-4 on 23-8-87.
28. Notification No. P.IV/1(14)/84/A dated 18-5-87 published in the Gazette of India, Part-III, Section-4 on 30-5-87.
29. Notification No. P.IV/14(1)/81/Pt. dated 12-7-88 published in the Gazette of India, Part-III, Section-4 on 23-7-88.
30. Notification No. P.IV/3(62)/85 dated 26-10-88 published in the Gazette of India, Part-III, Section-4 on 12-11-88.
31. Notification No. P.IV/1(5)/89 dated 16-11-89 published in the Gazette of India, Part-III, Section-4 on 9-12-89.
32. Notification No. P.IV/14(1)/81/Vol.II dated 20-11-89 published in the Gazette of India, Part-III, Section-4 on 09-12-89.
33. Notification No. P.IV/1(9)/89 dated 7-5-90 published in the Gazette of India, Part-III, Section-4 on 16-6-90.
34. Notification No. P.IV(6)/89 dated 15-5-90 published in the Gazette of India, Part-III, Section-4 on 2-6-90.

UNIT TRUST OF INDIA

Bombay, the 20th December, 1991

CORRIGENDUM

No. UT/DBDM/SPD-141/145/159-323A-91-92—The following corrections in our notification No.UT/DPD/A-2/4/6/SPD-141/145-159/90-91 dated 5th July 1991 published on page No. 2476 in the Gazette of India Part III Section 4 dated July 20, 1991, Monthly Income Unit Scheme with Yearly Bonus and Growth

S. No.	Page No.	Col. No.	Clause/ Sub-Clause	Corrections
1	2	3	4	5
	MISG 90			
1	2476	1	In the third line the Ref No. "UT/DPD/A 2/SPD 141/90-91 should be replaced by "UT/DPD/A-2/SPD 141/1990-91"	Ref

1	2	3	4	5
2	2476	1	Under the caption "Annexure" in the fourth line the word "respectively" should be deleted.	
	MISG 90(II)			
3	2476	1	In the 7th para, Ref. No. "UT/DPD/A4/SPD 145/90-91" should be replaced by "UT/DPD/A-4/SPD 145/1990-91"	
4	2476	1	In the 7th para, in the sixth line the word "elbow" should be replaced by "below"	
5	2476	2	In the second line the word "respectively" should be deleted.	
	MISG 9			
6	2476	2	In the third para, Ref. No. UT/DPD/A 6/SPD 159/90-91 should be replaced by "UT/DPD/A 6/SPD/1990-91.	
7	2476	2	In the fifth para, in the third line the word "MISG 90" should be replaced by "MISG 91"	
8	2476	2	In the fifth para in the fourth line the word "respectively" should be deleted.	

A.H. THAKUR
General Manager (DBD&M)

OFFICE OF THE ADMINISTRATOR PUNJAB WAKF BOARD

Amballa Cantt., the December 1991

No. Wakf/42(4)/91.—In supersession of the powers delegated to Shri Syed Shahid Ali, Assistant Accounts Officer, Punjab Wakf Board, Ambala Cantt, notified in the Gazette of India, Part III Section 4, dated the July 12, 1991 at page 2579 vide this office order No. Wakf/42(3)/91/3648 dated 19-6-91, I. S. Y. Quraishi, IAS, Administrator, Punjab Wakf Board, Ambala Cantt delegate all the said powers to Shri Abdul Sattar, Administrative Officer, Punjab Wakf Board, Ambala Cantt. with effect from 16-12-91.

S. Y. QURAISHI, IAS
Administrator

PANJAB UNIVERSITY, CHANDIGARH

No. 1-91/G.R.—The Central Government (Ministry of Human Resource Development, Department of Education) have accorded approval vide their letter No. F.23-7/91-U.I. dated 3-12-191 to the following Regulations :

1. Regulation 1.1 of Chapter II(A) (iv) 'Academic Council' at page 49 of the Calendar, Volume I, 1989. (Addition of regulations).

1.1 (f) Dean, College Development Council-Ex-Officio.

2. Regulation 25 of Chapter II(B) 'Election of Ordinary Fellows' at page 87 of the Calendar, Volume I, 1986.

25. Every proposal of a candidate for election by a Faculty or Faculties shall be made by a member of the Faculty or the Faculties concerned, supported by another member of the Faculty or the Faculties concerned and forwarded to the Registrar, by name, under Registered Cover, or delivered to him personally during office hours, on a working day, against a receipt in writing, so as to reach him not later than the hour specified in the notice issued under Regulation 24. The candidate proposed shall sign his proposal form in token of his consent to stand for election.

3. Amendment/Addition of Regulations 15.1 and 15.2 at pages 147-148, relating to 'Conditions of Service of University Employees' Chapter VI(A) of P.U. Calendar, Volume I, 1989.

15.1 In the event of death of any employee while in service the gratuity from 1-1-1986 shall be admissible at the rate as prescribed by the Punjab Government from time to time for its own employees who pass away while in service.

*15.2 The service rendered in the Punjab Government or any other University/affiliated college having jurisdiction in the Punjab State as also the Chandigarh (UT) Administration including the Punjab School Education Board, prior to joining the University shall also be counted for computation of qualifying service for determining gratuity at the time of retirement (including voluntary retirement) from the post held, subject to the following conditions :—

(i) That the employee had joined the service of the University through proper channel, after resignation from the post held by him/her in the previous organisation and there was no interruption in service as a result thereof (normal joining time in joining from one post to another shall not be treated as interruption of service for this purpose).

(ii) The terminal benefits, like gratuity (if any) along with interest at the prescribed rate as applicable to loans from the current account, received by the employee for the previous service rendered, shall be adjusted in full, in determining the quantum of gratuity with reference to the total length of qualifying service, i.e. including service rendered in the previous University/affiliated college/School Board/Punjab Government.

*To take effect from 1-1-1986.

4.Regulation 11A PART (I) of Chapter VI (B) relating to 'Leave to Teachers of the University' at pages 151-153 of P.U. Calendar, Volume I, 1989 (effective from the years 1989-90 i.e. academic year beginning on 1st July, and ending on 30th June of the following year).

11(A)(c) Provided that in the case of women teachers, they shall be eligible for 20 days Casual Leave every year, irrespective of the number of years of service rendered in the University.

Provided further that—

5. Addition of Regulation 19 in Chapter III relating to 'General Regulations for Examinations—Admission to Examinations' (effective from the admissions of 1989 & 1990) at page 23 of the Calendar, Volume II, 1988.

(Effective from the admissions of 1990).

19. If a candidate has passed any additional subject at the graduate level (subsequent to his passing B.A./B.Sc. examination) from this University, the marks obtained by him in that subject may be counted towards determining his eligibility and merit for admission to M.A. in the same subject in which he has passed in the additional subject/s, in the University affiliated colleges. The merit shall be calculated by substituting the marks obtained by him in that additional subject, in place of one of the elective subjects passed by him earlier (other than English) at his option.

6. Regulation 3.1 for "Academical Costume" (Chapter VI) at pages 33-34 of the Calendar, Volume II, 1988.

(Deletion and addition of Regulation).

17. Bachelor of Textiles	Black with light yellow lining	17. Bachelor of Arts	Black with yellow lining
XXX	XXX	XXX	XXX

7. Regulation 6.1 and 6.2 relating to 'Conduct of Examinations' at page 39 of the Calendar, Volume II, 1988.

6.1 The Vice-Chancellor, after he is satisfied that the answerbook of a candidate has been lost after having been handed in to the Superintendent of the examination may :—

(a) permit the candidate to reappear in the paper lost on a date and time to be fixed by the Controller of Examinations or award him average marks obtained by him in the remaining papers, subject to a maximum of 60% marks in the subject.

OR

(b) award him marks in the paper lost equal to the marks obtained by the candidate in the other paper, subject to a maximum of 60% marks in that paper in case the candidate has appeared in one subject having two papers A & B.

OR

(c) award him the average marks of the remaining subjects/papers which he has already cleared, subject to a maximum of pass marks in case he has appeared in one subject having one paper to clear compartment.

OR

(d) award him marks in the paper lost, equal to the marks obtained by the candidate in the other paper, subject to a maximum of pass marks in case the candidate appeared in one subject having two papers A & B to clear the compartment.

OR

(e) in case of loss of answer book of a candidate appearing in additional subject, he will be permitted to reappear in that paper on a date and time to be fixed by the Controller of Examinations.

6.2 If there is a dispute as to whether a candidate's paper was duly handed in or not, the decision of the Vice-Chancellor, to whom the Controller of Examinations shall report his findings, shall be final.

8. Regulation 16.4 for B.A./B.Sc. examinations at page 77 of the Calendar, Volume II, 1988.

16.4 A candidate who has passed the B.A. or B.Sc. Examination from this University may appear at any subsequent B.A. or B.Sc. examination in any one or more subjects prescribed for the examination except the subjects in which he has already passed the examination.

9. Regulation 2 for B.Sc. (Honours School) in Anthropology, Biochemistry, Bio-Physics, Botany, Chemistry, Geology, Mathematics, Microbiology, Physics, Statistics, and Zoology, examinations at page 89 of P.U. Cal. Vol. II, 1988.

Provided that for admission to B.Sc. Hons. School in Statistics, a candidate shall be required to have passed B.A. Part I examination with Mathematics.

10. Regulation 3.1 (ii)(a) for Master of Arts examination at page 107 of P.U. Calendar, Volume II, 1988.

(a) the B.A. (Pass)/B.Sc. (Pass)/B.Sc. (Home Science)/B.Com./B.Sc. (Aeri.) LL.B./B.Sc. (Engg.)/B.Sc. (Chem. Engg.)/B.Sc. (Dairying) M.B.B.S./B.D.S./B. Pharm./B. Sc. Nursing/B.T./B.Fd./B.Arch./Bachelor of Physical Education/Bachelor of Library Science/Bachelor of Mass Communication/Bachelor of Fine Arts.

11. Regulation 2(a) for Master of Science (Semester System) Examination at page 151 of P.U. Calendar, Vol. II, 1988.

Physics

(a) (i) B.Sc. examination of the Panjab University securing at least 50% marks, with Physics, Mathematics and any one of the following subjects for M.Sc. Physics:—

Bio-Chemistry, Botany, Chemistry, Computer-Science, Bio-Physics, Geology, Statistics, Zoology, Electronics and Life Sciences, as decided by the Board of Post-graduate Studies.

Chemistry

(ii) B.Sc. examination securing at least 50% marks in the aggregate with non-medical group (i.e. Physics, Chemistry and Mathematics) or Medical group (i.e. Chemistry, Botany and Zoology).

Provided that B.Sc. (Non-Medical group) shall study Biology and those with B.Sc. (Medical Group) shall study Mathematics and Physics during the first two semesters in M.Sc. Chemistry.

12. Regulation 2(b) for Diploma in Forensic Science and Criminology at page 174 of P.U. Cal., Vol. II, 1988.

(b) A Bachelor's degree in any other Faculty of the Panjab University provided that he has passed +2 examination under 10+2 system of education with Science or an equivalent examination.

13. Regulations 1.1, 1.2, 2.1, 3.1, 3.4, 4.1, 4.2, 5.1, 7.1, 9, 10, 11.2, 11.3, 12, 13.1, 14, 15, 16 and 17.6 for Ph. D. Degree in the Faculties of Arts, Languages, Education, Science and Design & Fine Arts at pages 187-195 of P.U. Calendar, Volume II, 1984 (now pages 196-204, 1988 edition).

1.2 (b) Teachers/Headmasters/Principals working in recognised High/Higher Secondary Schools falling within the jurisdiction of this University;

* (b) No change.

(c) research students enrolled in a Teaching Department of the University/Home Science College; concerned.

*This will not apply to persons enrolling for Ph.D. in Home Science.

OR

2.1 (iv) A Post-graduate Department of a Home Science College, affiliated to the University.

3.1 A person who wishes to be accepted as a candidate for Ph.D. research, shall, before starting research work, apply through the Head of the University Department concerned/Principal, Home Science College concerned on the prescribed form of enrolment with a fee of Rs. 50 which shall not be refundable except when a candidate was found ineligible for enrolment in which case the fee may be refunded after deducting 25 per cent of it.

3.4 Within one year of the date of enrolment the candidate shall apply through the Chairman/Head of the University Department concerned/Principal, Home Science College concerned for registration. Extension up to 6 months may be granted by the Dean of University Instruction on the recommendation of the Chairman/Head of the University Department concerned/Principal, Home Science College concerned. If a candidate fails to submit the tentative title of thesis within a period of one and a half years, the Chairman/Head of the Department/Principal, Home Science College, may give specific reasons for consideration of the Joint Research Board which may grant further extension for the period considered necessary.

3.4 (b) If the candidate does not give the title of the thesis in his registration application form or wants to defer the submission of the tentative design of research work, he will have to get the title of the thesis and/or the design of his research project approved by the Joint Research Board at a later date. But in either case the candidate must submit the registration form within the required period of one year from

the date of his enrolment in the Department/Home Science College.

4.1 Before forwarding the application required in Regulation 3.4., Head of the Department/Principal Home Science College will satisfy himself after proper scrutiny and test, including viva voce, that the candidate has adequate competence for work in his field of study. The Head of the Department/Principal, Home Science College shall satisfy himself that the subject offered is one which can be pursued with profit.

4.2 While forwarding the application, Head of the Deptt./Principal, Home Science College shall also recommend a suitable supervisor to guide the applicant in his research work. He may, if he considers necessary, recommend joint supervisors.

5.1 (a) All applications for registration as well as approval of the title, etc. (Reg. 3.4) after scrutiny by the Registrar's Office, shall be forwarded for consideration of Research Degree Committee concerned which, in each subject (except Home Science) shall consist of—

5.1 (a) All applications for registration as well as approval of the title, etc. (Reg. 3.4) after scrutiny by the Registrar's Office, shall be rewarded for consideration of Research Degree Committee in Home Science which shall consist of—

- (i) Dean of Faculty;
- (ii) Principal, Home Science College;
- (iii) Convener of Board of Studies in Home Science;
- (iv) Two Readers from allied Departments of this University or of another University to be nominated by the Vice-Chancellor from a panel recommended jointly by the Principal, Home Sciences, Science College concerned and the Dean of University Instruction;
- (v) Two lecturers in the subject of Home Science by rotation according to seniority to be nominated by the Vice-Chancellor;
- (vi) A Professor of an allied subject appointed by the Vice-Chancellor.

Provided that the Members under (iv), (v) and (vi) shall possess Ph.D. Degree in the concerned/or related subject or have experience of guiding research at the doctoral level. However, in exceptions cases, the Vice-Chancellor/Syndicate may waive this condition for reasons to be recorded.

7.1 (v) Five senior faculty members of the Departments in the Faculties of Arts, Languages, Education, Science and Design & Fine Arts, and Home Science College's to be nominated by the Vice-Chancellor.

(vi) Principal, Home Science College/s.

9. A candidate may apply to the Joint Research Board through the Head of the Department/Principal Home Science College concerned and Research Degree Committee for permission to modify the title of his thesis.

10. The Head of the University Department/Principal Home Science College, in association with the supervisor concerned shall test every candidate on the expiry of one year from the date of enrolment, in order to determine whether the candidate should be allowed to continue his research work. If a candidate is found unfit, his enrolment shall be cancelled.

11.2 (b) Reports of supervisors in all cases shall be submitted through the Head of the Department/Principal Home Science, College to the Joint Research Board for information and any action that the Board may consider necessary.

1.3 In the event of a difference arising between a candidate and the Supervisor, the matter shall, in the first instance, be referred to the Head of the Department/Principal Home Science College. If, however, the Head of the Department/Principal, Home Science College, is unable to settle it, the matter shall be referred to the Dean of University Instruction. If the supervisor happens to be the Head of a Department/Principal, Home Science, College, the matter shall be referred to the Dean of University Instruction directly.

12. After the expiry of one year's research work at the University/Home Science College, a candidate may be allowed by the Head of the Department/Principal, Home Science College to continue his research work at some other approved centre—

(a) facilities for further work do not exist at the University/Home Science College.

OR

(b) the Head of the Department/Principal, Home Science College is satisfied that it would be in the interest of the candidate to do further research work at such a centre.

13.1 A candidate who is unable to complete his research work and thesis within the time allowed by these Regulations, may apply through his supervisor and Head of the Department concerned/Principal, Home Science College for grant of extension.

14. If the supervisor of a candidate who has been doing research work for the Ph.D. degree of another University is employed on the staff of the Panjab University/Home Science College the candidate doing research work under his supervision may be allowed to enrol himself as a candidate for the Ph.D. degree of this University under the same supervisor, subject to fulfilment of these Regulations. Such a candidate shall not submit his thesis until after one year of enrolment in this University.

15. (c) (i) In the case of a candidate for Faculty of Science the need for the knowledge of foreign languages as partial requirement for Ph.D. thesis shall be determined by the Board of Control of the Department concerned/Board of Studies in Home Science.

(b) Edited texts of Calendars of unpublished manuscript, critical editions from original manuscripts of old texts, records or documents of Catalogues Raisonne of collections of Art when accompanied by adequate introductions and critical apparatus, shall be given the same recognition as original dissertation on Arts or Science subjects and for the award of Doctorate degree it shall be regarded as equally worth consideration.

(c) The candidate shall declare in writing, duly countersigned by his Supervisor and Head of the Department/Principal, Home Science College that the thesis is not substantially the same as the one he may have already submitted to another University.

16. Every candidate shall give an undertaking that he will not publish his thesis without the previous permission of the Syndicate. If this permission is granted, the candidate shall supply to the Controller of Examinations three copies of published thesis; one copy to be placed in the University Department concerned/Home Science College concerned and two copies in the University Library. The candidate will also furnish the University with copies of reviews of his publication which, along with the book, shall be brought to the notice of the Syndicate.

*Permission is not necessary, if only parts of the thesis are to be published in scholarly journals.

17.6 Except in the case of a thesis which is rejected, viva-voce shall be held in accordance with the rules prescribed in this behalf by the Syndicate, before a final decision is given on the thesis. The examiners may send, if they so desire, alongwith their reports, questions for use by the Board conducting the oral examination. Such a Board shall consist of three examiners appointed by the Vice-Chancellor of which the Head of the University Department concerned/Principal Home Science College concerned and the supervisor of the thesis shall be members. If two out of three members of the Board are present the viva-voce will be conducted provided that one of them is the external examiner.

14. Regulation 7.1 for Ph.D. Degree in the Faculties of Arts Languages, Education, Science and Design & Fine Arts, at page 199 of P.U. Calendar, Volume II, 1988. (Addition of Regulation)

7.1 (v) Provided that the members under this clause shall be nominated in December of every alternate year and shall hold office from January 1.

15. (i) Regulation 2 for Certificate in (i) French (ii) German and (iii) Russian at page 223; (effective from the admissions of 1990).

2. (a) +2 examination of the Board of School Education Punjab/Haryana or Central Board of Secondary Education, Delhi.

OR

(b) An examination of another University/Board/Body recognised by the Syndicate as equivalent to (a) above.

(ii) Regulation 2 for Certificate Course in Urdu at page 250; cal. Vol. II, 1988. (effective from the admissions of 1990).

2. (a) +2 examination of the Board of School Education Punjab/Haryana or Central Board of Secondary Education, Delhi.

OR

(b) an examination of another University/Board/Body recognised by the Syndicate as equivalent to (a) above.

(iii) Regulation 2 for Certificate Course in Tamil/Telugu/Kannada/Malyalam at page 256; of the Calendar, Vol. II, 1988 (effective from the admissions of 1990).

2. (a) +2 examination of the Board of School Education Punjab/Haryana or Central Board of Secondary Education, Delhi.

OR

(b) an examination of another University/Board/Body recognised by the Syndicate as equivalent to (a) above.

16. Change in Title and amendment of Regulations 1.1, 2 and 3.1 for for Certificates in French, German and Russian at page 223, P.U. Calendar, Vol. II, 1988 and deletion of Regulations for Certificate Course in Chinese (Two years duration) at pages 241-43 of P.U. Cal., Vol. II, 1988 effected consequently).

CERTIFICATES IN (i) FRENCH, (ii) GERMAN, (iii) RUSSIAN AND (iv) CHINESE

1.1 The duration of the courses for Certificate in French/German/Russian/Chinese shall be one year.

2. Notes.—A person who has passed 3-year Diploma in Instrument Technology from Indo-Swiss Training Centre, Chandigarh, shall also be eligible to join Certificate Course in French/Russian/German/Chinese.

3.1 A person who possesses the qualification laid down in Regulation 2, and produces the following certificates signed by the Head of the Panjab University French/German/Russian/Chinese Department, or by Principal of the College affiliated for the course, as the case may be, shall be eligible to appear in the examination.

17. Regulation 12.1 for Bachelor of Engineering examination at pages 383-384 of the Cal. Vol. II, 1988. (Addition of Regulation).

12.1 If an error is detected in the sessional marks despite every possible care having been exercised, the teacher in-charge of the sessional awards will bring the fact to the notice of the Principal for its being placed before the Board of Moderators. If the Board of Moderators approves the change, then revised awards shall be submitted to the University duly countersigned by the members of the Board of Moderators and Principal of that College, for consideration.

18. Regulations 4.1 and 4.2 for Doctor of Medicine (M.D.) at pages 414 and 415 of the Cal., Vol. II, 1984 (now pages 427-428, 1988 edition) and the amendment be given effect to retrospectively :—

4.1 The following shall be the various groups of subjects for the examination :

Group A (Clinical subjects)

1. Medicine
2. Tuberculosis and Chest Diseases
3. Obstetrics and Gynaecology
- 4.2 Obstetrics & Gynaecology.

19. Regulations 1.1, 1.3 and 2.1 for M.D.S. examination (effective from the admissions of January, 1991) at page 449 of the Cal., Volume II, 1988.

1.1 The duration of the course of instruction for the degree of Master of Dental Surgery (M.D.S.) shall be 3 years, in an institution affiliated to the University in the Faculty of Medical Sciences for the M.D.S. Course.

1.3 The Part I examination will be held after 2 years and Part II examination after 3 years in the months of May/June and November/December or such dates as may be fixed by the Syndicate.

2.1 (i) (a) possesses the degree of Bachelor of Dental Surgery (BDS) of Panjab University but after the year 1989 BDS degree will include one year internship;

2.1 (ii) the first year of the three years course would be considered equivalent to one year House job. Three years course would be applicable to all students whether they have earlier done House job/its equivalent or not;

20. Regulations governing Three Year Degree Course in Health Education, Physical Education and Sports.

1. The B.Sc. (Physical Education, Health Education and Sports) shall be a 3-year integrated degree course with effect from the admissions of 1989 on par with other three year degree courses (B.A., B.Sc., B.Com.) under 10+2+3 system of Education.

2.1. (a) The B.Sc. (Physical Education, Health Education and Sports) programme of study shall consist of 24 credits, each credit having an equivalence of 100 marks. A Theory paper shall carry one credit and practical paper 1/2 credit. All the Theory papers and practicals irrespective of their credit value shall be studied throughout the academic year.

(b) Of the 24 credits, each student shall do course relating to "Language as a Communication Skill" of 4 credits. 2 credits in the First Year and the remaining 2 credits in the Second Year as under :—

1st Year

- (i) English Language as a Communication Skill (Syllabus common with Gen. B.Sc. Course).—One Credit
- (ii) Hindi/Punjabi/any European (other than English) or Indian Language as a Communication Skill (Same as for B.Sc. General Course).—One Credit

2nd Year

- (i) English Language as a Communication Skill (Syllabus common with Gen. B.Sc. Course).—One Credit
- (ii) Hindi/Punjabi/any European (other than English) or Indian Language as a Communication Skill. (Same as for B.Sc. General Course).—One Credit

A student will be required to pass in each of the two Communication skill papers separately.

(c) Of the remaining 20 Credits, a student shall study papers as under :—

1st Year

Four Theory papers of one Credit each. Four Practical papers of 1/2 Credit each.

2nd Year

Four Theory papers of one Credit each. Four Practical papers of 1/2 Credit each.

3rd Year

Six Theory papers of one Credit each. Four practical papers of 1/2 Credit each.

(d) The credits allocated to a theory and a practical paper to be studied in an academic year as spelled out in (c) above shall be covered in Theory and Practical papers as per requirements of the subjects.

3.1. (a) A person who has passed the following examinations shall be eligible to join First Year of the B.Sc. (Physical Education, Health Education and Sports) degree course in a College affiliated to this University :

(i) Senior Secondary Certificate Part II examination (or + under 10+2+3 system of Education) or a recognised University Body/Board/Council with at least 45% marks in aggregate.

OR

(ii) Certificate in Physical Education of at least one year duration with a minimum of 50% marks from any recognised Institution with a total of 12 years of Schooling or recognised equivalent qualifications.

OR

(iii) B.A./B.Sc./B. Com. Part I (Old Scheme), Pre-Medical/Pre-Engg./Intermediate Arts/Science/Agriculture examination of Panjab University or its equivalent with at least 40% marks.

(b) The candidate should be between the age of 16 to 20 years. However, age may be relaxed upto 22 years in the case of National/International Sportsmen and those belonging to recognised Scheduled Castes/Scheduled Tribes.

3.2. A person who has passed one of the following examinations shall be eligible to join the Second/Third Year class of B.Sc. (Physical Education, Health Education and Sports) Course, as the case may be.

(a) B.Sc. (Physical Education, Health Education and Sports) First/Second Year examination of Panjab University.

(b) B. Sc. (Physical Education, Health Education and Sports) First Year/Second Year Examination of any other University recognised as equivalent by the Panjab University. The marks obtained by a person in the examination concerned shall be normalised by increasing or decreasing the maximum marks in accordance with the maximum marks prescribed by the Panjab University.

4. The examination in First/Second/Third year shall be open to a student who—

(a) has passed not less than one academic year previously the qualifying examination laid down in Regulation 3.

(b) has his name submitted to the Controller of Examinations by the Principal of the College he has most recently attended and produces the following certificates signed by the Principal of that College :

(i) of having remained on the rolls of an affiliated College for the academic year preceding the Examination;

(ii) of having attended not less than (i) 66 per cent of the full course of lectures delivered to his class in each of the subjects offered (the course to be counted up to the last last day when the classes break up for preparatory holidays) and (ii) 66 per cent of the periods assigned to practical work in each paper.

- (iii) of having obtained at least 25 per cent marks in the aggregate of all the subjects to be calculated on the combined results of two house examinations, the first to be held in September/October and the second in December/January.

Explanation.—The house examination shall have 100 marks in each Theory paper and 50 marks in each Practical paper.

Provided that the Principal of a College may, at his discretion, hold a special test for students who fail to fulfil the conditions in (iii) above, by the third week of February. A student, in order to become eligible for admissions to the examination, shall be required to have obtained at least 30 per cent marks in the aggregate of all the papers.

5. The Principal of the college shall have authority to condone deficiency up to 10 per cent of the total number of lectures delivered and of practicals held in each paper separately.

6. The examinations for the First Year, Second Year and Third Year shall ordinarily be held by the University as under on the dates fixed by the Syndicate :—

First and Second Year	Once a year in April
Third Year	Twice a year in April & September.

For candidates placed in compartment, a supplementary examination shall be held ordinarily in the month of September of the same year on a date fixed by the Syndicate.

7. The last date for receipt of Examination Form and Fee with and without late fee, as fixed by the Syndicate, shall be notified by the Controller of Examinations, to all the affiliated Colleges.

8. A candidate shall submit his application for admission to the examination on the prescribed form with the required certificates duly countersigned by :

- (i) Principal of the College In the case of Students of an affiliated College.
- (ii) Principal of the College: In case the of a late last attended college student.

9. The amount of examination fee, normal as well as late fee, to be paid by a candidate including late college student and Compartment examination shall be as fixed by the Syndicate from time to time.

10. The examination for the First Year, Second Year and Third Year of the B. Sc. (Physical Education, Health Education and Sports) degree course shall be held according to the prescribed syllabus.

11. In medium of examination shall be as under :—

(A) The question papers shall be set as under :

- (i) In English in the case of English.
- (ii) In the language concerned in the case of Modern Indian Language.
- (iii) In English, Hindi and Punjabi in the case of all other subjects.

(B) The candidates shall write their answers in :

- (i) English in the case of English.
- (ii) the language concerned in the case of Modern Indian Language.
- (iii) English or Hindi or Punjabi or Urdu in all other subjects.

12. A student who has completed the prescribed course of instruction in an affiliated college for First Year/Second Year/Third Year examination but does not appear in it, or having appeared, and fails, may be allowed to appear in the examination on recommendation of the Principal of the college concerned as a late college student, without attending a fresh course of instruction as follows :—

- (a) First Year—Within next two consecutive years.
- (b) Second Year—Within next two consecutive years.
- (c) Third Year—Within next three consecutive Years.

13. A student who is unable to appear in an examination owing to shortage of lectures, in a paper or papers may be allowed to appear in that examination as a late college student in the following year, if he joins an affiliated College de novo and makes up the shortage of lectures.

14. A student who has completed the required percentage of lectures may be permitted to appear as a late college student even if he did not comply with the requirement in Regulation (4) relating to House Examination.

15. The minimum number of marks required to pass the B. Sc. (Physical Education, Health Education and Sports), First Year, Second Year and Third Year examinations shall be 35 per cent in each paper, theory as well as practical separately.

16.1 A candidate who obtains 35 per cent of the aggregate marks in the prescribed papers, but fails in one paper only, obtaining not less than 20 per cent of the marks in that paper, shall be permitted to appear in that paper only at the next two consecutive examinations, and if he passes at either of these examinations, he shall be deemed to have passed the examination.

16.2 A candidate to whom this concession is granted shall be eligible to join the next higher class provisionally but if he fails to qualify in the compartment paper at the supplementary examination he shall be permitted to appear again in that paper along with next examination for the next class at the next annual examination and if he fails to qualify in the compartment paper even at the second attempt, his result of Second Year and Third Year as the case may be, shall be cancelled. For the compartment paper, he may appear as a regular student or as a late college student.

16.3 A candidate who appears in the compartment at the supplementary examination under this Regulation shall :

1. be required to pay examination fee as for the whole examination; and
2. not be eligible for scholarship, prize or a medal.

17. The successful candidates shall be classified, as under on the aggregate marks obtained in the First Year, Second Year and Third Year examinations taken together :

- (a) Those who obtain 60 per cent or more of the aggregate marks—First Division.
- (b) Those who obtain 50 per cent or more but below 60 per cent of the aggregate marks—Second Division.
- (c) Those who obtained less than 50 per cent of the aggregate marks—Third Division.

18. Six weeks after the termination of examination or as soon thereafter as is possible, the Controller of Examinations shall publish a list of the candidates indicating their results. The Result-cum-Detailed Marks Card of the First, Second and Third Year examinations shall be issued to each candidate. Each successful candidate of the Third Year (Final) examination shall be awarded the B. Sc. (Physical Education, Health Education and Sports) degree, stating the division in which he has passed.

19. A student who fails in First Year Examination of B. Sc. (Physical Education, Health Education and Sports) course and wants to change over to Arts subjects shall not be eligible to appear in the First Year Examination of B.A. (General) course, as a late college student.

20. A person who has qualified for the award of the B.Sc. (Physical Education, Health Education and Sports) degree from the Panjab University may be allowed to re-appear as a private candidate in a paper(s) in which he appeared earlier, with a view to improving his previous performance. He may re-appear in the First, Second and Third Year examinations or any of the examinations, simultaneously or separately.

For this purpose, he may appear in September and/or April in the academic year immediately following the year of his passing the Third year examination.

21. A candidate who wishes to seek re-evaluation of his/her answer books may apply to the Controller of Examinations, Panjab University, Chandigarh, on the prescribed form as per rules laid down by the Syndicate from time to time.

21. Regulation 2 for Post-graduate Diploma Course in German Examination.

2. (a) Bachelor's degree in any discipline including Medicine, Pharmacy, Engineering, Laws etc. as well as Advanced Diploma Course in German of the Panjab University or an examination of another University/Board recognised by the Syndicate as equivalent to Advanced Diploma in German of the Panjab University with 45% marks in German.

22. Regulations for Prak Shastri Part-I, Part-II & Shastri (3 years Course) effective from the Admissions of 1990.

1.1 There shall be the following examinations for Sanskrit (Traditional, Oriental Type) :—

- (a) Prak Shastri (of two year's duration); and
- (b) Shastri (of three year's duration).

1.2 The Shastri examination shall be held in three Parts i.e. Part I at the end of first year, Part II at the end of second year and Part III at the end of Third year.

1.3 The examinations in Prak Shastri Part I and Part II and Shastri Parts I, II and III shall ordinarily be held as under on the dates fixed by the Syndicate :—

Prak Shastri Part I and II and Shastri Parts I & II—Once a year in April/May.

Shastri Part III—Twice a year in April/May & September/October.

A supplementary examination shall be held in the month of September for compartment candidates on such dates as may be fixed by the Syndicate.

1.4 The last date for receipt of examination admission forms without and with late fee as fixed by the Syndicate shall be notified by the Controller of Examinations.

2.1 A person who has passed one of the following examinations shall be eligible to join Prak Shastri Part I class :—

- (i) Matriculation, Higher Secondary Part I examination of the Panjab University;
- (ii) Matriculation, Higher Secondary Part I of Board of School Education, Punjab, Haryana, Himachal Pradesh or of Central Board of Secondary Education, Delhi.
- (iii) An examination of another University recognised as equivalent to (i) and (ii) above.

2.2 A person who has passed Prak Shastri Part I examination shall be eligible to join Prak Shastri Part II class.

2.3 A person who has passed one of the following examinations shall be eligible to join Shastri Part I Class :—

- (a) Prak Shastri Part II or Vishard examination (with Matric) of the University.
- (b) An examination of another University recognised as equivalent to (a).

3.1 A person who possesses the qualification laid down in Regulation 2 and produces the following certificates signed by the Head of the affiliated/associated institution most recently attended by him shall be eligible to appear in the examinations listed in Regulation 1. :—

- (a) of good character;

(b) of having been on the rolls of an institution affiliated/associated to the University during the year preceding the examination, a deficiency in this period may be condoned by the Syndicate for special reasons; and

(c) of having attended not less than 66% of the lectures delivered to the class concerned.

3.2 A deficiency in the required number of lectures may be condoned by the Principal of the Institution to the extent of 15 lectures.

3.3 A person who possesses the qualification laid down in Regulation 2 and is permitted to appear in the examination as a private candidate under the regulations of the chapter for such candidate shall also be eligible to appear in these examinations.

A private candidate eligible under these regulations shall submit his admission form countersigned by one of the authorities approved by the Syndicate.

4. The amount of examination fee to be paid by a candidate for each examination shall be Rs. 40/-.

An additional fee of Rs. 10/- shall be charged from a private candidate.

5.1 The examination shall be held according to the syllabus prescribed by the Senate.

5.2 The medium of examination shall be :—

- (i) Sanskrit in the case of Shastri examination;
- (ii) Hindi or Sanskrit in the case of Prak Shastri examination.

6.1 Candidates for Shastri examination may offer an additional paper carrying 100 marks.

6.2 The minimum number of marks required to pass shall be as under :—

- (a) Prak Shastri—33% in each paper.
- (b) Shastri—33% in each paper and 40% in aggregate.
- (c) Additional paper—33%.

In the Shastri examination, a grace marks shall be given separately in Parts I, II and III examinations.

6.3 In the Prak Shastri and Shastri examinations a candidate who has failed in one paper obtaining not less than 20 per cent marks and has obtained an aggregate of 40% marks in the remaining papers shall be permitted to re-appear in that paper in the next two examinations, on payment of the same fee on each occasion as for the whole examination and if he passes in that paper in either of those examinations he shall be deemed to have passed the examination.

Provided that the Syndicate may extend this period in the case of a member of the regular armed forces, who is unable, owing to defence exigencies, to avail himself of a chance within this time.

6.4 A candidate for Prak Shastri Part I and Shastri Part I examination who is placed under compartment may be allowed to join Part II class and also appear simultaneously in the compartment paper of Part I and Part II examinations. If he fails to clear the Part I examination within the period allowed by this regulation, his result of Part II examination will be cancelled.

6.5 A candidate for Shastri Part II examination who is placed under compartment may be allowed to join Shastri Part III class and also to appear simultaneously in the compartment paper of Shastri Part II and Shastri Part III examinations. If he fails to clear the Part II examination within the period allowed by this regulation his result for Shastri Part III examination will be cancelled.

7.1 Successful candidates shall be classified as under :—

- (a) those who obtain 60% or more of the aggregate marks (including the additional/optional paper).—First Division.
- (b) those who obtain 50% or more but less than 60% of the aggregate marks (including the additional/optional paper).—Second Division.
- (c) those who obtain less than 50% of the aggregate marks.—Third Division.

In case of Prak Shastri examination, the division will be determined on the combined marks obtained in Part I and Part II examinations.

In the case of Shastri examination, the division will be determined on the combined marks obtained in Part II and Part III examinations.

7.2 The Controller of Examinations shall publish the result six weeks after the termination of the examination or as soon thereafter as is possible. Each successful candidate in Shastri Part III (Final) examination shall be granted a degree showing the examination and the division in which he has passed. In the case of Prak Shastri examination each successful candidate shall be granted a certificate to showing the division in which he has passed together with the marks obtained by him and the aggregate marks.

A candidate who passes Prak Shastri Part-I/Shastri Part-I and Part-II examinations shall be granted a detailed marks card, on passing the said examinations.

NOTE: The students who have joined Prajna 1987-88 and 1988-89 session will have the option to take their further examination till Shastri II (old system) either according to the old regulations or may join the new courses. The present system shall not go beyond 1992.

7.3 A person who has passed Prak Shastri examination during 1988-89 session and does not get himself enrolled in Shastri Part I class during 1989-90 session will have to appear in Prak Shastri Part-II in 1990-91 session and onwards for purposes of getting admission to Shastri Part I.

23. Addition of Transitory Regulations for B.A./B.Sc. (General & Honours) examinations.

1. A person who has passed Ist year examination of this University under the 10+2+3 system of education may change the streams, from A to B and vice-versa subject to the restriction that the total number of credits to be earned by him for the award of degree shall remain the same.

2. A person who has joined 1st year class in a college affiliated to the Panjab University may be allowed to migrate from one affiliated college to another affiliated college, in the University even if it involves change of stream, subject to the condition that he shall have to clear deficient subject/s if any, as prescribed in the rules.

3. A person who has passed B.A./B.Sc. 1st year 2nd year examination from other Universities in India may be allowed to migrate to this University subject to the condition that he shall have to clear the deficient subject/s but the total number of credits required to be earned shall remain the same.

24. Addition of Transitory Regulation for Master of Library & Information Science examination at page 183 of the Cal. Vol. II, 1988.

TRANSITORY REGULATION

"A person who has passed the M. Lib. Science/M. Lib. & Information Science examination from this University obtaining less than 55% marks may be allowed to appear in the M. Lib. & Information Science Examination, as a private candidate for purposes of improving his previous performance. For this purpose he may be given two chances to improve his previous performance irrespective of the chances already availed of by him.

The candidate will take the examination under the current syllabi.

This concession will remain operative up to the examination of 1992.

Such candidates will be required to submit their previous detailed marks cards alongwith their admission forms."

25. Amendment/Deletion/Addition of Regulations 1.2, 2.2, 3.1, 3.2, 4.2, 4.3, 4.4, 4.5, 4.6, 5, 20 and 33 for B.A./B.Sc. (General & Honours) examinations.

1.2 Admissions to the first year of the B.A. (General and Honours) course with effect from the session 1990-91 shall be according to Stream A and Stream B, as hereinafter mentioned.

B.A. (General)

2.1.(a) The B.A. (General) programme of study shall consist of 24 credits, each credit having a value of 100 marks. A subject studied for the whole academic year shall carry 2 credits. All the theory papers and practicals irrespective of their credit value shall be studied throughout the academic year. There shall be two streams, as under, either or both of which a college may offer depending upon its resources.

STREAM-A

(b) The credits of the subjects to be studied shall be as under :—

Ist Year

2 Credits

(i) English (Literature and Language)

2 Credits

(ii) Hindi or Punjabi, or any other language approved by the University (Literature and Language).

4 Credits

(iii) Two elective subjects of 2 credits each.

2nd Year and 3rd Year

Same as in the 1st Year
(The two elective subjects to be studied in each of the three years of the course shall be the same in all the three years of the degree course).

Total credits : 24

3rd Year

(i) English Language: as—One credit a Communication Skill.

(ii) Hindi/Punjabi/any—One credit European (other than English) or Indian Language as a Communication Skill.

The two Communication Skill papers shall constitute one subject in each year. The candidate will have to obtain pass marks in each paper separately as prescribed in Regulation.

(c) Of the remaining 18 credits, 16 credits, shall be used for studying elective subjects as under:—

1st Year : Three elective subjects of 2 credits each.
2nd Year : Three elective subjects (same subjects as in first year) of 2 credits each.
3rd Year : Two of the above three elective subjects of 2 credits each.

(d) Within the resources available in the College, the student/s shall have due freedom and flexibility in the choice of elective subjects.

DELETED

Existing Regulation 2.1. will be applicable in respect of admissions made during the academic session 1988-89 and 1989-90.

STREAM-B

(b) Of the 24 credits, each student shall offer courses relating to 'Language as a Communication Skill' of 6 credits, 2 credits in each year as under :

1st Year

- (i) English Language as a Communication Skill One Credit.
- (ii) Hindi/Punjabi/any European (other than English) or Indian Language as a Communication Skill One Credit.

2nd Year

- (i) English Language as a Communication Skill One Credit.
- (ii) Hindi/Punjabi/any European (other than English) or Indian Language as a Communication Skill One Credit.

3rd Year

- (i) English Language as a Communication Skill One Credit.
- (ii) Hindi/Punjabi/any European (other than English) or Indian Language as a Communication Skill One Credit.

The two Communication Skill papers shall constitute one subject in each year. The candidate will have to obtain pass marks in each paper separately as prescribed in Regulation 20.

(c) The remaining 18 credits shall be used for studying elective subjects as under :—

1st Year : Three elective subjects of 2 credits each.

2nd Year : Three elective subjects (the same subjects as in first year) of 2 credits each.

3rd Year : Three elective subjects of two credits each, provided that while studying two of the three elective subjects taken up earlier in 1st and 2nd year, a student may offer General Science & Scientific Method or Computer Science as the third elective subject.

Total credits 24

A student opting for Stream A may offer one of the elective subjects from the Science/Fine Arts Faculty. A student opting for Stream B may offer one of the elective subjects from the Science/Languages/Fine Arts Faculty.

Provided that a student would offer any Science subject, including Mathematics, only if he has passed that subject in the qualifying examination or qualifies in the subject as a deficient/additional subject from the concerned Board/University/Council in the Supplementary Examination subsequent to the admission.

Provided further that a student can offer :—

(a) Statistics only if he takes up Mathematics.

(b) Applied Statistics only if he takes up other subject(s), excluding Mathematics.

(d) In Stream B, a student may, in the third year, study two courses of one credit each in General Science and Scientific Method/Computer Science as the third elective subject.

(e) The two credits allocated to an elective subject to be studied in any academic year, as given in (c) above, shall be covered in two papers of one credit each. However, in such subjects where practical/s are prescribed, there shall be theory paper/s and practical/s as prescribed in the syllabus. The theory papers and practicals together shall be

of 2 credit value. The candidate will have to pass in theory and practical/s separately.

B.Sc. (General)

2.2 (a) The B.Sc. (General) programme of study shall consist of 24 credits, each credit having a value of 100 marks. A subject studied for the whole academic year shall carry 2 credits. All the theory papers and practicals irrespective of their credit value shall be studied throughout the academic year.

(b) Of the 24 credits, each student shall do courses relating to 'Language as a Communication Skill' of 4 credits, 2 credits in the 1st year and the remaining 2 credits in the 2nd year as under :—

1st Year

Language as a Communication Skill (English)
.....2 credits.

+ Three elective subjects of 2 credits each.....
.....6 credits.

2nd Year

Language as a Communication Skill Hindi/Punjabi/any European (other than English) or an approved Indian Language 2 credits.

+ Three elective subjects of 2 credits each (the same as in the 1st year) 6 credits.

3rd Year

A general course in Social Science and Humanities.

2 credit

+ Three elective subjects of 2 credits each (the same as in the 1st and 2nd year).
6 credits

Total credits : 24

(c) Of the remaining 20 credits, 18 credits shall be used to study three elective subjects, taking 6 credits of courses each year as under:—

1st Year : Three elective subjects of 2 credits each.

2nd Year : Three elective subjects (same subjects as in 1st year) of 2 credits each.

3rd year : Three elective subjects (same subjects as in 1st and 2nd years) of 2 credits each.

In the College, the students shall have due freedom and flexibility in the choice of elective subjects.

Within the resources available in the College.

Deleted

(d) For the remaining 2 credits, each student, in the third year, shall study two courses of one credit each, in Social Sciences and Humanities.

Deleted

(d) The two credits allocated to an elective subject to be studied in any academic year, as given in (b) above, shall be covered in two papers of one credit each. However, in such subjects where practical/s are prescribed, there shall be theory paper/s and practical/s as prescribed in the syllabus. The theory paper/s and practical/s together shall be of 2 credit value. The candidate will have to pass in theory and practical/s separately.

Existing Regulation 2.2 will be applicable in respect of admissions made during the academic sessions 1988-89 and 1989-90.

- 3.1 (a) In Stream A, a student may offer Honours in any one of the subjects.

In Stream B, a student may offer Honours in any one of the elective subjects to be studied by him during all the three years of the course.

Provided that he has obtained at least 50% marks in the subject of Honours in the First Year of the B.A. (General) Course.

- 3.1 (b) 1st Year : The same as in Stream A/Stream B for 1st year of B. A. (General)

(8 credits)

2nd Year : The same as in Stream A/Stream B for 2nd year of B.A. (General). In addition, there shall be two advanced papers of one credit each in the subject in which he seeks to get Honours degree.

(10 credits)

3rd Year : The same as in Stream A/Stream B for 3rd year of B.A. (General). In addition, there shall be two advanced papers of one credit each in the Honours subject.

(10 credits)

Total credits : 28

Each student in the third year (under stream B) may study courses of two credits in General Science and Scientific Method/Computer Science, as the third elective subject.

- (c) The two credits allocated to an elective subject to be studied in any academic year, as given in (b) above, shall be covered in two papers of one credit each. However, in such subjects where practical/s are prescribed, there shall be theory paper/s and practical/s as prescribed, in the syllabus. The theory paper/s and practical/s together shall be of 2 credit value. The candidate will have to pass in theory and practical/s separately.

B. Sc. (Honours)

- 3.2 (a) The B.Sc. (Honours) programme of study shall consist of 28 credits, each credit, having a value of 100 marks. A subject studied for the whole academic year shall carry 2 credits. All the theory papers and practicals irrespective of their credit value shall be studied through out the academic year.

A student may offer Honours in any one of the elective subjects (other than Language as a Communication Skill) to be studied by him in all three year of the course provided he has obtained at least 50% marks in the subject concerned in the first year examination of the B.Sc. (General) course.

- (b) Of the 28 credits, each student shall offer courses in each year as under :—

2nd Year

The same as for 2nd year of B.Sc. (General). In addition, there shall be two advanced papers of one credit each in the subject in which he seeks to get Honours degree.

(10 credits)

3rd Year

The same as for 3rd year of B.Sc. (General). In addition, there shall be two advanced papers of one credit each in the Honours subject.

(10 credits)

Total credits : 28

4.2 A person who has passed one of the following examinations shall be eligible to join the Second/Third Year class of B.A./B.Sc. (General and Honours) course, in the same Stream, as the case may be :—

- (a) B.A./B.Sc. First/Second Year (General/Honours) examination of Panjab University.

- (b) B.A./B.Sc. First Year or Second Year examination, under 10+2+3 system of education of Kurukshetra University (Kurukshetra) or Punjabi University (Patiala) or Guru Nanak Dev University (Amritsar) or Himachal Pradesh University (Shimla) or Maharshi Dayanand University (Rohtak) provided that he must offer the subjects taken up by him in the B.A./B.Sc. First Year or Second Year examination and these are available at the Panjab University. The marks obtained in the B.A./B.Sc. First Year or Second Year examination, as the case may be, shall be counted towards his division. The marks obtained by a person in the examination concerned shall be normalised by increasing or decreasing the maximum marks in accordance with the maximum marks prescribed by the Panjab University.

In case there is some deficiency in subject/s he/she shall have to clear the deficient subject/s, if any at the next two consecutive examinations of this University. If he/she fails to clear the deficient subject/s his/her result of higher examination as the case may be, shall be cancelled.

Provided further that a person joining the B.Sc. course must have obtained not less than 40% marks in the aggregate of the examination in (b) above.

4.3 A candidate who has passed B.A./B.Sc. First Year/Second Year Examination may be allowed to change the subject/s in the same Stream :—

- (a) If the combinations of subjects in that college is not available; or

- (b) Instruction is not being imparted at the college in the subject/s studied by him in the earlier classes subject to the condition that he shall have to clear the deficient subject/s of the examination concerned as the case may be, at the next two consecutive examinations. If he fails to clear the deficient subject/s his result of B.A./B.Sc./B.Com. Second Year/Third Year class as the case may be, shall stand cancelled.

4.4 A candidate who has passed First Year/Second Year examination from any other University without having passed the subject of Communication skill is allowed admission to Second Year/Third Year class, as the case may be of this University. He/She may not be exempted from clearing the subject/s of communication as a deficient subject in two consecutive chances as per requirement of Regulation.

4.5 A candidate who is placed in Compartment in First Year/Second Year from the regional Universities (i.e. Punjabi University, Patiala, Guru Nanak Dev University, Amritsar, Kurukshetra University, Kurukshetra, Himachal Pradesh University, Shimla and Maharshi Dayanand University, Rohtak) be not allowed to join the Second Year/Third Year class of this University.

5. Military personnel/any other Govt. employee and their sons/daughters who have passed the B.A./B.Sc. First Year/Second Year examination from another University, the B.A./B.Sc. (Final) examination of which is recognised as equivalent to B.A./B.Sc. examination of this University on their own transfer or on transfer of a spouse of the military personnel/any other Government employee or on transfer of any of their parents or guardians in the case of sons/daughters, may be allowed to join B.A./B.Sc. Second Year/Third Year Class, if the subjects/courses offered were the same as prescribed by the University. In case there is some deficiency in the subjects/courses, he shall have to clear the deficient subjects/courses, if any, as the case may be, at the next two consecutive examinations. If he fails to clear the deficient subjects/courses his result of B.A./B.Sc. Second Year/Third Year, as the case may be, shall stand cancelled.

That this concession may also be allowed to the sons/daughters/spouse of retired/retiring military personnel and employees of Inter-state/public/private undertakings.

On passing Third Year examination the marks obtained in First Year/Second Year examination at the other University shall be counted towards his division and the marks obtained in the examination concerned shall be normalised by increasing or decreasing the maximum marks in accordance with the maximum marks prescribed by the Punjab University.

20. The minimum marks required to pass the B.A./B.Sc. (General) First Year, Second Year and Third Year examinations shall be 35 percent in each subject but in the case of Communication Skills, the candidate will have to obtain pass marks in each paper (under Stream B in B.A. General and B.A. Honours and in each subject in B.Sc. General and B.Sc. Honours) and in each part separately, provided that the candidate will have to pass in theory and practicals separately.

33. A person who has passed the B.A. General or B.A. Honours examination under Stream 'B', with General Science and scientific Method/Computer Science as the third elective subject in the third year of the course, will be eligible to offer the third elective subject already offered in the First and Second Years, as per the course prescribed for the Third Year. Such a student shall be eligible for admission to M.A. in that subject, subject to such other conditions as may be applicable.

26. Regulations for Doctor of Medicine (M.D.) and Master of Surgery (M.S.) (Three Years Programme with one point entry) at pages 425-433 and 437-442 respectively of the Cal. Vol. II, 1988 (effective from the admissions of January, 1991), as per page 50 of the enclosed set.

Doctor of Medicine (M.D.)

1.1 The duration of the course of instruction for the degree of Doctor of Medicine (M.D.) shall be 36 months for both Clinical and Basic subjects.

2 (b) has worked, subsequent to passing the M.B.B.S. examination. (b) to be deleted

(i) in a house job (internship or rotating house job shall not be considered) in a recognised hospital for at least one year out of which at least six months shall be in the subject selected for the M.D. Course (i) to be deleted

or

(ii) in a hospital approved by the Medical Council of India for internship training for a period of three years: (ii) to be deleted

(iii) in State Medical Services, Armed Forces Medical Services or other equivalent service, for a period of five years. (iii) to be deleted

Provided that a year's whole-time extra work by the candidate in the department as a post-graduate student shall be counted as equivalent to housemanship. to be deleted

Provided further that a person who has worked as District Entomologist in the P. Falciparum Containment Programme (PFCP) for a period of one year shall be eligible to appear in the Post-graduate examination in Social and Preventive Medicine. to be deleted

3.1 (ii) of having completed training for a period of not less than 36 months for both Clinical and Basic subjects, in a College/Institute affiliated to this University for the Doctor of Medicine course.

(A) The period for which candidate has worked as an Assistant Registrar, Registrar or Research Officer or Research Assistant after completion of compulsory Rotatory Internship for 12 months in clinical subjects and Lecturer, Tutor, Demonstrator, in basic subjects, or in any equivalent job (approved by the Dean, Faculty of Medical Sciences in a Medical College/Institute affiliated to the University for the M.D. course, shall also count as a period of training required in (ii);

(B) The training for three years required in the case of basic subject may be reduced to 30 months (in that particular subject), provided the candidate has done a approved job for six months in one of the following positions in any other basic or clinical science: House Job/Demonstrator/Asstt. Demonstrator/Research Fellow/Research Asstt./Asstt. Research Officer. (B) to be deleted

(C) A candidate offering a clinical subject of Group A who has obtained a Diploma in the subject concerned (one year course) after having done one year House job out of which six months should be in the subject selected for M.D. course, shall undergo a further training in the subject offered for one year only. (C) to be deleted

6.1 A candidate shall apply within 18 months of registration to the Registrar for approvals of the subjects of his thesis.

Master of Surgery (M.S.)

1.1 The duration of the course of instruction for the degree of Master of Surgery (M.S.) shall be 36 months for both Clinical and Basic subjects.

2 (b) has worked, subsequent to passing the M.B.B.S. examination. (b) To be deleted

(i) in a house job (internship or rotation house job shall not be considered) in a recognised hospital for at least one year out of which at least six months shall be in the subject selected for M.S. Course: (i) To be deleted

or

- (ii) in a hospital approved by the Medical Council of India for internship training for a period of three years:
- (ii) To be deleted

or

- (iii) in State Medical Services, Armed Forces Medical Services or other equivalent service, for a period of five years.
- (iii) To be deleted

Provided that a year's whole-time extra work by the candidate in the department as a post-graduate student shall be counted as equivalent to housemanship.

To be deleted

- 3.1 (ii) of having completed training for a period of not less than 36 months for both Clinical and Basic subjects, in a College/Institute affiliated to this University for the Master of Surgery course.

- (A) The period for which candidate has worked as an Assistant Registrar, Registrar or Research Officer or Research Assistant after completion of Compulsory Rotatory Internship for 12 months in clinical subjects and Lecturer, Tutor, Demonstrator, in basic subjects, or in any equivalent job (approved by the Dean, Faculty of Medical Sciences in a Medical College/Institute affiliated to the University for the M.S. course, shall also count as a period of training required in (ii),

- (B) The training for three years required in the case of basic subject may be reduced to 30 months (in that particular subject), provided the candidate has done a approved job for six months in one of the following positions in any other basic or clinical Science:
- (B) To be deleted.

House Job/Demonstrator/
Asstt. Demonstrator/Research
Fellow/Research Asstt./Asstt.
Research Officer.

- (C) A candidate offering a clinical subject of Group A who has obtained a Diploma in the subject concerned (one year course) after having done one year House job, out of which six months should be in the subject selected for M.S. course, shall undergo a further training in the subject offered for one year only.
- (C) to be deleted

6.1 A candidate shall apply within 18 months of registration to the Registrar for approvals of the subjects of his thesis.

27. Regulation 2.1 at page 50 of P.U. Cal. Vol. I, 1989, relating to election of Academic Council.
(Amendment of Regulation)

1. 10+1 (So long as these classes
8—429 GI/91

2. 10+2 are attached with the affiliated Colleges)

3. B.A./B.Sc. First Year, Second Year and Third Year.

8. B.F.A.

28. Regulation 22.2 at wage 185 of P.U. Cal., Vol I, 1989 (effective from 1-4-90).

22.2 The authorities of the College shall also forward a declaration alongwith the application for permission to the effect that the Principal of the College (day classes) shall be paid Rs. 250/- per month as allowance for administrative work of the evening classes.

29. Regulation 4.1 for B.A./B.Sc. (General & Honours) Examination.

4.1.(ii) Provided further that a student shall be eligible to offer the subject of Computer Science at the B.A./B.Sc. level if he has passed the +2 examination with Science/Commerce/Economics/Mathematics as his subject/s.

30. Addition of Regulation 7.5 to General Regulations for Examinations, Admission to Examinations, Chapter III at page 21 of P.U., Cal., Vol. II, 1988.

- (i) Where a candidate for a Professional Examination, in which the number of chances available are limited, has exhausted all the chances provided under the relevant Regulations to pass the said examination within the stipulated period after completing the attendance requirements of the final semester, but has passed in 90 per cent of the courses he may be given an additional consecutive chance to clear the back-log;

- (ii) If he still fails, he may be given another consecutive chance by the Vice-Chancellor on the recommendation of the Board of Control;

- (iii) Such a candidate shall be required to appear in the back-log papers as per the current syllabus. He may, on his request, be permitted to attend the classes.

31. Regulation 12 relating to Master of Philosophy.

Provided that he clears the course/courses in two consecutive chances immediately following the examination in which he had failed to appear in examination or had failed in the examination or was placed in re-appear.

32. Regulation 2.2 for B.Sc. (General) Examination.
3rd Year

- (i) A General course in Social Sciences and Humanities be made optional. 2 Credits

OR

- (ii) Computer Science (Computer Fundamentals and Applications) the same as for B.A. Third Year Students.

OR

- (iii) Communication Skill course, the same as for B.A. Third Year students in Stream 'B' (one credit for English and one credit for any other language approved by the University).

OR

- (iv) A 2 credit course in one of the languages approved by the University other than the ones studied by the B.Sc. students in 1st and 2nd year. The syllabus of this course would be the same as for the elective courses in these languages already approved for the B.A. 1st year students.

33. Regulation for Certificate Course in Functional Hindi (effective from the session 1989-90).

Certificate Course in Functional Hindi

1.1 The duration of the Course for Certificate Course in Functional Hindi shall be six months. There will be two

courses during an academic year, one starting in July and concluding in December and the other starting in January and concluding in June.

1.2 The date of commencement of the examination and the last dates for receipt of examination admission forms without and with late fees of Rs. 5, as fixed by the Syndicate, shall be notified by the Controller of Examinations.

2. A person who has passed one of the following examinations shall be eligible to join the course :—

10+2 pass(or an equivalent qualification for admission to any undergraduate course as laid down by the U.G.C.).

OR

Matric Pass (for those already in employment, with at least five years experience in any government, semi government autonomous or any other organisation of repute.

The Board of Control of the Department of Hindi will conduct this course.

A person who possesses the qualification laid down in Regulation 2, and produces the following certificates signed by the Head of the Panjab University Hindi Department, shall be eligible to appear in the examination :

- (a) of good character;
- (b) of having been on the rolls of the Department during the course preceding the examination; and
- (c) of having attended not less than 66 per cent of the lectures delivered in each paper to the class.

3.2 A deficiency in the required number of lectures may be condoned —

- (i) up to 7 lectures by the Head of the Department.
- (ii) up to 12 lectures by the Dean of University Instruction, on the recommendation of the Head of the Department.

3.3 A student who, having attended the prescribed number of lectures, does not appear in the examination, or having appeared has failed, may be permitted, on the recommendation of the Head of the Department, to appear in the examination as a private candidate, within a period of three years of completing the course.

4. The examination fee to be paid by the candidate shall be Rs. 3.

5.1 The examination shall be held in accordance with the syllabus prescribed by the Senate.

5.2 The medium of examination shall be Hindi.

6. There will be two components of examination for this course;

(a) Internal periodic assessment by the teacher/teachers concerned through tests or assignments of the value of 50% as below :—

- (i) Periodic Tests (3 in number)—30 marks.
- (ii) Term Paper (1 in number)—10 marks.
- (iii) Group Discussion (Oral)—10 marks.

(b) Final examination through Essay Type and Objective Type question papers of the value of 50% as below :—

- (i) Objective Type—10 marks.
- (ii) Essay Type—40 marks.

7. The minimum number of marks required to pass the examination shall be :

- (a) 40% in each theory paper.
- (b) 40% in internal assessment.
- (c) 45% in the aggregate of (a) and (b).

8.1 Successful candidates shall be classified as under :

- (a) Those who obtain 60% or more marks in the aggregate—First Division.
- (b) Those who obtain 50% or more but less than 60% of the aggregate marks—Second Division.
- (c) Those who obtain less than 50% of the aggregate marks—Third Division.

8.2 The Controller of Examinations shall publish the results four weeks after the termination of the examinations or as soon as possible.

8.3 Each successful candidate shall be granted a certificate showing the division in which he has passed.

34. Addition of Regulation 3 for Bachelor of Commerce (General & Honours) Examinations (effective from the admissions of 1990).

(D) Provided that a candidate seeking admission to the First Year of B.Com. should have passed in the subject of English at the +2 examination and in cases where passing in that subject is not necessary according to the Regulations of certain Boards/Bodies/Councils/Universities in India, the admission of the candidate shall be provisional and will be confirmed only after he has cleared the subject of English as a deficient subject from the parent Board/Body/Council/University in two consecutive chances subsequent to his admission.

(E) Provided further that :—

- (a) a compartment, candidate at the +2 examination shall be eligible to offer in the B.Com. First Year class the subject in which he has been placed under compartment, subject to the proviso under Regulation 3 above.
- (b) a candidate who has not passed English as one of the subjects at the +2 examination shall be allowed to offer in the B.Com. First Year class, English (as Communication Skill) but he will have to clear English as a deficient subject, subject to the proviso under Regulation 3 above.
- (c) in case a candidate, does not clear the relevant subject at any of the two consecutive chances afforded to him subsequent to the date of his admission, his provisional admission, his provisional admission to the First Year of B.Com. examinations shall stand cancelled.

35. Addition of Regulation 19 in Chapter III relating to 'General Regulations for Examinations-Admission to Examinations' at page 23 of the Calendar, Volume II, 1988 (for the admissions of 1989 only).

19. If a candidate has passed any additional subject at the graduate level (subsequent to his passing B.A./B.Sc. examination) from this University, the marks obtained by him may be counted towards determination his merit for admission to all the courses in the University/affiliated Colleges. The marks shall be calculated by substituting the marks obtained by him in the additional subject, in place of one of the elective subject passed by him earlier (other than English), at his option.

36. Regulations for Postgraduate Diploma in Bio-Technology (effective from the admissions of 1989).

1. The duration of the course for the Postgraduate Diploma in Bio-technology shall be one academic year.

2. A person who has passed one of the following examination shall be eligible to join the course :

M.Sc./M.Sc. (Honours School) in Agriculture, Physics, Chemistry, Botany, Zoology, Microbiology, Biophysics, Biochemistry or Anthropology from any University recognised by the Punjab University.

3. The admission to the course shall be on the basis of an entrance test and/or other procedures laid down by the Syndicate, from time to time.

4. The examination shall be held in accordance with the syllabi approved from time to time.

5. A person who possesses the qualification laid down in Regulation 2 and produces the following certificates signed by the Chairman/Co-ordinator of the Centre, shall be eligible to appear in the final examination :

- (a) of good character;
- (b) of having been on the rolls of the centre during the academic year preceding the examination;
- (c) of having attended not less than 66% of lectures delivered to the class in each paper and practicals held separately.

6. The open and continuous system of evaluation of courses will be followed. The schedule of teaching and examination will be approved by the Syndicate before commencement of the session. The awards and answer-books of each examination after having been shown to the students will be immediately submitted to the Controller of Examinations by the Co-ordinator of the Centre

7. There shall be a Board of Control in Biotechnology constituted by the Syndicate for the purpose of co-ordinating the activities of the centre of Bio-technology. The Chairman of the Board of Control and the Co-ordinator of the Centre will be appointed by the Vice-Chancellor. The Co-ordinator of the centre will act as Convener of the Board of Control.

8. A deficiency in the required number of lectures up to 5% in each paper may be condoned by the Board of Control.

9. The examination fee will be charged in the beginning of the course alongwith the admission tuition fees and other dues.

10. The medium of instruction and examination shall be English.

11. The minimum number of marks to pass the examination shall be 50% in each written paper, practical & viva voce and sessionals (based on the assessment) of regular Lab./class work, research performances etc.), separately.

12. There shall be no grace marks.

13. The result of the candidates shall be either pass or fail only. However, in exceptional cases (e.g., on medical grounds), the Board of Control may allow re-examination in not more than one paper. This examination will be allowed at the time of the next regular examination. No special examination will be held.

14. The successful candidates shall be classified as under :—

- | | |
|--|----------------------------------|
| (a) Those who obtain 75% or more of the aggregate marks. | First Division with distinction. |
| (b) Those who obtain 60% or more but less than 75% of the aggregate marks. | First Division |
| (c) Those who obtain 50% or more but less than 60% of the aggregate marks. | Second Division. |

15. The result of the examination shall be published by the Controller of Examinations by compiling all the awards received during the tenure of the course.

16. Every successful candidate shall be granted Diploma indicating the award in Theory and practicals, separately and the Distinction/division in which he has passed.

37. Regulations for Master of Philosophy in the Faculties of Arts, Languages, Education, Science, Design & Fine Arts and Business Management and Commerce (effective from the admissions of 1989).

1. A candidate for the Degree of Master of Philosophy in the Faculty of Arts, Languages, Education, Science and Design & Fine Arts should have obtained the Master's degree from the Panjab University, or from another Univer-

sity, an examination of which has been recognised as equivalent thereto by this University in the first or second division (50% marks in the subject concerned). For M.Phil. in Gandhian Studies, Master's degree in the subject will be determined by the Board of Control with the approval of the Dean of University Instruction

2.1 The duration of the course shall be two semesters/one academic year. If, however, a candidate, who has passed the first semester examination, is unable to complete his course within one year, he shall be permitted to complete it within a period of two years of his admission to the course.

2.2 A candidate supplicating for M.Phil. shall pursue courses of study and research in a Post-graduate department at Panjab University, Chandigarh, or Post-graduate Department of its Regional Centre, if any. He may be allowed by the Board of Control to do field work or research at an approved centre of research outside Chandigarh, for a period not exceeding three months, out of the prescribed period of one academic year

2.3 Except in the case of Mathematics and Statistics where the Board of Control may base their M.Phil. programme of study wholly on course work, in other subjects the M.Phil. course may consist of course work and dissertation. The total credits for the M.Phil. programme of study shall be 24, each credit shall be of the value of 25 marks. The credit value of each course shall be determined by the Board of Control keeping in view the contents of the course, and the quantum of work required to be done by a student. In the disciplines, where there is a requirement both for dissertation and courses at least 6 credits shall be allocated to the dissertation/course work each. The Board of Control shall recommend the courses of study, the titles for dissertation and supervisor thereof for approval of the Joint Research Board. The recommendations of the Board of Control regarding the titles for dissertation and supervisors must be made latest by November 30 each year. The setting of question papers and evaluation in regard to the course/s taken by the candidates shall be done as per procedure laid down by the syndicate.

3.1 A person who wishes to be enrolled as a candidate for M.Phil. programme of study, shall apply to the Department concerned, by the date notified by the University, on the prescribed form

3.2 A candidate for the M.Phil. course shall pay tuition fee of Rs. 25/- per month for one academic year. Candidates who are granted extension will not be required to pay any tuition fee.

3.3 On being enrolled, a person who holds a scholarship/Fellowship of Panjab University or University Grants Commission or any other Organisation approved by the Syndicate, specifically meant for the M.Phil. programme of study, shall be exempted from payment of monthly tuition fee.

4. A candidate may apply to the Board of Control through the supervisor for permission to modify the title of his dissertation within a period of two months from the date of its approval. The modified title of the dissertation shall be subject to the approval of the Joint Research Board.

5. A candidate who is unable to complete his dissertation within two semesters/one academic year, may apply through the supervisor concerned for grant of extension. Such extension may be granted by the Joint Research Board on the recommendation of the Board Control up to a maximum of one year but it shall not be necessary for the candidate to spend the period of extension in the Department.

Provided that every application for grant of extension shall be accompanied by a fee of Rs. 50/-.

6.1 On completion of the dissertation, the candidate shall submit three printed/typewritten copies of his dissertation alongwith the summary and a fee of Rs. 125/-.

6.2 The amount of examination admission fee to be paid by a candidate shall be Rs. 100/- for a semester in which theory papers are offered.

7. A candidate shall be permitted to submit his dissertation for the M.Phil. degree if his Supervisor certifies that the dissertation presented is worthy of consideration for the

award of M.Phil. degree. If a candidate fails to qualify in the prescribed courses but obtains 45% pass marks in the dissertation, the marks obtained in the dissertation shall be carried forward, if the candidate so desires, without fresh assessment of the dissertation.

8. A candidate may incorporate in his dissertation the contents of any work which may have been published by him on the subject and shall inform the supervisor, if he has done so and also state the fact in the preface of the dissertation. But he shall not submit his dissertation or any work for which a degree has already been conferred on him or any other person by this or any other University.

9. A candidate for the M.Phil. degree shall be free to publish his dissertation after the declaration of the results as successful.

10. The minimum number of marks required to pass the examination shall be :—

- (a) 45 per cent in each course/dissertation
- (b) 50 per cent in the aggregate.

11. Successful candidates shall be classified as under :—

- (a) Those who obtain 70% or more of his aggregate number of marks: First Division with Distinction
- (b) Those who obtain 60% or more of his aggregate number of marks but less than 70%: First Division
- (c) Those who obtain less than 60% of his aggregate number of marks: Second Division

12. A candidate who has failed in the examination or having completed the course/s has failed to appear in the examination, may be allowed to appear at the next semester examination without attending a fresh course of Lectures. For this purpose, he may be given two consecutive chances.

Provided that he clears the course/courses within a period of 2 years of his admission to the M.Phil. course.

13. Subject to the provisions of these Regulations, the Controller of Examinations shall publish the result on its receipt from the Chairman/Head of the Department.

14. A candidate who has been awarded M.Phil. degree, or an M.Phil. candidate who has been found suitable for enrolment for Ph.D. degree by the Board of Control, may be allowed exemption up to a period of one year by the Joint Research Board, this period thus being counted towards the minimum period for Ph.D. research. Such candidates will also be eligible for proportionate exemption in regard to the minimum residence of 3/36 weeks as provided in Ph.D. Regulations.

38. Regulation 4.3 & 4.4 for Bachelor of Pharmacy Examination at page 507 of the Calendar Volume II 1988.

4.3 A candidate having attended the prescribed number of lectures and practicals, does not appear in all or any of the course(s) or having appeared fails in all or any of the courses in the examination held in April of the year may appear in such courses in the next three consecutive examinations. *Provided that a candidate who has been allowed to join next higher class provisionally under Regulation 8.1 may appear in four consecutive examinations relevant to the higher class following immediately after he becomes eligible for appearing in it.*

4.4 A candidate who is short of the required attendance at lectures and/or practicals for the examination to be held in April, may, after making up the deficiency, appear in the examination to be held in September and avail of three further chances in the manner stipulated in Resolution 4.3.

1.1 The duration of the course for Post Graduate Diploma in Adult & Continuing Educational shall be one academic year.

1.2 The examination for the course shall be held once a year ordinarily in the month of May or on such dates as may be fixed by the Syndicate and notified by the Controller of Examinations.

1.3 The last date for receipt of examination admission forms and fees without and with late fee as fixed by the Syndicate, shall be notified by the Controller of Examinations.

2. A person who has passed one of the following examinations shall be eligible to join the course :—

- (i) Master's degree in any Faculty of Panjab University with at least 50% marks;

OR

- (ii) B.Ed./B.T./L.T. with at least 50% marks and with minimum of one year experience in Continuing/Extension education;

OR

- (iii) An Examination of any other University with at least 50% marks, recognised by the Syndicate as equivalent to (i) above.

3. A candidate who possesses the qualifications laid down in Regulation 2 shall be eligible to appear in the examination provided he produces the following certificates signed by the Chairman of the Department of Education :—

- (a) of good character;
- (b) of having been on the rolls of the Department of education during the academic year preceding the examination; and
- (c) of having attended not less than 66% of lectures in each paper delivered for the course and sessional work.

4. A deficiency in the required number of lectures/sessional work may be condoned :

- (i) Up to 15 lectures by the Chairman of the Department; and
- (ii) Up to 25 lectures by the Dean of University Instruction, on the recommendation of the Chairman of the Department.

5. The examination shall be held in accordance with the prescribed syllabi.

6. The examination fee to be paid by the candidate shall be Rs. 75/-.

7. The medium of instruction and examination shall be English.

8.1 The examination shall consist of three parts :

- Part I Theory Papers I to V
- Part II Sessional Work Paper VI
- Part III Comprehensive Viva.

8.2 The theory papers (I to V) in Part I shall be examined by the teachers who teach the course.

8.3 The grading by the teachers who teach the course shall be done on the basis of two class tests, two assignments and participation in seminars and paper-reading organised by the Department during the session in addition to examination conducted at the end of the course.

8.4 Grading done by the teachers teaching the course/courses shall be scrutinized by a panel consisting of two external examiners appointed by the Vice-Chancellor, the Chairman of the Department and two members of the faculty teaching course nominated by the Chairman of the Department of Education and they shall have the authority to change the grades in consultation with the teacher concerned.

39. Regulations for Postgraduate Diploma in Adult and Continuing Education (effective from the admissions of 1989).

8.5 Grades in respect of Part I, Part II and Part III shall be recorded by the Chairman of the Department on the following basis :—

1. Part I (Theory) On the recommendations of the teacher and subsequent approval of the panel by the examiners as stated in Regulation 8.3.
2. Part II (Sessional Work) Sessional Work by a Committee comprising Chairman of the Department and the teacher incharge and subsequent approval of the panel of examiners as stated in Regulation 8.3.
3. Part III (Comprehensive Viva) Comprehensive viva conducted by two external examiners appointed by the Vice-Chancellor, on the recommendation of the Chairman of the Department, and two members of the Faculty teaching the course to be appointed by the Vice-Chancellor on the recommendations of the Chairman of the Department.

8.6 There shall be continuous evaluation of students' work done by the teacher concerned incharge through a system of grading as under :—

Notation	Grade Point	Equivalent Numerical Score
O (Outstanding)	8	80—100
A (Very Good)	7	65—79
B (Good)	6	55—64
C (Satisfactory)	5	50—54
D (Fail)	4 (Fail)	Below 50

With a view to assessing the overall performance of a candidate Grade Point Average (GPA) for the entire programme of study undertaken for the Diploma shall be calculated as follows :

Grade	Points
O	8
A	7
B	6
C	5
D	4 (Fail)

8.7 The grade point average shall be worked out up to 2 decimal points.

8.8 A candidate shall be required to have a minimum grade point average of 5 in each theory paper, sessional work and Comprehensive viva separately to be eligible for the award of Post-graduate Diploma in Adult and Continuing Education.

9. A candidate who achieves less than 5 grade point average in one or more course/s may be allowed to take up course/s only that course/s a regular student provided that if he fails to qualify for the entire course within three consecutive chances including the first chance to which he was entitled, he shall not be allowed to join the course again.

10. The Controller of Examinations shall publish the result four weeks after the termination of the examination or as seen as possible.

11. Each successful candidate shall be granted a Diploma by the University.

No. 2-91/G.R.—The Central Government (Ministry of Human Resource Development, Deptt. of Education) have accorded approval vide their letter No. 23-7/91-U.I. dated 5-12-1991 to the Addition of Transitory Regulation to the Regulations for admission to M.A./M.Sc. Part I examination at pages 117, 123 & 131 for Master or Arts examination and Master of Arts/Science examinations (Semester System) and be given effect to from the April 1992 examinations.

TRANSITORY REGULATION

A candidate who has passed B.A. examination under the old scheme shall be eligible to join M.A. Part I class w.e.f. admissions of 1991, after passing a Bridge Course consisting of English (Literature and Language) and 2 elective subjects of B.A. Third Year (New Scheme), the subjects being the same as he had passed in the B.A. (Old Scheme).

A candidate who has passed B.Sc. examination under the old scheme shall be eligible to join M.Sc. Part I class w.e.f. admissions of 1991 after passing a Bridge Course consisting of English (Literature and Language) and 2 elective subjects of B.Sc. Third Year (New Scheme) one of which should be the one in which he wants to do M.Sc.

The percentage of marks required to join the M.A./M.Sc. Part I class be determined on the basis of the marks obtained by the candidate in the B.A./B.Sc. (Old Scheme) examination and the marks of Bridge Course taken together.

That wherever for admission to University courses B.A./B.Sc./B.Com. is the minimum requirement, the B.A./B.Sc./B.Com. (14-year degree) should stand replaced by B.A./B.Sc./B.Com. (15-year degree).

Chandigarh-160014

Dated : 31-12-1991

S. P. DHAWAN
Dy. Registrar (General)

Sealed in my presence with the Common Seal of Panjab University, this day 31-12-1991.

B. L. GUPTA
Registrar

